@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 9 अगस्त 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 274 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दस अगस्त को वायनाड दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 8 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को केरल में वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी 10 अगस्त को दोपहर कलपेट्टा पहुंचेंगे और उसके बाद भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। उधर, केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने तिरुवनंतपुरम में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पीएम मोदी का वायनाड दौरा राज्य सरकार की उस मांग के बीच हो रहा है, जिसमें उसने भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा मानने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के अनुरोध के बाद गृह मंत्रालय ने आपदा की गंभीरता की जांच करने और इस संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए नौ सदस्यीय समिति नियुक्त की है। विजयन ने कहा कि राज्य को एक व्यापक पुनर्वास पैकेज मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अब तक केंद्र सरकार बहुत सहयोगी और मददगार रही है। इस बीच, भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों से लापता लोगों की तलाश नौवें दिन भी जारी रही, जिसमें सेना और नौसेना समेत कई बलों के 1,026 कर्मियों, 500 से अधिक स्वयंसेवकों और भारी मशीनरी को वहां तैनात किया गया है। 30 जुलाई को वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में हुए विनाशकारी भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या 300 से ज्यादा है। वहीं केरल के स्थानीय प्रशासन की तरफ से बुधवार को जारी किए गए शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, एक सप्ताह से अधिक समय पहले उत्तरी केरल के इस जिले में हुए भीषण भूस्खलन के बाद से अभी भी 138 लोग लापता हैं।

वक्फ बोर्ड में बड़े बदलाव, नए कानून आम मुसलमानों को करेंगे प्रभावित

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 8 अगस्त। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक 2024 को लोकसभा में पेश कर दिया। केंद्र सरकार का दावा है कि इस संशोधन में वक्फ बोर्ड के कानूनों को आधुनिक, लोकतांत्रिक और गरीब मुसलमानों के हितों के अनुरूप बनाने की कोशिश की गई है। मुस्लिम विद्वान मानते हैं कि वक्फ बोर्ड एक्ट का संशोधन मुस्लिम समुदाय पर दूरगामी असर डालेगा। अभी जो शुरुआती जानकारी मिली है, उसके अनुसार केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्ड एक्ट में निम्नलिखित प्रमुख बदलाव करने की बात कही है- 1- नए वक्फ बोर्ड बिल में केंद्रीय और राज्यों के वक्फ बोर्ड में एक पूर्व जज को नियुक्त किये जाने का प्रस्ताव है। इस समय मानवाधिकार आयोग सहित कई बड़ी संस्थाओं के चेयरमैन के रूप में एक रिटायर्ड जज को नियुक्त किया जाता है। अब केंद्रीय वक्फ काउंसिल के मामले में भी इसी मॉडल को अपनाया जाएगा। इससे वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता और बेहतरी आएगी। 2- केंद्र और राज्य के वक्फ बोर्ड में क्षेत्र का स्थानीय जनप्रतिनिधि (सांसद या विधायक) भी एक सदस्य होगा। वह किसी भी धर्म-समुदाय का हो सकता है। चूंकि जनप्रतिनिधि के तौर पर किसी भी धर्म-समुदाय के व्यक्ति का चुनाव हो सकता है, इस तरह वक्फ बोर्ड में गैर मुसलमानों का प्रवेश होगा। मुसलमानों की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल इसका विरोध कर सकते हैं। अभी इस समय पश्चिम बंगाल में मंदिरों का प्रबंधन करने वाली एक समिति का अध्यक्ष एक मुसलमान व्यक्ति को बनाया गया है। हिंदू समुदाय सहित विपक्ष की तमाम दलीलों के बाद भी ममता बनर्जी सरकार ने इसे बरकरार रखा है। केंद्रीय वक्फ बोर्ड में गैर मुसलमानों की नियुक्ति में यह एक आधार बन सकता है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी कहा है कि यह सोच बेहद दकियानूसी बात होगी कि किसी धर्म के हितों के संरक्षण के लिए किसी व्यक्ति को उसी समुदाय का होना आवश्यक है। इससे केंद्र सरकार का रुख समझ में आता है। 3- केंद्र सरकार ने केंद्रीय वक्फ बोर्ड सहित राज्यों के वक्फ बोर्ड में दो-दो महिलाओं को अनिवार्य रूप से नियुक्त करने का प्रावधान किया है। इससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और उन्हें सशक्त करने में मदद मिलेगी। 4- वक्फ बोर्ड के कार्यकलाप को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षित अधिकारियों को शामिल करने की बात कही गई है। इससे वक्फ बोर्ड के कामकाज में बेहतरी आएगी और वक्फ के मामले अनावश्यक रूप से कानूनी पचड़ों में नहीं फंसेंगे। 5- आधुनिक तकनीकी का उपयोग करके वक्फ बोर्ड की संपत्तियों की पूरी जानकारी डिजिटल की जाएगी। इससे वक्फ की संपत्तियों को किसी दूसरे के द्वारा कब्जा नहीं किया जा सकेगा। आरोप है कि अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी (दोनों अब मृतक) जैसे अपराधियों ने अपने सत्ता बल और बाहुबल का उपयोग करते हुए वक्फ बोर्ड की बेशकीमती जमीनों को हथिया लिया था। वक्फ की संपत्तियों के डिजिटलीकरण होने से इस तरह के अपराध रुकेंगे। 6- वक्फ बोर्ड से संबंधित विवादों के मामले में काउंसिल को छह महीने के अंदर निर्णय देना अनिवार्य होगा। अपील करने के लिए अधिकतम तीन महीने का समय दिया गया है। इस समय केंद्र से लेकर राज्यों तक हजारों केस वक्फ बोर्ड के पास लंबित हैं।

मोहम्मद यूनुस पद और गोपनीयता की शपथ ली

कौमी संवाददाता

ढाका, 8 अगस्त। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के जाने के बाद अंतरिम सरकार का गठन हो गया है। मुहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। बंगभवन में आयोजित किए गए शपथ ग्रहण समारोह में मोहम्मद यूनुस समेत अंतरिम सरकार के सभी सदस्यों को बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुखिया चुना गया था। अब उन्होंने पद और गोपनीयता की शपथ ले ली है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रो. मोहम्मद यूनुस ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार देश के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। पेरिस से ढाका लौटने के बाद हवाईअड्डे पर यूनुस का सेना प्रमुख वकार उज जमां, वरिष्ठ अधिकारियों और छात्र नेताओं ने स्वागत किया था। इस दौरान उन्होंने कहा, उनकी सरकार का पहला काम कानून-व्यवस्था को पटरी पर लाना, अव्यवस्था को नियंत्रित करना और अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को रोकना होगा। उन्होंने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को साजिश बताया। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि देश के पुनर्निर्माण में उनका साथ दें। 2006 में शांति का नोबल हासिल करने वाले यूनुस ने कहा, आज हमारे लिए गर्व का दिन है। हमने दूसरी बार आजादी हासिल की है और हमें इसे सुरक्षित रखना है। मोहम्मद यूनुस ने देश के सभी लोगों से आग्रह किया कि उनकी बात सुनें। उन्होंने कहा कि वह अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने के लिए छात्रों और युवाओं के अनुरोध पर तैयार हुए हैं।

राजद परिवार से जुड़े रियल्टी प्रमोटर अमित कात्याल की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, 8 अगस्त। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निरोधक कानून के तहत गुरुग्राम में 70 एकड़ जमीन और फ्लैट, मुंबई में कुछ आवासीय इकाइयां, दिल्ली में एक फार्महाउस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार के करीबी अमित कत्याल और उनकी रियल्टी कंपनियों की करीब 113 करोड़ रुपये की एफडी (सावधि जमा) को अटैच किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि कृष रियलटेक प्राइवेट लिमिटेड और ब्रह्मा सिटी प्राइवेट लिमिटेड के मामले में 113.03 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच करने के लिए छह अगस्त को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया था। कात्याल को पिछले साल रेलवे में भूमि के बदले नौकरी घोटाले से संबंधित एक अलग मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केंद्रीय एजेंसी ने गिरफ्तार किया था। इसमें लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, सांसद बेटी मीसा भारती और कुछ अन्य शामिल हैं। धन शोधन का यह मामला गुरुग्राम पुलिस और दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की ओर से दर्ज की गई एफआईआर से उपजा है। इन एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि कृष रियलटेक प्राइवेट लिमिटेड, ब्रह्मा सिटी प्राइवेट लिमिटेड, राजेश कत्याल और अमित कत्याल ने बिना लाइसेंस के प्लॉट आवंटित करने की आड़ में निवेशकों को धोखा दिया

पंजाब के ओलंपिक पदक विजेता हॉकी खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ का इनाम: सीएम मान

चंडीगढ़, 8 अगस्त। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता है। इसके साथ ही पंजाब सरकार ने पंजाब के खिलाड़ियों को इनाम देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एलान किया है कि पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम में शामिल पंजाब के प्रत्येक खिलाड़ी को एक-एक करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। सीएम मान ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन कर कांस्य पदक मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराकर पूरे देश का नाम रोशन किया है। इस रोचक मुकाबले में भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाकार इतिहास रचा है। बता दें कि हॉकी टीम में कप्तान हरमनप्रीत सिंह समेत पंजाब के 10 खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलंपिक मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया है। हरमनप्रीत सिंह ने पूरे ओलंपिक मुकाबलों में 10 गोल किए। इन खिलाड़ियों को राज्य सरकार की नीति के अनुसार एक-एक करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि 52 साल बाद भारत ने ओलंपिक में हॉकी में लगातार दो पदक जीते हैं। भारतीय टीम ने पहले टोक्यो और अब पेरिस ओलंपिक में लगातार दो पदक जीते हैं। इससे पहले उन्होंने 1968 मैक्सिको और 1972 म्यूनिख में लगातार दो पदक जीते थे। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि यह ऐतिहासिक जीत देश में राष्ट्रीय खेल के पुराने गौरव की बहाली का मार्ग प्रशस्त करेगी। पूरी टीम ने स्पेन के खिलाफ इस शानदार जीत से पूरे देश को गौरवान्वित किया है और यह जीत खेल इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज की जाएगी।

वक्फ बिल को लेकर अमित शाह और अखिलेश यादव के बीच तीखी नोकझोंक

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 8 अगस्त। लोकसभा में गुरुवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख और कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर लोकसभा में बोलते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने गुरुवार को दावा किया कि समुदाय से बाहर का कोई भी व्यक्ति अन्य धार्मिक निकायों का हिस्सा नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि, यह बिल जो पेश हो रहा है, वो बहुत सोची समझी राजनीति के लिए तैयार हो रहा है। जब चुनाव के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, तो लोगों को नामित क्यों किया जाता है? समुदाय से बाहर का कोई भी व्यक्ति अन्य धार्मिक निकायों का हिस्सा नहीं है। वक्फ निकायों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने का क्या मतलब है? अखिलेश यादव ने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद भाजपा कुछ कट्टरपंथी समर्थकों को खुश करने के लिए यह विधेयक लाई है। आपके और हमारे अधिकारों में कटौती की जा रही है। अखिलेश ने इस कड़ी में कहा कि- मैंने आपसे कहा कि आप लोकतंत्र के न्यायाधीश हैं। मैंने सुना है कि आपके कुछ अधिकार छीने जा रहे हैं और हमें आपके लिए लड़ना होगा। अध्यक्ष महोदय, मैंने लॉबी में सुना कि आपके कुछ अधिकार भी छीने जा रहे हैं और हमें आपके लिए लड़ना होगा। मैं इस विधेयक का विरोध करता हूं। वहीं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की शक्तियों में कटौती के अखिलेश यादव के दावे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुस्से में खड़े होकर हस्तक्षेप किया और कहा कि बयान भ्रामक है। गृह मंत्री ने कहा कि, अध्यक्ष के अधिकार विपक्ष के नहीं, बल्कि पूरे सदन के हैं। अखिलेश जी इस तरह की गोलमोल बात आप नहीं कर सकते। आप अध्यक्ष के अधिकारों के रक्षक नहीं हैं।

'विधानसभा चुनाव में मौजूदा सीटें बरकरार रखेंगे महायुति के घटक दल: अजित पवार

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 8 अगस्त। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोर शोर से चल रहीं हैं। इस बीच महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला तय करने के बारे में कुछ खास बातें बताई। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के तीनों दल अपने मौजूदा निर्वाचन क्षेत्रों को बरकरार रखेंगे। आपको बता दें कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी शामिल हैं। अजित पवार ने कहा, 'आगामी विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियां अपने मौजूदा निर्वाचन क्षेत्रों को बरकरार रखेंगीं। अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में बदलाव जरूरी होगा, तो सभी पार्टियां इसके लिए तैयार हैं। सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला जल्द तय कर दिया जाएगा।' अजित पवार ने नासिक में अपनी पार्टी की जन सम्मान यात्रा का शुभारंभ करने के दौरान ये बातें बताईं। उधर, अजित पवार ने मराठा आरक्षण को लेकर कहा कि उनकी पार्टी किसी भी समुदाय को नाखुश नहीं करना चाहती। जन सम्मान यात्रा की शुरुआत करने के दौरान महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैंने जनता को भगवान और खुद को जन सेवक माना है। इसलिए, यह एक धार्मिक यात्रा का आह्वान है।' राकांपा अध्यक्ष ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले डिंडोरी से इस यात्रा की शुरुआत की है, जो कि अक्तूबर तक चलेगी। इस दौरान अजित पवार ने सोलापुर सिंचाई योजना, पुणे मेट्रो, खराडी आईटी पार्क, बारामती हाईटेक टेक्सटाइल पार्क जैसी कई परियाजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा में पेश किए गए 2024-25 बजट पर उन्हें गर्व है क्योंकि इसमें जन कल्याण को लेकर कई योजनाओं की बात कही गई है। उन्होंने कहा, 'लाड़की बहिन योजना से राज्य की माताओं और बेटियों को सशक्त बनाया जाएगा। मैंने इस योजना के लिए 46,00 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है।' इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष पर इस योजना को लेकर भ्रम फैलाने को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार इस बात की कोशिश कर रही है कि रक्षाबंधन से पहले लाड़ली बहिन योजना की पहली किस्त जारी कर दी जाएगी।

मछुआरों और भोजन अधिकार कार्यकर्ताओं से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली, 8 अगस्त। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को संसद भवन के स्वागत कक्ष में भोजन का अधिकार अभियान के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इसके अलावा वह देशभर के मछुआरों के एक प्रतिनिधिमंडल से भी मिले। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस सांसद को अपनी चिंताओं और मुद्दों से अवगत कराया। कांग्रेस ने दावा किया कि दोनों प्रतिनिधिमंडलों को संसद में प्रवेश करने के लिए पास नहीं गया था। इसीलिए राहुल गांधी उनसे मिलने के लिए संसद भवन के स्वागत कक्ष में आए। मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा, किसी से भी मिलना हमारा अधिकार है। लेकिन वे (सरकार) हमें अनुमति नहीं दे रहे हैं। मैंने किसानों के बारे में सदन में बोला था। स्पीकर ने कहा कि उन्हें रोका नहीं जा रहा है। अब इन लोगों को फिर से रोक दिया गया है। मछुआरों का मुद्दा है और बाल कल्याण (भोजन का अधिकार अभियान) के लोग भी आए थे। इस बारे में पूछे जाने पर कि वह ऐसे प्रतिनिधिमंडलों से लगातार मिल रहे हैं, गांधी ने कहा कि यह उनका काम है और वह ऐसा करते रहेंगे। इससे पहले दोपहर में राहुल गांधी ने सफाई कर्मचारी आंदोलन के सदस्यों और मैला ढोने की प्रथा में शामिल लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कांग्रेस नेता को अपनी समस्याओं और मुद्दों से अवगत कराया।

विनेश के सन्यास का फैसला कहीं जल्दबाजी तो नहीं ?

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 8 अगस्त। अधिक वजन के चलते पेरिस ओलंपिक 2024 के फाइनल मैच के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के एक दिन बाद दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास का एलान कर दिया। इस खबर से पूरा देश स्तब्ध है। विनेश फोगट ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा मां, कुश्ती मुझसे जीत गई, मैं हार गई..मेरी हिम्मत टूट गई। अब मुझमें और ताकत नहीं है। अलविदा कुश्ती 2001-2024। मैं हमेशा आप सभी की ऋणी रहूंगी। कृपया (मुझे) माफ कर दें। विनेश के इस फैसले से प्रशंसक हैरान हैं। सोशल मीडिया पर कई लोग लिख रहे हैं, विनेश में अभी बहुत खेल शेष था, उनका ये फैसला जल्दबाजी वाला है। इस फैसले पर उनके चाचा महावीर फोगाट ने कहा कि विनेश के पेरिस से लौटने के बाद उन्हें अगले ओलंपिक के लिए मनाएंगे। उन्होंने कहा, इस बार ओलंपिक स्वर्ण पदक पक्का था लेकिन वह अयोग्य घोषित कर दी गई। यह दुखद है और इसलिए उसने यह फैसला किया है। एक बार जब वह वापस आ जाएगी, तो हम सभी उसे समझाने की कोशिश करेंगे। भारतीय ओलंपिक टीम के डॉक्टर दिनशॉ पौडीवाला ने स्टेटमेंट जारी करके बताया कि विनेश और उनके कोच को 6 अगस्त की रात ही उनके ज्यादा वजन के बारे में पता चल गया था। इसके बाद विनेश पूरी रात नहीं सोईं और वजन को नियंत्रित के लिए जॉगिंग, स्किपिंग और साइकिलिंग जैसी एक्सरसाइज करती रहीं। विनेश ने अपने बाल और नाखून तक काट दिए थे। उनके कपड़े भी छोटे कर दिए गए थे। इसके बावजूद उनका वजन नहीं घट पाया। भोपाल में वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ सत्यकांत त्रिवेदी कहते हैं, ये विनेश का व्यक्तिगत निर्णय है, हम सभी इसका सम्मान करते हैं पर उन्हें इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। कई बार भावनात्मक रूप से लिए गए फैसले सही नहीं होते हैं। डॉक्टर सत्यकांत कहते हैं, जीवन में जब कभी भी कठिन समय आए, आपको भावनात्मक रूप से असहनीय पीड़ा का अनुभव हो रहा हो उस समय पर जीवन का कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने से बचना चाहिए। ऐसी परिस्थियों में लिए गए निर्णय कई बार पछतावा का कारण बनते हैं। डॉ सत्यकांत कहते हैं, कठिन और नकारात्मक परिस्थितियों में कोई भी बड़ा फैसला न करें बल्कि उसे कुछ समय के लिए होल्ड पर डाल दें। हो सकता है कि एक-दो महीने के बाद अगर आप वही निर्णय लेना चाहें तो वो चेतना के हिसाब से ज्यादा बेहतर और परिपक्व साबित हो। आमतौर पर खराब मानसिक स्वास्थ्य या नकारात्मक परिस्थितियों में कोई भी बड़ा फैसला करने से बचना चाहिए। मेरा विनेश फोगट से भी अनुरोध है कि एक बार वह सन्यास के अपने फैसले को होल्ड पर डालें तो कुछ समय के पश्चात इसपर फिर से विचार करें। डॉ सत्यकांत कहते हैं, खिलाड़ियों के जीवन में उतार-चढ़ाव बना रहता है। कभी हार-कभी जीत, कभी उत्साह कभी निराशा ये जीवन का हिस्सा है। विनेश की उम्मीदें जरूर टूटी हैं और पूरे देश को इससे दुख है पर अभी बहुत लंबा जीवन और खेल की अपार संभावनाएं उनमें शेष हैं। रिजेक्शन भी खेल का हिस्सा है इसकी हैंडलिंग सीखना भी आना जरूरी है। युवराज सिंह जैसे खिलाड़ियों ने कैंसर को मात देकर देश के विश्वकप में जीत हासिल कराई, ये परिस्थितियों में स्वीकारते हुए आगे बढ़ने और बेहतर करने के सबसे अच्छे उदाहरण हैं। मुझे उम्मीद है कि विनेश अगर फैसले पर फिर से विचार करती हैं तो बड़ी बात नहीं आने वाले वर्षों में उनके गले में कई मेडेल्स सुशोभित हो रहे हों। अस्वीकरण- अमर उजाला की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को अमर उजाला के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है। इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निर्देशों का पालन किया गया है।

पूंजीगत व्यय को रफ्तार दी लेकिन सभी आर्थिक इंजन एक गति में नहीं चल रहे': जयराम रमेश

नई दिल्ली, 8 अगस्त। 'केंद्र सरकार ने पूंजीगत व्यय को भले ही रफ्तार दी हो लेकिन, भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी इंजन एक रफ्तार में नहीं चल रहे हैं।' राज्य सभा में केंद्रीय बजट की आलोचना करते हुए कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने यह बात कही। बजट पर चर्चा के दौरान जयराम रमेश ने कहा कि भले ही सरकार ने पूंजीगत व्यय पर जोर दिया लेकिन, निजी निवेश पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, 'विकास के सभी इंजन एक रफ्तार में काम नहीं कर रहे। वित्त मंत्री ने सरकार के पूंजीगत व्यय वाले इंजन की रफ्तार बढ़ाने पर जोर दिया, लेकिन निजी निवेश का इंजन प्रगति नहीं कर रहा, यह तेजी से नहीं चल रहा।' उन्होंने आगे कहा कि निजी खपत और निर्यात के इंजन भी तेज रफ्तार से प्रगति नहीं कर रहे। उधर, युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी के सांसद वी विजयसाई रेड्डी ने कहा कि बजट में शेयर बाजार में निवेश को हतोत्साहित किया गया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के ग्राहकों पर न्यूनतम आवश्यक धनराशि को बनाए ना रखने पर 8,495 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इस धनराशि को ग्राहकों को वापस लौटाया जाना चाहिए। रेड्डी ने वित्त मंत्री से अनुरोध किया कि पूरे देश में बचत बैंक खातों को शून्य शेष खातों में तब्दील किया जाए। उधर कांग्रेस पार्टी के राज्य सभा सदस्य विवेक के. तन्खा ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि बजट में मध्यम वर्ग का कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि बजट में उर्वरक के लिए मिलने वाली सब्सिडी को एक लाख रुपये कम कर दिया गया है, इस वजह से यह किसानों के हित का बजट नहीं कहा जा सकता। उधर, तृणमूल कांग्रेस सांसद डोला सेन ने केंद्र सरकार से जीवन एवं स्वाथ्य बीमा प्रीमियम पर लगाए जाने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी को समाप्त करने की मांग की।

मंत्री सुबोध उनियाल ने नई दिल्ली में की रक्षा मंत्री से भेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्य के वन, भाषा, निर्वाचन एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मंत्री ने केन्द्रीय रक्षा मंत्रालय के सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने बताया कि इस दौरान राज्य हित और अन्य सम-सामयिक मसलों पर समेकित रूप से चर्चा हुई। उल्लेखनीय हैं कि मंत्री सुबोध उनियाल ने नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी शिष्टाचार भेंट की थी।

उपराष्ट्रपति 9 अगस्त से राजस्थान के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 9 अगस्त से राजस्थान के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। धनखड़ जोधपुर में न्यायिक अधिकारियों के सम्मेलन और राजस्थान उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जयंती समारोह में शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने एक बयान जारी कर कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ. सुदेश धनखड़ 9 अगस्त से जोधपुर, राजस्थान के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। अपनी यात्रा के पहले दिन धनखड़ जोधपुर में न्यायिक अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि होंगे। दूसरे दिन उपराष्ट्रपति राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के प्लेटिनम जयंती समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे।

इंडेक्सेशन क्लॉज के फैसले पर बोले गौरव गोगोई, हमारे दबाव के कारण मध्यम वर्ग को मिली राहत

नई दिल्ली,। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने दावा किया कि विपक्षी 'इंडिया' ब्लॉक के दबाव के बाद केंद्र सरकार ने इंडेक्सेशन क्लॉज पर अपना फैसला वापस लिया। गौरव गोगोई ने कहा कि बजट में इंडेक्सेशन के जो क्लॉज थे, वे पूरी तरीके से मध्यम वर्ग के विरोधी थे। हमारे दबाव के कारण मध्यम वर्ग को राहत मिली। कांग्रेस नेता ने कहा कि 'इंडिया'ब्लॉक के दबाव के बाद केन्द्र सरकार ने इस पर रोल बैक की घोषणा की। गौरव गोगोई ने जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से कम करने की मांग दोहराते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भी विपक्ष ने सरकार पर बहुत दबाव डालने की कोशिश की। लेकिन इस विधेयक पर वोटिंग नहीं हुई। विधेयक को लेकर कोई बातचीत भी नहीं की गई। सरकार इस पर कोई तकनीकी कारण दिखा रही है, जो बिल्कुल बेबुनियाद है।

जेएनयू छात्र संघ ने बुनियादी मांगों को लेकर कैंपस में की हड़ताल

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के कैंपस में छात्र संघ ने बुनियादी मुद्दों को लेकर प्रशासन के खिलाफ एक दिन के लिए हड़ताल की। इस दौरान छात्र संघ के अध्यक्ष धनंजय कुमार ने कहा कि कैंपस में कई बुनियादी मुद्दे ऐसे हैं जिसको लेकर तमाम छात्र संघ प्रशासन के खिलाफ लगातार आवाज उठाते रहे हैं। लेफ्ट विंग हो या राइट विंग कैंपस के बुनियादी मुद्दों के लिए प्रशासन के खिलाफ बीते दिनों में कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं। बुनियादी मुद्दों को लेकर विसी को पत्र भी लिख चुके हैं, लेकिन कोई भी उनकी मांगों पर सार्थक प्रयास नहीं किया गया। छात्र संघ अध्यक्ष ने कहा कि कैंपस में एमसीएम के छात्रों को बीते कई सालों से महज दो हजार रुपये दिया जाता है। जबकि इतनी ज्यादा महंगाई हो गई है कि कैंपस में मेस के पैसे काफी बढ़ गया है। बावजूद इसके उन्हें अभी तक दो हजार रुपये ही मिल रहे हैं। इसे बढ़ाने की बात जेएनयू छात्र संघ कर रहा है। कैंपस में बीते दिनों पानी की समस्या काफी थी।

केदार कश्यप ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री से की सौजन्य मुलाकात

नई दिल्ली। वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव से सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने बैठक में छत्तीसगढ़ में वन संरक्षण, पर्यावरण सुधार और वन्यजीवों के संरक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की।

वनमंत्री श्री कश्यप ने केंद्रीय मंत्री को राज्य के वन प्रबंधन, वृक्षारोपण अभियान और पर्यावरणीय सुधारों की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए राज्य द्वारा किए जा रहे

रेलवे ने कवच तेजी से लगाने के लिए बनायी विशेष योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे को टक्कर रोधी उपकरण कवच 4.0 से युक्त करने के लिए दूरुत गति से काम शुरू हो गया है जिसके तहत दो साल के भीतर 20 हजार से अधिक लोकोमोटिव अर्थात इंजनों में कवच उपकरण और नौ हजार किलोमीटर के मार्ग को कवच युक्त कर दिया जाएगा। श्री वैष्णव ने यहां रेल भवन में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कवच के नये 4.0 संस्करण का एसआईएल-4 प्रमाणन होने के बाद उसके औद्योगिक उत्पादन की स्थिति आ चुकी है और तीन विनिर्माता को इसके लिए ऑर्डर जारी किये गये हैं। दो अन्य विनिर्माताओं को मंजूरी दिये जाने की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। इस प्रकार से पांच विनिर्माताओं की कुल उत्पादन क्षमता इतनी हो जाएगी जिससे एक निश्चित समय में रेलवे के समूचे नेटवर्क को कवच युक्त किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस समय देश में करीब 20 हजार ट्रेनें चल रहीं हैं। पहले चरण में एक साल में 10 हजार और दूसरे साल में 10 हजार इंजनों में कवच फिट कर

दिया जाएगा। इसी समय देश के सभी 70 हजार किलोमीटर ट्रैक में प्रत्येक किलोमीटर पर कवच का रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान चिह्न (आरएफआईडी) लगा दिया जाएगा। इसके समानान्तर करीब 8000 स्टेशनों पर कवच उपकरण लगाने का काम शुरू हो जाएगा। दिल्ली मुंबई और दिल्ली हावड़ा मार्ग पर सबसे पहले कवच लगेगा और उसके बाद मुंबई चेन्नई और चेन्नई हावड़ा मार्ग को कवच युक्त किया जाएगा। तत्पश्चात दिल्ली चेन्नई और हावड़ा मुंबई मार्ग पर कवच लगेगा। दो साल में नौ हजार किलोमीटर कवच युक्त हो जाएगा।

रेल मंत्री ने कहा कि स्टेशनों पर कवच लगाने का काम कठिन होता है क्योंकि एक यूनिट में 80-80 कंट्रोल टेबल डिज़ायन होती है। उन्होंने यह भी कहा कि 1465 किलोमीटर ट्रैक पर लगाये जा चुके कवच के पुराने संस्करण का भी 4.0 संस्करण के स्तर पर उन्नयन किया जाएगा। इसके लिए सॉफ्टवेयर अपडेट करने के साथ एंटीना में मामूली सुधार करना होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि देश में व्यस्त मार्गों पर स्वचालित सिगनल प्रणाली लगायी जा रही है। अब तय हुआ है कि स्वचालित सिगनल प्रणाली कवच 4.0 के साथ ही लगायी जाएगी। श्री वैष्णव ने कहा कि कवच 4.0 की रचना उन्नयन के लिए उपयुक्त है। इसके उन्नयन में केवल संचार प्रणाली के उन्नयन की जरूरत होगी। संचार प्रणाली यूएचएफ सिगनल की बजाय 4जी या 5जी पर लायी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि कवच 6.0 के विकास की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है जो डायनेमिक ब्लॉक सिस्टम पर आधारित होगा। इसमें रेलवे ट्रैक एवं स्टेशनों पर सिगनल के खंभे लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। और यह विश्व के सबसे सुरक्षित संरक्षा प्रणाली ईटीएस-3 के समकक्ष है।

उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अनेक तकनीकी कदम उठाये जा रहे हैं जिनमें पटरियों के स्विचों की डिजायन बदलना और रेल फ्रैक्चर का पता लगाने के लिए अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन मशीन की जगह उन्नत मल्टीबीम अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन मशीन के उपयोग का फैसला लिया गया है।

बंगलादेश में अल्पसंख्यों के खिलाफ हिंसा निंदनीय: सीडीपीएचआर

नई दिल्ली। सेंटर फॉर डेमोक्रेसी, प्लुरलिस्म एंड ह्यूमन राइट्स (सीडीपीएचआर) ने हिंसाग्रस्त बंगलादेश में अल्पसंख्यों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है और संयुक्त राष्ट्र सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यों के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने की अपील की है।

सीडीपीएचआर ने कहा कि बंगलादेश में जारी राजनीतिक हिंसा चिंतनीय है और सीडीपीएचआर इसकी कड़ी निंदा करता है। सीडीपीएचआर ने कहा कि बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने तथा देश से पलायन करने के बाद से वहां आम लोगों और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसा की खबरें आ रही हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में सोमवार को कम से कम चार मंदिरों पर हमले किये गये। अवामी लीग के एक अल्पसंख्यक हिंदू नेता की मौत की भी खबर आई हैं। बंगलादेश के एक प्रमुख अल्पसंख्यक संगठन हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के अनुसार अल्पसंख्यकों के लिए देश में स्थिति बेहद तनावपूर्ण है। उनकी रिपोर्ट के अनुसार, कौकाटा में राधा गोविंद मंदिर पर हमला किया गया था। पंचगढ़, ठाकुरगांव, लोहागरा, नोआखली, झेनैदाह, हथुरिया, डुमर, तगैल, शरीयतपुर, लालमोनिरहाट, मुंशीगंज, संभूगंज, चांदपुर, अराइहाजार, खुलना, दिनाजपुर, नरसिंगडी, लक्ष्मीपुर, किशोरगंज, जेस्सोर, सतखीरा और हबीबगंज। जेस्सोर जिले में अल्पसंख्यों के कम से कम 22 दुकानों को लूट लिया गया। सीडीपीएचआर ने कहा कि हिंसक कट्टरपंथियों को देश को जलाने और आम लोगों के जीवन पर हमला करने से रोकना अभी के लिए सेना की जिम्मेदारी है। सीडीपीएचआर से संबंधित अधिकारियों से अल्पसंख्यों की सुरक्षा के लिए निर्णायक कार्रवाई करने का अनुरोध करते हुए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से अल्पसंख्यों की सुरक्षा के लिए कारगर कदम उठाने की अपील की है।

नीट-पीजी 2024 परीक्षा पेपर लीक के दावे झूठे हैं : एनबीईएमएस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) 2024 परीक्षा के पेपर लीक होने के बारे में मीडिया रिपोर्टों को खारिज करते हुए राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने कहा कि उसने उन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा लिया है, जो पैसे के लिए प्रश्न लीक करने का दावा करके उम्मीदवारों को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

बोर्ड ने इस सूचना को 'गलत और भ्रामक' करार देते हुए नीट-पीजी के आवेदकों से आगाह किया कि वे ऐसे शरारती तत्वों के बहकावे में न आएं। बोर्ड ने उम्मीदवारों को जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किए गए पेपर लीक के दावे 'फर्जी' हैं। एनबीईएमएस ने कहा, 'कुछ

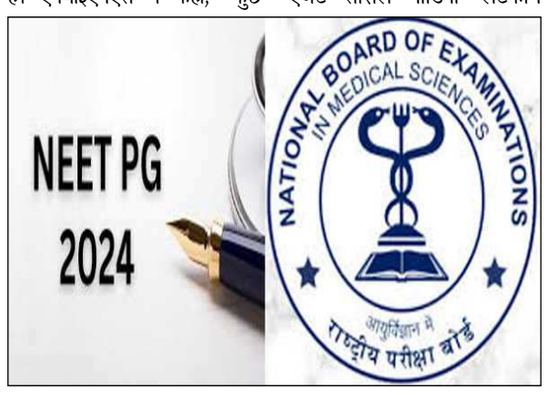

मीडिया रिपोर्ट में सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें एनबीईएमएस ने कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि कुछ बेईमान एजेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के माध्यम से झूठे और फर्जी दावे कर रहे हैं। वे मोटी रकम

स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को लेकर राजनीति कर रहा है विपक्ष: सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बीमा प्रीमियम पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने के निर्णय पर विपक्ष को कटघरे में खड़ा करते हुए सवाल किया कि क्या विपक्षी दलों ने अपने-अपने शासन वाले राज्यों के वित्त मंत्रियों को इस संबंध में कोई पत्र लिखा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वित्त विधेयक 2024 (2) पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि बीमा प्रीमियम पर राज्यों द्वारा कर लगाए जाने की व्यवस्था जीएसटी से पहले से चली आ रही है और वही व्यवस्था जीएसटी में समाहित की गई है। उन्होंने कहा कि वह संसद में विपक्ष द्वारा इस विषय में कही गई बातों को जीएसटी परिषद के सामने रखेंगी, क्योंकि परिषद अपनी 31वीं, 37वीं पर जीएसटी हटाने के मुद्दे पर वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री की चिट्ठी को लेकर श्रीमती सीतारमण ने कहा कि विपक्ष इस पर राजनीति कर रहा है। मंत्री दूसरों के

ज्ञापनों पर इस तरह के पत्र लिखते रहते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी से पहले हर राज्य में स्वास्थ्य कर लगाया जाता था। उन्होंने कहा कि विपक्ष राजनीतिक रोटियां सेंकता है। उन्होंने सवाल किया कि यदि इस तरह की बीमा प्रीमियम के 24 हजार 539 करोड़ रुपए केंद्र ने अपनी जेब में रख लिये हैं। उन्होंने कहा कि बीमा प्रीमियम पर जीएसटी का नौ प्रतिशत केंद्र और इतना ही प्रतिशत राज्यों को चला जाता है। उन्होंने कहा ,' मैं प्रीमियम पर जीएसटी परिषद की 31, 37 तथा अन्य कई बैठकों में चर्चा हुई है। उन्होंने एक अखबार की इस खबर को गलत बताया कि स्वास्थ्य

चरणजीव मल्होत्रा ने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए पीएम मोदी से पुरजोर अपील की !

नई दिल्ली। प्रमुख समाजसेवी व गौमाता रक्षा एवं करोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक संकट के बीच अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने पर चिंता प्रकट करते हुए उन्होने पीएम मोदी जी से हिंदुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है। आगे उन्होंने बताया कि मीडिया में यह खबरें आ रही हैं कि हिंदुओं के घर और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के साथ ही मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें लूटा जा रहा है और नुकसान पहुंचाया जा रहा है। हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। मल्होत्रा ने कहा कि हमारा पड़ोसी बांग्लादेश एक विचित्र अनिश्चितता, हिंसा और अराजकता में फंसा हुआ है। हसीना सरकार के त्यागपत्र और उनके देश छोड़ने के बाद अन्तरिम सरकार के गठन की प्रक्रिया चल रही है। संकट की इस घड़ी मे भारत बांग्लादेश के समस्त समाज के साथ एक मित्र के नाते मजबूती से खड़ा है। उन्होने आगे कहा कि बांग्लादेश में पिछले कुछ समय में हिन्दू, सिख व अन्य अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और घरों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। अनेक जिलों में तो धार्मिक स्थाल एवं श्मशान तक तोड़ दिए गए। मंदिर और गुरुद्वारों को भी क्षति पहुंचाई गयी है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो जो इनकी हिंसा व आतंक का निशाना न बना हो। यह ध्यान दिलाना उचित होगा कि बांग्लादेश में हिंदू जो कभी 32 प्रतिशत थे, अब 8 प्रतिशत से भी कम बचे हैं और वे भी लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हैं। मल्होत्रा ने आगे कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के घर, मकान, दुकान, ऑफिस, व्यावसायिक प्रतिष्ठान व महिलाएं, बच्चे व उनकी आस्था व विश्वास के केंद्र मन्दिर व गुरुद्वारे तक सुरक्षित नहीं हैं। कहा जा सकता है कि वहां पीड़ित अल्पसंख्यकों की हालत बद से भी बदतर होती जा रही है। यह स्थिति चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि ऐसे में विश्व समुदाय की यह जिम्मेवारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्रवाई करें। चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि निश्चय ही भारत इस परिस्थिति में आंखें मूद कर नहीं रह सकता। भारत ने परंपरा से ही विश्वभर के उत्पीड़ित समाजों की सहायता की है। मोदी सरकार से यह आग्रह करती है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए। यह संभव है कि इस परिस्थिति का लाभ उठा कर सीमा पार से घुसपैठ का एक बड़ा प्रयत्न किया जाए। इससे सतर्क रहना होगा। इसलिए हमारे सुरक्षाबलों के लिए यह आवश्यक है कि सीमा पर कड़ी चौकसी बरतें और किसी भी तरह के अतिक्रमण को न होने दें। उन्होने कहा कि हमारी कामना है कि बांग्लादेश में जल्दी से जल्दी लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सरकार पुनः स्थापित हो। वहां के समाज को मानवाधिकार मिले और बांग्लादेश की निरंतर हो रही आर्थिक प्रगति में कोई बाधा न आये।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती अंजलि आहूजा और श्रीमती मधु बब्बर फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या 13/49 (ब्लॉक संख्या 13 और क्वार्टर संख्या 49) की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, जो गीता कॉलोनी, झील कुरेंजा, दिल्ली-110031 के लेआउट प्लान में स्थित है। बिक्री विलेख दिनांक 13.02.2019 के आधार पर, एसआरओ VIII नई दिल्ली के साथ विधिवत पंजीकृत, दस्तावेज़ संख्या 893, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 9167, पृष्ठ 78-84 पर, 18.02.2019 को, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेजों में दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं है यानी स्वर्गीय श्री रमेश कथूरिया की एसएमसी अब हमारे ग्राहक घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और उसी संपत्ति को डीसीबी बैंक लिमिटेड शाखा करोल बाग नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

बेदखली नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती अंजु पत्नी श्री ठाकुर सिंह पता म.न. 16/1363, ब्लाक-ई, आर्यसमाज रोड, बापा नगर, करोल बाग, मध्य दिल्ली-110005 ने अपने बेटे प्रदीप को उसके बुरे आचरण व अभद्र व्यवहार के कारण अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है व भविष्य में मेरे मुवक्किल का इससे किसी प्रकार का कोई संबंध नही रहेगा, यदि इसके साथ कोई कृत्य करता है तो इसकी जिम्मेदारी उनकी होगी मेरे मुवक्किल का इसमे किसी प्रकार का कोई लेना-देना व संबंध नही होगा।

RAM NIWAS SINGH TOMAR,
ADVOCATE
CH. NO. V-31A, TEHSIL BUILDING ROAD, TIS HAZARI COURT, DELHI-110054,

PUBLIC NOTICE

MY CLIENT Rama Chandra Shankhua S/O Late Mahendra Shankhua R/O Badamachuaghai, Post Rajaghara pokhari, P.S. Nayakanidih Distt. Bhadrak, Odisha-756131, have served all relations and disowned his son Harihara Shankhua from his all movable and immovable properties due to their misconduct/misbehavior. My client will not be responsible for his any acts/deeds in future, if any person dealing with them in future shall be doing so, at there own risk and consequences.

PITABAS DAS ADVOCATE
CH. NO.444 LAWYERS CHAMBER BLOCK, SAKET COURTS, NEW DELHI

COURT NOTICE

IN THE COURT OF
SH. SAMEER BAJPAI
PO MACT (SOUTH DISTRICT)
SAKET COURT, NEW DELHI

ORDERS 5 RULE 20

In Re: SHYAAMBIR
V/s
PAPPU

MACT No.: 2120/2019

To
1) PAPPU AND ORS
Address-VILLAGE ASAFPUR TEH KHURJA BULANDSHAHR UP

2) HASMAT KHAN S/O SABEER KHAN R/O PHARAKHAN GANGA GARHI FARKANA BULANSHAHR

Whereas PETITIONER has filed an application under section 166 and 140 of the Motor Vehicle Act for grant of compensation. You are hereby summoned to appear in person or by the pleader on 18.10.2024 at 10:00 AM failing which the application will be disposed of Ex. Parte.

Given under my hand and seal of the court on 08.08.2024.

SAMEER BAJPAI
PO, MACT (SOUTH DISTRICT)
SAKET, NEW DELHI

नाम परिवर्तन

मेरे पति के सैन्य अभिलेखों में मूलवंश मेरा नाम DEEPA VOHRA गलत दर्ज हैं जबकि मेरा सही नाम DEEPA हैं - दीपा पत्नी No.-4096354W नायक दीपक कुमार निवास-आरजेडडी-1ए/129बी, गली नंबर-5 महावीर एन्क्लेव नई दिल्ली-110045 Affidavit No- IN-DL33323287038947W Dated 08/08/2024 Delhi

Name Change

I, YASHFEEN D/o SALIMUDDIN R/o HOUSE NO D-84 DDA FLATS MATA SUNDRI ROAD DARYA GANJ Delhi-110002 have changed my name to YASHFEEN SALEEM for all future Purposes

PUBLIC NOTICE

I,LAKHAN SINGH S/O LATE SH. DEEP SINGH, R/O GURUDWARA SRI GURU SINGH SABHA, BLOCK E, GEATER KAILASH 2,NEW DELHI 110048,I HERE BY DECLARE THAT I HAVE DISOWNED/ DEBARRED MY SON HARPREET SINGH, FROM ALL MY MOVEABLE/IMMOVABLE, PROPERTIES, ASSET, AND SEVERED RELATIONS, AND I SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY ACT DONE BY HIM IN FUTURE.

Name Change

I, MASTANVALI Father of No. 15325621P Rank-HAV Name-MUJIMMIL SHAIK R/O METTAGOWDA PALEM-VILL, BALUSULAPALEM-PO, GUNTUR-DISTT, ANDHRA PRADESH- 522309 have changed my name from MASTANVALI to SHAIK MASTAN VALI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1956 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 Vide Affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

It is for general information that I, TUSHAR SHARMA S/o PREM KUMAR SHARMA, R/o Gali No. 2, Fafrana Road, Janta Colony, Modinagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201204, declare that name of my Mother has been wrongly written as NISHA in my 10th, 12th Class Educational Documents and NISHA SHARMA in my Bachelor of Architecture Degree. The actual name of my Mother is INDRA Respectively, which may be amended accordingly.

Name Change

I, No-6494316F Rank-HAV Name-KULDEEP SINGH S/o MADAN SINGH Residing at VPO-RAIWALA, MANNAT COLONY-2, TEH-RISHIKESH, DIST-DEHRADUN, UTTARAKHAND-249205 have changed my minor son's name from SURIYAS RAWAT to SURIYANS RAWAT for all future purposes vide Affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

I, NO-15330738X Rank-HAV Name-P RAMACHANDRAN legal father of R AJITHA R/O ARASANOOR-VIIL-, TIRUMANJOLAI-PO, SIVAGANGAI-DISTT, TAMIL NADU-630561 have changed my minor daughter's name from R AJITHA to AJITHA R for all future purposes vide affidavit dated 08/08/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, NO-15186758N Rank-HAV Name-ADESH KUMAR S/o NARESH KUMAR residing at VILL-SHARIFPUR, PO-KITHORE, TEH-GARHMUKTESHWAR, DIST-HAPUR, UTTAR PRADESH-245101 have changed my Minor daughter's name from TIYA KOSHIK to TIYA KAUSHIK for all future purposes vide affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, RANAGASWAMY father of No-16113792F Rank-HAV Name-VIJAYA KUMARA V R R/o VILL-VAGARAHALLI, PO-HIRIHALLI, TEH-CHANNARAYAPATNA, DIST-HASSAN, KARNATAKA-573225 have changed my name from RANAGASWAMY to RANGASWAMY for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1956 instead of my correct date of birth as 11/01/1950 vide affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

I, NO-16133056K Rank-SPR Name-SANTOSH HALLIKERI R/O VPO-HULKOTI, TEH-GADAG, DIST-GADAG, KARNATAKA-582205 have changed my mother's name from RAJESHWARI to RAJESHWARI RUDRAPPA HALLIKERI for all future purposes vide affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, JC-584497N Rank-NB SUB Name-SAROJ PRADHAN S/o LATE DAMBER BDR PRADHAN residing at VILL-UPPER SIRISAY AMBOOTIA, PO-KURSEONG, TEH-KURSEONG, DIST-DARJEELING, WEST BENGAL-734203 have changed my Minor son's name from SANKLAP PRADHAN to SANKALP PRADHAN for all future purposes vide affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, VANDANA KUMARI daughter of NO-15484421L Rank-DFR Name-SUNIL R/O VILL-REEBAR, PO-MANDKOLA, TEH-HATHIN, DIST-PALWAL, HARYANA-121103 have changed my name from VANDANA KUMARI to VANDANA for all future purposes vide affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, SANTI DEVI Mother of JC-483633X Rank-NB SUB Name-MAJEET KUMAR SINGH R/O VILL-HAJAULI BABU KE PURA, PO-HAJAULI, TEH-CAPACHITGARU, DIST-BALLIA, UTTAR PRADESH-221701 have changed my name from SANTI DEVI to SHANTI SINGH for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/07/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

I, SHIV KUMAR SINGH Father of No. of JC-483633X Rank-NB SUB Name-MAJEET KUMAR SINGH R/O VILL-HAJAULI BABU KE PURA, PO-HAJAULI, TEH-CAPACHITGARU, DIST-BALLIA, UTTAR PRADESH-221701 have changed my name from SHIV KUMAR SINGH to SHIVKUMAR SINGH for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 14/07/1955 instead of my correct date of birth as 25/12/1958 vide Affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I,Sukhranjan S/O Surender Nath R/O L-1-A-92,Sangam Vihar Delhi-110062 Have Change My Name from Sukhranjan to Sukh Ranjan Singh for all future purposes

Name Change

I, NO-16133056K Rank-SPR Name-SANTOSH HALLIKERI R/O VPO-HULKOTI, TEH-GADAG, DIST-GADAG, KARNATAKA-582205 have changed my father's name from RUDRAPPA to RUDRAPPA HALLIKERI for all future purposes vide affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

My clients Mr. Sachit Chawla S/o Late Sh. Harmohinder Pal Chawla and his wife Smt. Ashmeet Chawla R/o D-54, Plot No.83, Sector 11, Dwarka, New Delhi have severed their relations and debarred his brother/brother-in-Law Anchit @ Rajvir @ Mudit Chawla and his wife and children, if any from all their movable/immovable property because of his bad behavior and he is not under control of my clients and they have no concerned with him and his family members. If anybody deals with him which is at his own risk & responsibility and my clients are not responsible for his acts.

AMIT GABA ADVOCATE
Ch.No.T-7. Tis Hazari Court, Delhi

DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-6494316F Rank-HAV Name-KULDEEP SINGH S/o MADAN SINGH Residing at VPO-RAIWALA, MANNAT COLONY-2, TEH-RISHIKESH, DIST-DEHRADUN, UTTARAKHAND-249205 in my service records my wife's (PUSHPA RAWAT) date of birth wrongly mentioned as 01/06/1985 instead of her correct date of birth as 05/02/1982 vide Affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public, Delhi

Name Change

I, ARATI SIDDAPA KARAJAGI Wife of No. 14858124X Rank-SEP Name- SIDDAPPA KARAJAGI Presently residing at 389, KAMBAR COLONY, PO-KESTI, TALUK-HUKKERI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591236 have changed my name from ARATI SIDDAPA KARAJAGI to ARATI SIDDAPPA KARAJAGI for all future purposes vide Affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, DILSHAD BEGAM Mother of No. 15325621P Rank-HAV Name-MUJIMMIL SHAIK R/O METTAGOWDA PALEM-VILL, BALUSULAPALEM-PO, GUNTUR-DISTT, ANDHRA PRADESH -522309 have changed my name from DILSHAD BEGAM to SHAIK DILSHAD for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1971 Vide Affidavit dated 08/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

I, BATOOL W/O SAJJAD HUSSAIN CHUDIWALA residing at H.NO-199, 2ND FLOOR, BANK ENCLAVE, LAXMI NAGAR DELHI-110092 have changed my name to BATUL CHUDIWALA permanently.

NANI RESORTS AND FLORICULTURE PRIVATE LIMITED

Corp. Off.: ROF Group, Building No. 80, First Floor, Sector-44, Gurgaon-122003, Ph. 0124-4399399

Notice is hereby given to the Public at large that the following booking of residential apartments in the Affordable Housing Project **"ROF AMALTAS"** being developed by **M/s Nani Resorts and Floriculture Pvt. Ltd.** situated at Sector 92, Gurugram , Haryana vide **License no. 37 of 2019** dated **06.12.2018** has been cancelled due to non –payment of installments or allotment amount by successful allottee (s) of their apartments till its due date or any other reason, the information/reminders of which has been given them according to terms of the Haryana Affordable Housing Policy 2013, dated 19/8/2013 (as amended).

Application No.	Carpet Area (Sq. Ft.)	Apartment No.
1835	1 BHK, TYPE-2 (312.47 SQ.FT.)	F- G-011

Therefore, all the person/allottee (s) are hereby informed to submit claims/objections in writing, if any, for the cancellation of the said apartments to the undersigned company/developer along with the relevant documents to support their claims/objections within 7 days from the date of publication hereof.

In the absence of any claim within the stipulated period above, it shall be presumed and/or deemed that the allottee (s) or concern has no such claims/objections by virtue of this notice and, if any, the same have been waived or abandoned without any reference to such claims/objections made thereafter and necessary action will be taken as per rules for the process of re-allotment.

For **Nani Resorts and Floriculture Pvt. Ltd.**

Place: Gurugram (Haryana) **Director**

भूपेंद्र हुड्डा ने स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को डस्टबीन मे डाला था - नायब सैनी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने तो किसानों को गुमराह कर केवल राजनीतिक रोटियां सेकी हैं। यह भाजपा सरकार के दस वर्षों का कमाल है कि अब हरियाणा का हर किसान अपनी फसलों के रेटों को लेकर खुशहाल है। उन्होंने कहा कि आज किसानों ने जो स्वागत किया है, इस बात को पुख्ता करता है कि किसान पूरी तरह से भाजपा की नीतियों से संतुष्ट हैं। किसान समझ चुका है कि सही मायने में भाजपा ने ही उनके हित में काम साधे हैं। सीएम नायब सिंह सैनी ने गांव किनाना से ट्रैक्टर को खुद चला कर नई अनाज मंडी में राज्यस्तरीय तीज महोत्सव में पहुंचे। सीएम नायब सैनी राज्य सतरीय तीज उत्सव में शामिल होने से पूर्व गाव किनाना मे पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश पर 50 से 60 वर्षों तक राज किया लेकिन उसने कभी किसानों के हित में वो निर्णय नही लिए जो भाजपा सरकार ने लिए हैं। हरियाणा में जब कांग्रेस की सरकार थी तब तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने स्वामीनाथन आयोग की रिर्पोट को डस्टबीन में डाल दिया लेकिन प्रदेश की मौजूदा भाजपा सरकार ऐसी है जो किसानों को एमएसपी रेट दे रही है।

भाजपा संगठन के किसी भी प्रकोष्ठ में नहीं होगा बदलाव, अध्यक्ष ने लगाई रोक

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी के सभी मोर्चा व प्रकोष्ठों के अध्यक्षों को निर्देश जारी किया है कि किसी प्रकार से भी संगठन में बदलाव नहीं किया जाएगा। लोकसभा चुनाव के बाद कई उम्मीदवारों ने जिला अध्यक्षों तथा अन्य पार्टी पदाधिकारियों के विरुद्ध शिकायतें की गई थी। इन शिकायतों के बाद नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने हाईकमान की स्वीकृति से करीब आधा दर्जन जिलों के अध्यक्ष बदल दिए। यह मामला शांत होने के बाद भाजपा महिला मोर्चा ने हाल ही में पांच जिलों की अध्यक्षों को बदल दिया था। यही नहीं कई जिला अध्यक्षों को प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल कर दिया गया, जिसे लेकर विरोध शुरू हो गया। सूत्रों की मानें तो कई जिला अध्यक्ष प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल होने को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। जिसके जिला अध्यक्षों ने प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री तथा प्रभारी के सामने यह मुद्दा उठाया। यही नहीं इस बीच पार्टी के विभिन्न मोर्चों व प्रकोष्ठों में पूर्व पदाधिकारियों को हटाकर नए पदाधिकारियों की तैनाती किए जाने पर भी विवाद हो गया। भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने इस विवाद को खत्म करते हुए पार्टी के सभी प्रदेश मोर्चा, प्रकोष्ठ, विभाग, जिला व मंडल आदि में किसी प्रकार के संगठनात्मक बदलाव पर रोक लगा दी है। अब मोर्चा अध्यक्ष अपने स्तर पर किसी तरह का बदलाव नहीं कर सकेंगे।

जींद में सीएम ने की घोषणा: 1.80 लाख से कम वार्षिक आय वाली महिलाओं को मिलेगा 500 रुपये में गैस सिलेंडर

जींद। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने घोषणा की कि 1.80 लाख से कम वार्षिक आय वाली महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा। इसके अलावा उज्जवला योजना के लाभार्थियों को 500 रुपये में सिलेंडर होगा। जब तक भाजपा सरकार रहेगी तब तक यह लागू रहेगा। इससे 46 लाख परिवारों को सीधा फायदा होगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री दुग्ध उपहार योजना के तहत अब स्कूलों में 14-18 साल की विद्यार्थियों को साल में 150 दिन फोर्टिफाइड दूध मिलेगा। सीएम नायब सिंह सैनी जींद की नई अनाज मंडी में तीज महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान खाप नेता टेकराम कंडेला अपने साथियों के साथ भाजपा में शामिल हुए। सीएम ने कहा कि हरियाणा मातृ शक्ति उद्यम योजना के तहत अब पांच लाख रूपये तक का लोन मिल पाएगा। सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं का रिवॉल्विंग फंड बीस हजार से बढ़ा कर तीस हजार होगा। सेल्फ हैल्प ग्रुप की समूह सखी का मानदेय 150 से बढ़ा कर 500 रुपये करने की घोषणा भी सीएम ने की।

गढ़ी सिसाना से हटेगा हडवारा, पंचायत ने एक सप्ताह का समय दिया

सोनीपत। खरखौदा के गांव गढ़ी सिसाना व सिसाना की सीमा पर पिछले कई वर्षों से चल रहा हडवारा एक सप्ताह में हटेगा। यह निर्णय पंचायत में लिया गया है। गढ़ी सिसाना गांव में पंचायत हुई जिसमें ठेकेदार ने स्पष्ट किया कि यह हडवारा सिसाना-1 की पंयायत की जमीन में बना हुआ है। हडवारे कानिर्माण गौशाला सिसाना ने करवाया था ताकि यहां जो भी गाय मरे उसे यहां ले जाया जा सके। पंचायत में बताया गया कि अब सिसाना-1 पंचायत ने जमीन खाली करने के लिए कहा है, गौशाला ने भी कहा है कि वे अब मृत गायों को दफनाया करेंगे। हडवारे की जरूरत नहीं है। हर वर्ष इसका ठेका होता था जो इस बार नहीं किया गया। ठेकेदार महक सिंह ने पंचायत से एक सप्ताह का समय मांगा है ताकि मौजूदा हाल में जो मृत पशु या उनके अवशेश व उपकरण यहां पर हैं उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट किया जा सके। पंचायत की अध्यक्षता कर रहे आनंद दहिया ने प्रशासनसे मांग की है कि ठेकेदार को हडवारा खाली करने में सहयोग करे। गांव भी पूरा सहयोग करेगा। ठेकेदार को एक सप्ताह का समय पंचायत की सहमति से दिया गया है। पंच प्रवीन कुमार, बलबीर मास्टर, कृष्ण, जयेंद्र, चांद सिंह, रामेश्वर, रामकंवार प्रधान सहित विभिन्न प्रधान उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की जागरूकता वैन को किया हरी झंडी दिखा रवाना

एजेंसी

जींद। नई अनाज मंडी जींद में आयोजित प्रदेश स्तरीय तीज महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह महिला एवं बाल विकास विभाग की वीडियो जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। यह वैन विभिन्न गांवों में जाकर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को और अधिक प्रबल बनाने के लिए सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे है। महिलाओं की जागरूकता को लेकर समय-समय पर विभिन्न प्रकार के अभियान चलाए जाते है। इसके अलावा लिंगानुपात में सुधार को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या को जड़ मूल से समाप्त करने के लिए एक सामाजिक चेतना की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के आह्वान का देशभर में लोगों की मानसिकता पर बड़ा ही सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। परिणामस्वरूप लिंगानुपात में निरंतर

सुधार होता जा रहा है। यह मोबाईल वैन जिला के ऐसे 10 गांवों में जाएगी, जहां लिंगानुपात बहुत कम है।

मुख्यमंत्री ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

नई अनाज मंडी में आयोजित प्रदेश स्तरीय तीज महोत्सव के दौरान प्रदर्शनी लगाई गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में हरियाणा प्रदेश के सभी जिलों से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों का प्रदर्शन किया। इसके अलावा कला एवं संस्कृति द्वारा लुप्त हो रहे प्राचीन मिट्टी, लकड़ी तथा लोहे के बर्तन और उपकरण एवं कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया। अवलोकन के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से बात की और उनका हौंसला अफजाही की। प्रदर्शनी के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्टॉल के माध्यम से प्ले स्कूल, मिशन पोषण, बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया, वन स्टॉप सेंटर से मिलने वाली सहायता, 181 हैल्पलाइन नंबर सहित विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की जानकारी दी। कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा प्राचीन पारंपरिक वेशभूषा, लोहे, लकड़ी और मिट्टी के बर्तन, जल घड़ी, चक्की, चरखा, फूल झड़ी आदि को दिखाया गया।

नूंह के पिनगवां में बनेगा अल्वी भवन

एजेंसी

नूंह । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नूंह जिले के पिनगवां में अल्वी भवन के निर्माण को मंजूरी दे दी है। अल्वी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ नई दिल्ली में मुलाकात की। राजा हसन खां मेवाती शहादत दिवस समारोह के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पिनगवां में अल्वी भवन के निर्माणा की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद इसे जल्द ही मूर्तरूप दिया जाएगा।

अल्वी समाज का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला और अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में होने वाले इस भवन के शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने इसकी सहर्ष स्वीकृति दे दी है। उल्लेखानीय है कि ग्राम पंचायत पिगनवां ने अल्वी भवन निर्माण के लिए जमीन देने का प्रस्ताव सरकार

को भेज दिया है। इसके लिए सरकार ने 50 लाख रुपये की राशि मंजूर भी दे दी है। मुख्यमंत्री ने तुरंत अपने अधिकारियों को नूंह दौरे के दौरान अल्वी भवन के शिलान्यास के कार्यक्रम को भी जोडऩे के निर्देश दिए हैं। अल्वी भवन के निर्माणा के शिलान्यास की घोषणा से नूंह सहित अन्य जिलों के अल्वी समाज के लोगों में खुशी की लहर है।

समाधान शिविर में आई 47 शिकायतें

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले में हरियाणा सरकार ने जनता की शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविर के रूप में नई पहल की है। सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की ओर से जिले में समाधान शिविर लगाकर लोगों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि समाधान शिविर में 47 शिकायतें दर्ज हुई। जिनमें से 12 शिकायतों पर मौके पर ही समाधान करते हुए नागरिकों को राहत दी गई। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक शिकायत पर पूरा फोकस किया जा रहा है व तत्परता के साथ समाधान किया जा रहा है। पूरा प्रशासन बेहतर तालमेल बनाकर कार्य कर रहा है। उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि समाधान शिविर में

परिवार पहचान पत्र, विभिन्न प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बिजली, पेयजल, स्वामित्व रजिस्ट्री सहित विभिन्न प्रकार की समस्याएं सुनी गई। आमजन अपनी शिकायतों को लेकर समाधान शिविरों में निरंतर पहुंच रहे शिकायतों के समाधान की दिशा में कार्य कर रहा है। विभिन्न विभागों के अधिकारी शिविर में मौजूद रहकर त्वरित कार्रवाई करते हुए नागरिकों की समस्याओं का निवारण करवा रहे हैं।

हिसार एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से तैयार किया जाएगा : कमल गुप्ता

एजेंसी

हिसार। हिसार के विधायक एवं नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि बहुत जल्द ही हिसार एयरपोर्ट को लाइसेंस मिल जाएगा। उसके बाद अयोध्या आदि शहरों के लिए पहली उड़ान होगी। उन्होंने कहा कि हिसार एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से तैयार किया जाएगा।

इसी कड़ी कड़ी में डीजीसीए टीम ने महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। दस्तावेज सहित अन्य तकनीकी पहलुओं के आधार पर निरीक्षण करके एयरपोर्ट को लाइसेंस दिया जाएगा। मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट हिसार के पास लगभग 3000 एकड़ जमीन

पर इंटीग्रेटेड मार्केटिंग क्लस्टर तैयार किया जाएगा। इनमें से लगभग 1300 एकड़ जमीन पर मेगा कार्गो पोर्ट या ड्राई पोर्ट स्थापित किया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय मार्केट में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट की अलग पहचान बनेगी। हिसार एयरपोर्ट के लिए अगले 30 साल की कार्य योजना तैयार कर ली गई हैं। 7200 एकड़ जमीन पर हिसार एयरपोर्ट का निर्माण कार्य चल रहा हैं। एयरपोर्ट के तीन फेज के कार्यों में से दो फेज के कार्य पूरे हो चुके हैं। महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट हिसार पर 10000 फीट की हवाई पट्टी, कैट आई, एटीसी टावर की बिल्डिंग, जीएससी एरिया, लिंक टैक्सी, एप्रन, फ्यूल रूम, बेसिक स्पिट पैरामीटर रोड़ बनाने का कार्य पूरा हो चुका है। पुराने टर्मिनल को विस्तारित करके 150 लोगों की क्षमता का बना दिया गया है।

अचानक नगर परिषद पहुंचे अनिल विज, बजट सही नहीं मिलने पर अधिकारियों को लगाई फटकार

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के गब्बर कहे जाने वाले अनिल विज का एक्शन एक बार फिर अंबाला में देखने को मिला, विज अचानक नगर परिषद पहुंचे और विकास कार्यों का बजट देखने लगे। इस दौरान बजट सही नहीं मिलने पर अधिकारियों को फटकार लगाई और तीन दिन का समय दिया आगे तीन दिन में पूरा रिकॉर्ड न मिला तो कारवाई करने की बता कहीं। लंबे समय के बाद

गब्बर कहे जाने वाले हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज का एक्शन देखने को मिला, विज अचानक कैंट नगर परिषद पहुंचे और हुए विकास कार्यों के बजट का जायजा ले रहे थे। इस दौरान सही से बजट न मिलने पर अधिकारियों को फटकार लगाई और विज का गुस्सा अधिकारियों पर फूटता हुआ भी दिखाई दिया। अनिल विज ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा है कि अगर तीन दिन में उन्हें पूरा रिकॉर्ड ना मिला तो एक बड़ा एक्शन लिया जा सकता है। बता दें कि सुबह अपने किसी कार्य से पूर्व गृह मंत्री अनिल विज नगर परिषद अंबाला छावनी पहुंचे थे। इस दौरान अंबाला छावनी में चल रहे सभी कार्यों के बजट का जायजा लिया, जिसका लिखित में पूरा रिकॉर्ड न मिलने पर विज का गुस्सा फूट गया। फिलहाल अनिल विज ने अधिकारियों को समय दिया है और कार्य पूरा न होने पर कारवाई की बात भी कही है।

त्योहार हमारे जीवन का एक हिस्सा है, इन्हें फीका न पड़ने दें : जनस्वास्थ्य मंत्री

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा सरकार में लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि जनसेवा को समर्पित हो प्रदेश सरकार नॉन स्टॉप हरियाणा के साथ विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस प्रकार देश को विश्व गुरु बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं ठीक उसी अनुरूप हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह के कुशल नेतृत्व में बिना किसी भेदभाव के विकास को तेज गति प्रदान की जा रही है। डा. बनवारी लाल आज बावल विधानसभा क्षेत्र में तीज उत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को तीज पर्व की बधाई दी। डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि त्योहारों की रौनक फीकी न हो इसके लिए सरकार भी विभिन्न कार्यक्रम के आयोजन करते हुए लोगों को पारंपरिक पर्व से जोड़े हुए है जिससे कि इन त्योहारों की रौनक भी बनी रहे।उन्होंने कहा कि प्रदेश के करीब साढ़े 9 साल तक मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल व मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह के कुशल नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों में प्रदेश में अनगिनत विकास के कार्य हुए हैं। डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि बावल विधानसभा क्षेत्र में बहुत से विकास के कार्य हुए हैं जो छोटे कार्य नहीं है बल्कि सराहनीय कार्य हैं।

'इंडियन इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्केट, गन्नौर' में चल रहे विकास कार्यों में तेजी लाएं : कृषि मंत्री

विकास कार्यों की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवर पाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 'इंडियन इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चरल मार्किट, गन्नौर (सोनीपत)' में चल रहे विकास कार्यों में तेजी लाएं ताकि प्रदेश के किसानों को लाभ हो। वे यहां उक्त मेगा प्रोजेक्ट में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू , 'इंडियन इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्केटिंग कॉर्पोरेशन, गन्नौर के प्रबंध निदेशक जे. गणेशन समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कंवर पाल ने कहा कि 'इंडियन इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चरल मार्केट, गन्नौर' का प्रोजेक्ट प्रदेश सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है और इसमें जहां निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए वहीं सभी कार्यों

को भी निर्धारित अवधि में पूरा किये जाने की जरुरत है। उन्होंने अधिकारियों से इस प्रोजेक्ट में चरणबद्ध तरीके से हुए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और कहा कि इसको पूरा करने में धन की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

उन्होंने उक्त मंडी में फार्मर-शैडस के निर्माण को लेकर विशेष निर्देश दिए कि इसमें पीने के पानी से लेकर आराम करने और टॉयलेट आदि की सुविधा होनी चाहिए ताकि अगर कोई किसान अपनी सब्ज़ी बेचने आए तो उसको ठहरने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने 'इंडियन इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चरल मार्केट, गन्नौर'से बरसाती पानी की निकासी से लेकर सोलर पैनल तक विभिन्न कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के लिए वीडियो वैन रवाना

सोनीपत। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शुरू की गई वीडियो वैन को उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वैन जिला के उन दस गांवों के लोगों को बेटी बचाने के लिए जागरूक करेगी जिनमें लिंगानुपात सबसे कम है। उपायुक्त ने बताया कि इन गांवों में गढ़ी सराय नामदार खां, बुटाना कुण्डु, गढ़वाल, बरोदा मोर, मलिकपुर, मुण्डलाना, मोहाना, कथूरा, पांची जाटान तथा जागसी शामिल हैं। यह वैन गांवों में पहुंचकर लोगों को जागरूक करेगी कि बेटियां किसी भी क्षेत्र

में बेटों से कम नहीं हैं, इसलिए उनकी रक्षा करें। उन्होंने कहा कि जिला में लिंगानुपात को बढ़ाने के लिए प्रत्येक जिलावासी का सहयोग जरूरी है ताकि भ्रूण हत्या करने वालों पर शिकंजा कसा जा सके। उपायुक्त ने बताया कि भ्रूण हत्या पर पूरी तरह लगाम लगाने के लिए जिला प्रशासन के प्रयास लगातार जारी हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सूचना मिलने पर समय-समय पर रेड लगाकर इस अपराध में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्यवाही की जाती है।उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि अगर कहीं भी भ्रूण हत्या जैसा अपराध करवाया जा रहा है तो इसकी जानकारी जिला प्रशासन को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति को सम्मानित किया जाएगा और उसके नाम को गुप्त रखा जाएगा। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक मोनिका मलिक, अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, नगराधीश पूजा कुमारी, महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी प्रवीण कुमारी सहित सैकड़ों आंगनवाड़ी वर्कर मौजूद थीं।

जिला नगर आयुक्त ने काम में कोताही बरतने पर बरवाला के एएसआई को किया निलंबित

एजेंसी

हिसार। जिला नगर आयुक्त प्रदीप दहिया ने काम में कोताही बरतने पर बरवाला के एएसआई को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने हांसी में सफाई व्यवस्था ठीक न होने पर भी अधिकारियों को फटकार लगाई है। उन्होंने सभी यूएलबी को निर्देश दिए कि वे अपना अक्टूबर तक का एक्शन प्लान तैयार करें। जिला नगर आयुक्त प्रदीप दहिया जिले की सभी यूएलबी के अधिकारियों के साथ सफाई व्यवस्था बारे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ले रहे थे। बैठक में उन्होंने सभी यूएलबी अधिकारियों से सफाई व्यवस्था व डोर-टू-डोर के बारे में जानकारी ली। नगरपालिका उकलाना के सचिव ने एक अगस्त को अधिकारियों को अवगत करवाया था कि बरवाला नगरपालिका के अलावा नगरपालिका उकलाना के अतिरिक्त कार्यभार एएसआई दीपक को दिया गया था। उकलाना के सचिव ने यह भी बताया कि बरवाला के एएसआई दीपक द्वारा ड्यूटी पर अनुपस्थिति व सफाई व्यवस्था में अनियमिता बरती जा रही हैं। सचिव की इस शिकायत के बाद सख्त रूख अपनाते हुए जिला नगर आयुक्त प्रदीप दहिया ने एएसआई दीपक को ड्यूटी में कोताही बरतने व सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप न चलाने के कारण तुंरत प्रभाव

से निलंबित कर दिया। इस दौरान एएसआई दीपक का मुख्यालय उकलाना होगा और सक्षम अधिकारी के बिना अपना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। निलंबन अवधि के दौरान सीएसआई दीपक को प्रथम छह मास नियमानुसार भत्ते का भुगतान किया जाएगा। जिला नगर आयुक्त ने जिले की सभी यूएलबी को आगामी अक्टूबर माह तक का एक्शन प्लॉन तैयार करने के आदेश दिए हैं। इसमें कूड़े का निस्तारण, लिगिस्टी वेस्ट व डोर-टू-डोर विभाग के द्वारा अलॉट या टेंडर के माध्यम से करेंगे और सभी अधिकारी इनका अवलोकन भी करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी यूएलबी को पुरानी आरएफटी पर टेंडर नहीं लगाना हैं। यदि लगाना पड़ तो इसके लिए अपने उच्चाधिकारियों से अनुमति लें। हांसी की सफाई व्यवस्था पर अधिकारियों को फटकार लगाते हुए उन्होंने कहा कि हांसी में सफाई व्यवस्था लचर अवस्था में हैं। हांसी में सफाई ठीक ढ़ग से नहीं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि नई एसओपी की गाईडलाइन के अनुसार कार्य किया जाए। उन्होंने हांसी नगरपालिका क्षेत्र में डोर-टू-डोर व सफाई व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के लिए पेश होने को कहा।

कंडेला खाप के पूर्व प्रधान टेकराम कंडेला कांग्रेस छोड़ भाजपा में हुए शामिल

एजेंसी

जींद। कंडेला खाप के पूर्व प्रधान टेकराम कंडेला कांग्रेस छोड़ अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उन्हें पटका पहना कर पार्टी में शामिल करवाया। इस अवसर पर जींद के विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा, भाजपा की प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढुल, हरियाणा कांफेड के चेयरमैन कर्मवीर सैनी, भाजपा नेता अमरपाल राणा, जवाहर सैनी सहित पार्टी के अनेक अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि टेकराम कंडेला तथा उनके सभी समर्थकों को पार्टी में पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सभी वर्गों के कल्याण के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। किसानों की सभी फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। पहले 14 फसलें एमएसपी पर खरीदी जाती थी। उन्होंने कहा कि डीएपी खाद का जो थैला पाकिस्तान व अन्य पड़ोसी देशों में 2400 रुपये में मिलता है, वह बैग हमारे देश में मात्र 1200 रुपये में मिल रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में इस तरह के कई निर्णय लिये गए हैं। पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने देश व प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाने का काम किया है। मात्र दो से तीन घंटे में प्रदेश की किसी भी कोने में पहुंचा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने लोगों का आह्वान किया कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देश की खुशहाली के लिए आने वाले चुनाव में भाजपा को मजबूत कर हरियाणा प्रदेश में भी तीसरी बार फिर कमल का फूल खिलाने का काम करें। उन्होंने कहा कि कंडेला खाप ने जो पगड़ी पहना कर उन्हें जो मान-सम्मान दिया है, उसे कभी नहीं झुकने दिया जाएगा। उन्होंने टेकराम कंडेला द्वारा रखे गए मांग पत्र को स्वीकार करते हुए कहा कि इन मांगों को पूरा करवाने के लिए तुरंत संबंधित विभागों को भेजकर निर्देश जारी कर दिये जाएंगे। इस अवसर पर उन्होंने कंडेला खाप चबूतरे के निर्माण कार्य के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस अवसर उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा, पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त ने केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त महामहिम श्री फिलिप ग्रीन ओएएम ने नई दिल्ली में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य तथा विद्युत

मंत्री श्री मनोहर लाल से मुलाकात की। चर्चा, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विद्युत क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित थी।

घरेलू खपत के लिए उच्च श्रेणी के कोयले की मांग

नई दिल्ली। सभी श्रेणियों के कोयले की मांग का अनुमान लगाने के लिए अंतर-मंत्रालयी समिति (आयात प्रतिस्थापन के उद्देश्य से गठित) की विभिन्न बैठकें आयोजित की जाती हैं। अर्थव्यवस्था में वृद्धि को देखते हुए सीमेंट, एल्युमीनियम, स्पंज आयरन जैसे खपत वाले उद्योगों में उच्च श्रेणी के कोयले की पर्याप्त मांग है। राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 ने कच्चे इस्पात के उत्पादन में वित्त वर्ष 17 के 101 मिलियन टन (एमटी) से बढ़कर वित्त वर्ष 2030 तक 300 मीट्रिक टन होने का अनुमान लगाया है। वर्तमान में वित्त वर्ष 24 में 148 मीट्रिक टन कच्चे इस्पात का उत्पादन हुआ है। इस्पात उत्पादन में वृद्धि से भारत के धातुकर्म कोकिंग कोयले की मांग बढ़ने की उम्मीद है। 2024-25 तक अखिल भारतीय कोयला उत्पादन को 1 बिलियन टन (बीटी) के स्तर तक बढ़ाने और 2026-27 तक कोल इंडिया लिमिटेड के उत्पादन को 1 बीटी तक ले जाने की योजना तैयार की गई है। कोयले की उपलब्धता में परिणामी वृद्धि से इन श्रेणी के कोयले की मांग को उपलब्ध सीमा तक पूरा किया जा सकेगा।

वर्ष 2024-25 में 31 जुलाई, 2024 तक 2.60 लाख टन प्याज का निर्यात किया गया

नई दिल्ली। सरकार ने 4 मई, 2024 से प्याज निर्यात प्रतिबंध हटा लिया है और 550 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) और 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क के साथ निर्यात की अनुमति दी है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 31 जुलाई, 2024 तक कुल 2.60 लाख टन प्याज का निर्यात किया जा चुका है। इसके अलावा, सरकार ने मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ और नैफेड के माध्यम से मुख्यतया महाराष्ट्र से 4.68 लाख टन प्याज प्राप्?त किया है। पिछले वर्ष (2023) की तुलना में, चालू वर्ष में प्याज उपजाने वाले किसानों द्वारा प्राप्त मूल्य बहुत अधिक रहा है। अप्रैल से जुलाई, 2024 के बीच महाराष्ट्र में प्याज की औसत मासिक मंडी मॉडल कीमतें 1,230 रुपये से 2,578 रुपये प्रति क्विंटल के बीच रहीं, जबकि पिछले वर्ष (2023) इसी अवधि के लिए यह 693 रुपये से 1,205 रुपये प्रति क्विंटल थी। चालू वर्ष में बफर के लिए प्याज का औसत खरीद मूल्य 2,833 रुपये प्रति क्विंटल था, जो पिछले साल के 1,724 रुपये प्रति क्विंटल के खरीद मूल्य से 64 प्रतिशत अधिक है। भारत प्याज का शुद्ध निर्यातक है और निर्यात से आय उपार्जन करता है। पिछले तीन वर्षों में भारत द्वारा अर्जित शुद्ध निर्यात मूल्य वर्ष 2021-22 में 3,326.99 करोड़ रुपये, वर्ष 2022-23 में 4,525.91 करोड़ रुपये और वर्ष 2023-24 में 3,513.22 करोड़ रुपये था।

मछुआरों के लिए ऋण एवं बीमा योजना

नई दिल्ली। भारत सरकार ने वर्ष 2018-19 में मछुआरों और मछली किसानों को उनकी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) सुविधा प्रदान की। आज तक, सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में मछुआरों और मछली किसानों को 4,26,666 केसीसी स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा, मत्स्य पालन विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, वित्तीय वर्ष 2018-19 से 'मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (एफआईडीएफ)' नाम से एक योजना भी लागू कर रहा है, जो मूल राशि के पुनर्भुगतान के लिए 2 वर्ष की मोहलत सहित 12 वर्ष की पुनर्भुगतान अवधि के साथ प्रति वर्ष 3त्न तक ब्याज छूट के साथ मत्स्य पालन बुनियादी ढांचा सुविधाओं के साथ विभिन्न विकास गतिविधियों के लिए रियायती वित्त प्रदान करता है।मत्स्य पालन विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत मछुआरों और मछली किसानों को समूह दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान करता है, जिसमें संपूर्ण बीमा प्रीमियम राशि केंद्र और राज्य द्वारा वहन की जाती है।

लोकसभा ने वित्त विधेयक 2024 को किया पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने कुछ संशोधनों के साथ वित्त विधेयक 2024 (संख्यांक-2) को पारित कर दिया है। इसके साथ लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। अब यह विधेयक राज्यसभा में मंजूरी के लिए जाएगा। संसद के द्वारा वित्त विधेयक पारित होने के बाद बजट की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इससे पहले वित्त विधेयक 2024 पर चर्चा का जवाब देते हुए इसमें संशोधन पेश किया। इसके बाद लोकसभा ने 'वित्त (संख्यांक 2) विधेयक, 2024' को कुछ संशोधनों के साथ पारित कर दिया। सीतारमण ने बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए रियल एस्टेट पर हाल ही में लागू किए गए नए पूंजीगत लाभ कर में राहत दी है, जिससे करदाताओं को नई कम कर दर अपनाने या पुरानी व्यवस्था के साथ बने रहने का विकल्प मिल गया है।

सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष

2024-25 के लिए पेश केंद्रीय बजट के दौरान रियल एस्टेट पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) को बिना 'इंडेक्सेशन' लाभ के 20 फीसदी से 12.5 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने सदन में वित्त विधेयक में चर्चा का जवाब देते हुए इस संबंध में संशोधन पेश किया। लोकसभा ने के साथ ध्वनिमत से 'वित्त (संख्यांक 2) विधेयक, 2024' को पारित कर दिया। यह विधेयक अब राज्यसभा में चर्चा के लिए जाएगा, लेकिन उच्च सदन को संविधान के अनुसार किसी 'धन विधेयक' को खारिज करने का अधिकार नहीं है। वह ऐसे विधेयक को केवल लौटा सकता है। इससे पहले सीतारमण ने सीतारमण के वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देने के बाद 45 संशोधनों लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मौजूदा संशोधनों से यह सुनिश्चित होता है कि रियल एस्टेट की बिक्री पर एलटीसीजी कर के संबंध में कोई अतिरिक्त कर बोझ नहीं पड़ेगा। वित?त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए उन?होंने कहा कि मेडिकल इंश्योरेंस पर 18 फीसदी जीएसटी हटाने का मुद्दा जीएसटी काउंसिल में तय हो सकता है। यहां संशोधन लाने से कुछ नहीं होगा। इसको लेकर पहले जीएसटी काउंसिल में फैसला होगा, तभी यहां संशोधन लाया जा सकेगा।

वित्त मंत्री ने सदन को बताया कि लिथियम, कोबाल्ट जैसे 27 क्रिटिकल मिनरल पर छूट मिली है, जो देश की रणनीतिक स्वायत्तता के लिए आवश्यक है। उन?होंने कहा कि हमने सोने और चांदी की शुल्क दरों में कमी की है, क्योंकि भारत हीरे की कटाई और पॉलिशिंग का केंद्र होने के साथ ही आभूषणों का निर्यातक भी है।

सूरत के हीरा उद्योग में मंदी का असर, वेतन कटौती के साथ कर्मचारी छुट्टी पर भेजे गए

एजेंसी

सूरत। सूरत के हीरा उद्योग में इन दिनों मंदी का संकट छाया हुआ है। अगर कुछ महीनों में हालात नहीं सुधरे तो वर्ष 2008 जैसी बड़ी मंदी आ सकती है, जिसमें बड़ी संख्या में हीरा कारीगरों ने आत्महत्या कर ली थी। यह हालात विश्व में दो-दो युद्ध, वैश्विक बाजार में मांग में गिरावट और लैबग्रोन डायमंड का ओवर प्रोडक्शन की वजह से पैदा हुए हैं। फिलहाल सूरत के हीरा उद्योग से जुड़े व्यवसायी हीरा कारीगरों की वेतन कटौती, मिनी वैकेशन आदि विकल्पों से व्यावसाय में बने रहने की चुनौती झेल रहे हैं। हीरा उद्योग में इन दिनों कर्मचारी खराब आर्थिक हालात से गुजर रहे हैं। उन्हें या तो मिनी वैकेशन के नाम पर छुट्टी पर भेज दिया गया है या फिर उन्हें कम वेतन पर काम पर रखा गया है। जानकारी के अनुसार कुछ बड़े हीरा उद्यमियों ने अपने कारखानों को आगामी 10 दिनों तक बंद रखने की घोषणा की है। सूरत में किरण जेम्स हीरा उद्योग की सबसे बड़ी यूनिट मानी जाती है। इसे विश्व की भी सबसे बड़ी नेचुरल डायमंड मैन्युफैक्चर कंपनी बताया जाता है। किरण जेम्स के अध्यक्ष वल्लभभाई लखानी के अनुसार उन्होंने अपने 50 हजार कर्मचारियों के लिए 10 दिन की छुट्टी घोषित की है। इन कर्मचारियों के वेतन में कुछ राशि काट ली जाएगी लेकिन सभी कर्मचारियों को उक्त समायावधि का वेतन दिया जाएगा।

10 लाख लोगों को रोजगार

सूरत में 3200 डायमंड यूनिट है, जिसमें 700 बड़ी और 2500 छोटी इकाइयां कार्यरत हैं। इन डायमंड यूनिट में लगभग 10 लाख कर्मचारी काम करते हैं। इनमें 8 लाख हीरा कारीगर हैं तो बाकी 2 लाख लोग प्रशासिक कार्य से जुड़े हैं। सूरत में बाहर के देशों से रफ डायमंड आयात किया जाता है, जिसे कटिंग और पॉलिशिंग के बाद बाहर के देशों में ही निर्यात किया जाता है।

पहली बार 58.57 लाख करदाताओं ने भरा आयकर रिटर्न : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पहली बार 58.57 लाख करदाताओं ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरा है। यह टैक्स फाइलिंग के बढ़ते आधार का प्रमाण है। वित्त मंत्री ने कहा कि टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए प्रेरित करने के कई उपायों के कारण ये बदलाव आया है। सीतारमण ने लोकसभा में वित्त विधेयक 2024 पर चर्चा का जवाब दे रही हैं। वित्त मंत्री ने मध्यम वर्ग के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए 2023 में व्यक्तिगत आयकर स्लैब के पिछले संशोधन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्लैब को काफी उदार बनाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप सभी करदाताओं को 37,500 रुपये कम कर देयता का लाभ मिल रहा है वित?त विधेयक पर लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए वित?त मंत्री ने कहा कि सरकार ने नई कर व?यवस?था के तहत स्लैब में फिर बदलाव किया है। उन?होंने कहा कि 15 लाख रुपये की इनकम पर प्रभावी कर 2023 में घटाकर 10

फीसदी कर दिया गया था, जिसे इस वर्ष 2024 में और कम कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि इस बजट में वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती को भी 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। यह वेतनभोगी कर्मचारी के लिए 17500 रुपये तक की प्रभावी सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न उपायों को लागू किया है। इन प्रयासों से घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। उन्होंने सदन को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिया था कि वे कोविड-19 के खर्चों को पूरा करने के लिए टैक्स में वृद्धि न करें।

राहत है। लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने सदन को बताया कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को

संदूर मैंगनीज एंड आयरन ओर्स लिमिटेड ने नए सीईओ और सीओओ किया नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। खनन कंपनी संदूर मैंगनीज एंड आयरन ओर्स लिमिटेड (एसएमआईओआरई) कंपनी ने कृष्णेंदु सान्याल को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और मंजूनाथ प्रभु को मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया है।

कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि कृष्णेंदु सान्याल को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और मंजूनाथ प्रभु को मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के रूप में नियुक्त की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इनकी नियुक्ति का उद्देश्य कंपनी के प्रबंधन बैंडविड्थ को बढ़ाना और धातु और खनन उद्योग में एकीकरण और स्थिरता के लिए अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को आगे बढ़ाना है। संदूर मैंगनीज के मुताबिक नवनियुक्त सीईओ कृष्णेंदु सान्याल का रणनीतिक, वित्तीय और परिचालन के क्षेत्र में 32 वर्षों का अनुभव हैं। उनका करियर भारत और श्रीलंका में टाटा स्टील, थाईलैंड में सियाम इंडस्ट्रियल वायर कंपनी और दक्षिण अफ्रीका में सेडिबेंग आयरन ओर जैसी प्रमुख कंपनियों में रहा है। कृष्णेंदु के पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री है। उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से टाटा ग्रुप स्ट्रैटेजिक लीडरशिप प्रोग्राम में भी भाग लिया है। वहीं, कंपनी के नवनियुक्त सीओओ मंजूनाथ प्रभु को भी संचालन, नेतृत्व और रणनीतिक योजना में लगभग 36 वर्षों का अनुभव है। उनकी व्यापक पृष्ठभूमि में जेएसडब्ल्यू स्टील विजय नगर, एस्सार स्टील विशाखापत्तनम और केओआईसीएल मैंगलोर में महत्वपूर्ण भूमिकाएं शामिल हैं। मंजूनाथ को बेल्लारी क्षेत्र के धातु और

खनन परिचालन की गहरी समझ है। मंजूनाथ प्रभु मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। उलेखनीय है कि संदूर मैंगनीज एंड आयरन ओर्स लिमिटेड देश के सबसे सम्मानित निजी क्षेत्र के व्यापारिक खनिकों और कमोडिटी उत्पादकों में से एक है, जिसका परिचालन ट्रैक रिकॉर्ड सात दशकों का है। फिलहाल कंपनी का परिचालन तीन व्यावसायिक खंडों खनन (मैंगनीज और लौह अयस्क), फेरोएलॉयज और कोक और ऊर्जा के क्षेत्र में फैला हुआ है।

सीबीडीटी ने पैन-आधार लिंकेज से पहले कटौतीकर्ता की मृत्यु होने पर उच्च टीडीएस और टीसीएस से दी राहत

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड सीबीडीटी ने पैन-आधार को लिंक करने से पहले कटौतीकर्ता, संग्रहकर्ता की मृत्यु की स्थिति में टीडीएस और टीसीएस के प्रावधानों में ढील प्रदान की है।

सीबीडीटी ने धारा 206एए और 206सीसी के तहत उच्च टीडीएस, टीसीएस दरों से करदाताओं को ये राहत दी है।

वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि करदाताओं के वास्तविक कठिनाइयों को देखते हुए सीबीडीटी ने 5 अगस?त, 2024 को जारी परिपत्र संख्या 8/2024 के तहत ये राहत दी है। सीबीडीटी ने पैन-आधार लिंक करने से पहले करदाता/संग्रहकर्ता की मृत्यु की स्थिति में आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार टीडीएस-टीसीएस के प्रावधानों में छूट दी है।

मंत्रालय ने बताया कि सीबीडीटी ने दिनांक 23 अप्रैल, 2024 को परिपत्र संख्या 06/2024 जारी किया था, जिसके तहत 31 मार्च, 2024 तक किए गए लेन-देन के लिए पैन-आधार को लिंक करने के लिए करदाताओं को 31 मई, 2024 तक का अवसर प्रदान किया, ताकि आयकर अधिनियम की धारा 206एए1206सीसी के तहत कर की उच्च कटौती/संग्रह से बचा जा सके।

आयकर अधिनियम की धारा 206AA/206CC में कटौतीकर्ता/संग्रहकर्ता को पैन प्रस्तुत करने का प्रावधान किया गया है। ऐसा न करने पर उच्च दरों पर टीडीएस/टीसीएस लगाने का प्रावधान है।

इन धाराओं में ये भी प्रावधान है कि यदि प्रस्तुत किया गया पैन अमान्य है, तो इसे पैन प्रस्तुत न करने के बराबर माना जाएगा।

दरअसल ये सीबीडीटी के 23 अप्रैल, 2024 को पहले से जारी परिपत्र संख्या 6 के क्रम से संबंधित है, जिसमें करदाताओं के लिए पैन-आधार को जोड़ने की तिथि 31 मई, 2024 तक (31 मार्च, 2024 तक किए गए लेन-देन के लिए) बढ़ा दी गई थी, ताकि अधिनियम के अनुसार उच्च टीडीएस/टीसीएस से बचा जा सके। मंत्रालय ने कहा कि सीबीडीटी की ओर से दिनांक 23 अप्रैल, 2024 को जारी परिपत्र संख्या 06/2024 और परिपत्र संख्या 08/2024 दिनांक 05 अगस्त, 2024 www.incometa&india.gov.in पर उपलब्ध हैं।

सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिए मानदंड

एजेंसी

नई दिल्ली। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित कोई भी व्यक्ति, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत छत पर सौर (आरटीएस) बिजली परियोजना स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित कोई भी किसान, प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) योजना के तहत स्टैंडअलोन सौर कृषि पंप स्थापित करने और ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों के सौरीकरण के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र है। इसके अलावा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) के तहत नई सौर ऊर्जा योजना (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) बस्तियों/गांवों के लिए) को लागू कर रहा है, ताकि जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा चिन्हित गैर-विद्युतीकृत पीवीटीजी घरों को ऑफ-ग्रिड सौर प्रणाली प्रदान करके विद्युतीकृत किया जा सके, जहां ग्रिड बिजली उपलब्ध नहीं है और तकनीकी-आर्थिक रूप से व्यवहार रूप में नहीं है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक टैक्स का किया भुगतान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 1,86,440 करोड़ का टैक्स सरकार के खजाने में जमा कराया है। कंपनी की सालाना वार्षिक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। आरआईएल की जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार आरआईएल ने वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 1,86,440 करोड़ का टैक्स सरकार के खजाने में जमा कराया है। ये पिछले वित?त वर्ष के मुकाबले 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। भारत की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) भी 2023-24 में 20 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जिससे रिलायंस देश की नंबर वन कंपनी बन गई है। इससे

पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह 27 फीसदी का उछाल है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में रिलायंस इंडस्ट्रीज बाजार पूंजीकरण के मामले में दुनिया की 48वीं कंपनी है। वहीं, कंपनी ने कंसोलिडेटेड रेवेन्यू में भी 10 लाख करोड़ के मुकाम को पार कर लिया है। पिछले वित्त वर्ष में रिलायंस ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया। वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस ने बीते वित्त वर्ष 2023-24 में एक लाख 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। समाज के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कंपनी ने वित?त वर्ष 2023-24 में सामाजिक जिम्मेदारी मद में कुल 1,592 करोड़ रुपये खर्च किए। इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले यह 300 करोड़ रुपये अधिक हैं। चेयरमैन मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन से लेकर ट्रू 5जी नेटवर्क और खुदरा कारोबार से जुड़ी योजनाओं की रूपरेखा भी पेश की है।

आरआईएल चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (एमडी) मुकेश अंबानी ने वार्षिक रिपोर्ट में जारी बयान में कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत का महत्व बढ़ गया है। अंबानी ने कहा कि अस्थिरता और अनिश्चितता भरे दुनिया में भारत स्थिरता और समृद्धि के प्रतीक के रूप में चमक रहा है। रिलायंस परिवार के लिए भारत के विकास का हिस्सा बनना गर्व की बात है। मुकेश अंबानी ने कहा कि पूंजीगत व्यय के पिछले दौर के बाद कंपनी ने अपने बही-खाते को मजबूत किया है। अब वह वृद्धि के अगले स्तर के लिए तैयार है।

गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटे खरीदार, सेंसेक्स और निफ्टी में शानदार तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तीन दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार में आज चौतरफा खरीदारी होती नजर आई। आज के कारोबार की शुरुआत शानदार मजबूती के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में मुनाफा वसूली की वजह से इसकी चाल में कुछ गिरावट भी आई लेकिन दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर शेयर बाजार की चाल को दोबारा तेज कर दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.11 प्रतिशत और निफ्टी 1.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। मीडिया, मेटल, ऑयल एंड गैस, फार्मास्यूटिकल, टेलीकॉम, पावर और कैपिटल गुड्स इंडेक्स आज की तेजी के कारण 2 से 3 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.39 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया।

आज बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 448.77 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन

439.59 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 9.18 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,031 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,988 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 945 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 98 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,357 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,967 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 390 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और 8 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 972.33 अंक उछल कर 79,565.40 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। बिकवाली का दबाव बनने पर सेंसेक्स लुढ़क कर 79,106.20 अंक के स्तर तक पहुंचा, वहीं खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक ने 1,046.13 अंक की बढ़त के साथ 79,639.20 अंक तक पहुंचने में सफलता भी पायी। बाजार में मुनाफा वसूली होने के बावजूद अच्छी बात ये रही कि ये सूचकांक लगातार 79 हजार अंक के ऊपर ही बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 874.94 अंक की तेजी के साथ 79,468.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 296.85 अंक की छलांग लगा कर 24,289.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 345.15 अंक की मजबूती के साथ 24,337.70 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 24,184.90 तक लुढ़क भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी ने 304.95 अंक की मजबूती के साथ 24,297.50 अंक के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी 7.51 प्रतिशत, कोल इंडिया 6.39 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइज 3.69 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 3.33 प्रतिशत और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 3.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर इंडसइंड बैंक 2.60 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 1.22 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 0.66 प्रतिशत, ब्रिटानिया 0.30 प्रतिशत और टाइटन कंपनी 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

गोयल ने बिम्सटेक मुक्त व्यापार समझौते पर तेजी से वार्ता का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि बिम्सटेक सदस्यों को व्यापार वार्ता के संबंध में सदस्य देशों की प्राथमिकताओं की फिर से जांच करनी चाहिए, ताकि विलंबित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिया जा सके। गोयल ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के साथ साझेदारी में आयोजित बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) व्यापार शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। उन?होंने कहा कि बिम्सटेक का सामूहिक रूप से भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल ने कहा कि बिम्सटेक एफटीए की वास्तविक संभावनाओं की जांच करने के लिए सभी सदस्य देशों के व्यापारिक समुदायों की सिफारिशों की प्रतीक्षा है। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों, व्यापार जगत के नेताओं को प्रस्तावित एफटीए के संबंध में प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सदस्यों को ऐसी ठोस सिफारिशें करने की आवश?यकता है, जो सभी सात देशों को स्वीकार्य हों। बिम्सटेक देश आपूर्ति श्रृंखलाओं, ई-कॉमर्स, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और खाद्य सुरक्षा में साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करेंगे। गोयल ने बांग्लादेश में घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की और सुचारु सत्ता परिवर्तन की उम्मीद जताई। उन्होंने बिम्सटेक सदस्यों से मौजूदा व्यापारिक संबंधों पर आत्मनिरीक्षण करने का आह्वान करते हुए कहा कि बिम्सटेक देशों के बीच व्यापार छोटा है।

क्या पुरानी चोट बन सकती है Bone Cancer का कारण एक्सपर्ट से जानें कुछ ऐसे ही सवालों के जवाब

Cancer के कई प्रकार होते हैं जो दुनियाभर में कई लोगों को प्रभावित करते हैं। Bone Cancer इसका ऐसा ही एक प्रकार है जो आमतौर पर किशोरों और वयस्कों में ज्यादा देखने को मिलता है। इस बीमारी के सही इलाज के लिए सटीक जानकारी होना जरूरी है। हालांकि इससे जुड़े मिथक अक्सर इसे और भी ज्यादा बदतर बना देते हैं। जानते हैं इससे जुड़े आम मिथक और उनकी सच्चाई।

कैंसर (Cancer) एक गंभीर बीमारी है, जो दुनियाभर में चिंता का विषय बनी हुई है। यह किसी को भी अपनी चपेट में ले सकती है और कई मामलों में जानलेवा साबित हो सकती है। इस बीमारी के कई प्रकार होते हैं, जो शरीर के अलग-अलग अंगों में होने की वजह से उन्हीं के नाम से जाना जाता है। हड्डी का कैंसर यानी Bone Cancer इन्हीं में से एक है, इस खतरनाक बीमारी का एक गंभीर प्रकार है।

हड्डी का कैंसर गंभीर दर्द की वजह बन सकता है और आपके रोजमर्रा के काम को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में इससे बचने के लिए बोन कैंसर से जुड़ी सटीक जानकारी होना महत्वपूर्ण है। अक्सर किसी बीमारी से जुड़े मिथक ज्यादा हानिकारक साबित होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे एचसीजी कैंसर सेंटर बोरीवली, मुंबई में रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. त्रिनंजन बसु के बताए Bone Cancer से जुड़े कुछ आम मिथक और उनकी सच्चाई के बारे में-

मिथक 1- हड्डी का कैंसर सिर्फ बच्चों को प्रभावित करता है।

सच्चाई- यह धारणा पूरी तरह से गलत है। अन्य कैंसर की ही तरह हड्डी का कैंसर भी किसी को भी अपना शिकार बना सकता है। आमतौर यह कैंसर किशोरों और वयस्कों में ज्यादा आम है, लेकिन यह किसी भी उम्र में हो सकता है।

मिथक 2: उभार या गांठ का मतलब हमेशा हड्डी का कैंसर ही होता है।

सच्चाई- यह भी एक मिथक है। हड्डी में दर्द और गांठ के कई कारण हो सकते हैं, जिसमें फ्रैक्चर, संक्रमण और बेनाइन ट्यूमर (benign tumors) आदि शामिल हैं। हालांकि, अगर कोई गांठ या दर्द कई हफ्तों तक बना रहता है, तो बिना लापरवाही किए डॉक्टर को दिखाना जरूरी है।

मिथक 3: कोई पुरानी चोट हड्डी के कैंसर का कारण बनती है।

सच्चाई- यह पूरी तरह से सच नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि भले ही चोटें कभी-कभी हड्डी को नुकसान पहुंचा सकती हैं, लेकिन वे सीधे तौर पर कैंसर का कारण नहीं बनती हैं।

मिथक 4: बोन कैंसर का एकमात्र इलाज अंग-विच्छेद है।

सच्चाई- अंग-विच्छेद को सिर्फ तभी आखिरी उपाय माना जाता है,जब ट्यूमर बहुत बड़ा हो, गंभीर हिस्से में हो या जब अन्य तरह के इलाज को कोई अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिल रही हो। रेडिएशन थेरेपी जैसी मॉडर्न मेडिकल सर्जरी पहले ट्यूमर को छोटा कर देती है या सर्जरी के बाद बची हुए कैंसर सेल्स को नष्ट कर देती है। ब्रैकीथेरेपी में ट्यूमर में सुइयां डालकर, उसे निकालना और फिर हाई डोज रेडिएशन दी जाती है। वहीं, ईसीआरटी (एक्स्ट्राकोर्पोरियल रेडियोथेरेपी) की मदद से भी हड्डी के ट्यूमर को हटा सकते हैं।

मिथक 5: हड्डी के कैंसर को रोकने का कोई तरीका नहीं है।

सच्चाई- यह भी पूरी तरह सच नहीं है। हालांकि इसकी गारंटी नहीं है, लेकिन संतुलित आहार और एक्सरसाइज की मदद से आप एक हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो कर सकते हैं, जो काफी हद से कई तरह के कैंसर का खतरा कम करती है। साथ ही जेनेटिक टेस्टिंग की मदद से हाई रिस्क वाले लोगों की पहचान की जा सकती है।

इस्लामिक देशों की अशांति से भारत को क्या सबक लेना चाहिए

देखा जाये तो यदि इस समस्या का समाधान निकालने पर ध्यान नहीं दिया गया तो मुश्किलें खड़ी होना तय है। इस संबंध में विश्व इतिहास के कुछ उदाहरणों से सबक लिया जा सकता है। पहले तुर्की, मिस्र और सीरिया में ईसाई बहुसंख्यक थे।

तुर्की अशांत है, यमन अशांत है, कांगो अशांत है, ईरान अशांत है, इराक अशांत है, सूडान अशांत है, मिस्र अशांत है, सीरिया अशांत है, बांग्लादेश अशांत है, सोमालिया अशांत है, पाकिस्तान अशांत है, मालदीव अशांत है, नाइजीरिया अशांत है, तजाकिस्तान अशांत है, अफगानिस्तान अशांत है। देखा जाये तो दुनिया के अधिकतर इस्लामिक देश अशांत हैं। बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान तो कभी अखण्ड भारत का ही हिस्सा थे लेकिन इनकी दिक्कतें तभी शुरू हुईं जब यह इस्लामिक देश बने। जबकि हिंदू बहुल भारत में लोकतंत्र मजबूत और स्थिर रहा तथा देश के सेकुलर रहने से सभी धर्मों के लोग यहां पूरी आजादी के साथ अपने जीवन का निवर्हन करते हैं। लेकिन भारत का साम्प्रदायिक सौहार्द्र उन अराजक तत्वों को भा नहीं रहा है जोकि 2047 तक हिंदुस्तान को इस्लामिक राष्ट्र में तब्दील करने का एजेंडा लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिये योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न इलाकों की डेमोग्राफी बदली जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक देश के 9 राज्यों, 200 जिलों और 1500 तहसीलों का जनसांख्यिकी अनुपात बिगाड़ा जा चुका है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पिछले सप्ताह ही कहा था कि भारत में रोहिंग्या घुसपैठ काफी बढ़ गई है तथा जनसांख्यिकी में बदलाव आने का खतरा वास्तविक और गंभीर है। उन्होंने कहा था कि रोहिंग्या लगातार भारत-बांग्लादेश सीमा का इस्तेमाल करके भारत में आ रहे हैं और कई राज्य जनसांख्यिकीय बदलाव की समस्या का सामना कर रहे हैं।

देखा जाये तो यदि इस समस्या का समाधान निकालने पर ध्यान नहीं दिया गया तो मुश्किलें खड़ी होना तय है। इस संबंध में विश्व इतिहास के कुछ उदाहरणों से सबक लिया जा सकता है। पहले तुर्की, मिस्र और सीरिया में ईसाई बहुसंख्यक थे। लेकिन आज यह इस्लामिक राष्ट्र हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं की अच्छी खासी आबादी थी जोकि अब न्यूनतम स्तर पर पहुँच गयी है। ईरान में 90त्न पारसी थे और उसका नाम पर्सिया था लेकिन आज वह इस्लामिक देश है और वहां कट्टरपंथी सोच वाली सरकार है। वैश्विक घटनाक्रमों पर नजर डालेंगे तो यह भी प्रतीत होगा कि कम कट्टरपंथियों वाले देश और ज्यादा कट्टरपंथियों वाले देश के हालात में क्या फर्क होता है।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, इटली, नॉर्वे आदि में कट्टरपंथियों की आबादी 2 प्रतिशत से भी कम है इसलिए वहां दंगे इत्यादि नहीं होते। डेनमार्क, जर्मनी, ब्रिटेन, स्पेन और थाईलैंड में कट्टरपंथियों की आबादी 5 प्रतिशत तक है इसलिए वहां आपको अक्सर छोटी-छोटी बातों पर धरना प्रदर्शन होने की खबरें मिलती होंगी। फ्रांस, फिलिपींस, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, नीदरलैंड, त्रिनिदाद और टोबैगो आदि में कट्टरपंथियों की आबादी 10 प्रतिशत तक है इसलिए वहां विशेष दर्जा और तमाम सुविधाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन होते हैं। गुयाना, भारत, इज़राइल, केन्या और रूस आदि में इनकी आबादी 10 से 20 प्रतिशत तक है तो विशेष धार्मिक कानून, विशेष स्कूल, विशेष तालीम और विशेष ड्रेस कोड लागू करने पर जोर दिया जाता है। कट्टरपंथियों की आबादी का प्रतिशत जिन देशों में 20 प्रतिशत से ज्यादा है वहां अपहरण, बलात्कार, सामूहिक धर्मांतरण, आगजनी, नरसंहार, गृहयुद्ध जैसी स्थितियों के चलते बड़ी संख्या में लोगों का पलायन भी होता है। ऐसे देशों में बोस्निया, लेबनान, अल्बानिया, मलेशिया, कतर, सूडान, बांग्लादेश, मिस्र, गाजा, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, जॉर्डन, मोरक्को, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, सीरिया, तजाकिस्तान, अफ़गानिस्तान, सोमालिया और यमन आदि शामिल हैं।अगर इन उदाहरणों से भी बात आपकी समझ में नहीं आई है तो कुछ और उदाहरणों को देखना चाहिए। जैसे कि दुर्योधन का ननिहाल गंधार अब अफगानिस्तान कहलाता है। भरत जी का ननिहाल कैकेय अब पाकिस्तान कहलाता है। ईस्ट बंगाल अब बांग्लादेश कहलाता है। वेस्ट पंजाब अब पाकिस्तान का हिस्सा है। आगे चल कर भारत को और कोई दिक्कत पेश नहीं आये इसलिए अभी से सख्त कदम उठाना जरूरी है। लेकिन सवाल उठता है कि हमारे सभी जनप्रतिनिधि कब देश की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान देंगे। देखा जाये तो आज वास्तविक समस्या महंगाई या बेरोजगारी नहीं बल्कि जनसंख्या का बिगड़ता अनुपात है। आंकड़े बताते हैं कि भारत के 9 राज्यों अर्थात 25त्न राज्यों की डेमोग्राफी बदल चुकी है। इसको थोड़ा और विस्तार से देखेंगे तो भारत के 200 ज़िलों अर्थात 25त्न जिलों की डेमोग्राफी बदल चुकी है। इसको और थोड़ा विस्तार से देखेंगे तो पाएंगे कि भारत की 1500 तहसीलों अर्थात 25त्न तहसीलों की डेमोग्राफी बदल चुकी है। यही नहीं, सीमाई इलाकों की 300 तहसीलों अर्थात 100त्न तहसीलों की डेमोग्राफी बदल चुकी है। साथ ही देश में ऐसा कोई जिला नहीं बचा है जहां घुसपैठ, धर्मांतरण और जनसंख्या विस्फोट नहीं हो रहा है।बहरहाल, भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद में बताया है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना सदमे में हैं। देखा जाये तो सदमा होना स्वाभाविक भी है क्योंकि अचानक से उन्हें सत्ता और देश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। भारत में कभी ऐसी स्थिति नहीं आये इसके लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाना अनिवार्य है। साथ ही घुसपैठ और धर्मांतरण पर पूर्ण नियंत्रण लगाना होगा और यह काम वोट बैंक की राजनीति से प्रभावित हुए बिना करना होगा। हमारे देश में सभी राजनेता संविधान की दुहाई देते हैं लेकिन भारत में संविधान का राज सदैव कायम रहे इसके लिए अभी से सतर्क होने और देश में कानूनों को कड़ा करने की जरूरत है।

संपादकीय

भारत के लिए संभल कर चलने का वक्त

बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद वहां के सियासी हालात और भारतीयों की सुरक्षा समेत कई जरूरी सवालों पर आज केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, इसके अलावा विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने संसद में भी इस पर आधिकारिक बयान दिया। केंद्र सरकार के मुताबिक 5 अगस्त को शेख हसीना ने बेहद शार्ट नोटिस पर कुछ लम्हे के लिए भारत आने की अनुमति मांगी और इसके साथ ही बांग्लादेश प्रशासन ने फ्लाइट क्लियरेंस की अनुमति मांगी, जिसके बाद 5 तारीख की शाम को शेख हसीना दिल्ली पहुंच गई। सरकार ने संसद में यह जानकारी भी दी कि वहां के अल्पसंख्यक समुदायों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर उसकी नजर है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह जानकारी सामने आई है कि शेख हसीना के ब्रिटेन जाने पर भी संशय है, क्योंकि वहां की सरकार ने उन्हें किसी भी तरह का कानूनी संरक्षण देने से इनकार कर दिया। ब्रिटिश सरकार ने शेख हसीना से कहा है कि अगर उनके खिलाफ कोई कानूनी-कार्यवाही शुरू होती है तो ब्रिटेन उनका बचाव नहीं करेगा।

इन स्थितियों में शेख हसीना का अगला कदम क्या होगा, इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। लेकिन जिस तरह अपनी सुरक्षा के लिए उन्होंने सबसे पहले भारत से ही संपर्क किया और वह भी काफी कम वक्त में, उससे जाहिर होता है कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते कितने मजबूत रहे हैं। अब जो नयी सरकार गठित होगी, क्या उसके साथ भी भारत के संबंध सौहार्द्रपूर्ण और भरोसे के रहेंगे, इसे परखना होगा। क्योंकि बांग्लादेश भारत का पड़ोसी देश ही नहीं है, हमारी सीमाओं के साथ-साथ आर्थिक, सामरिक, सांस्कृतिक हितों की भी साझेदारी है। जिन हालात में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने पाकिस्तान के दो हिस्से कराकर बांग्लादेश का निर्माण करवाया था, उस हार का स्वाद पाकिस्तान अब तक नहीं भूला है और चीन ने भी भारत की सक्षमता को तब देख लिया था। लेकिन अब चीन और पाकिस्तान दोनों बांग्लादेश को आधार बनाकर भारत में अपने गलत इरादों को अंजाम देने की कोशिश करेंगे, इस बारे में भारत को पहले से सचेत रहना होगा। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूछा कि क्या सरकार के पास बांग्लादेश के घटनाक्रम में किन्हीं बाहरी ताकतों की भूमिका के बारे में कोई जानकारी है, तो विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि सरकार के पास केवल पाकिस्तान के राजनयिक की बदली हुई डीपी (डिस्प्ले पिक्चर) के बारे में जानकारी है जो विद्रोहियों को उनके समर्थन को दर्शाती है।यह जानकारी छोटी सी है, लेकिन इसके मायने काफी गहरे हैं। पाकिस्तान के राजनयिक अगर विद्रोहियों को समर्थन दे रहे हैं, तो जाहिर है कि बांग्लादेश की राजनैतिक अस्थिरता या वहां कठपुतली सरकार बनाने में बाहरी ताकतों की दिलचस्पी है। ये ताकतें कौन सी हैं, और इनका असल मकसद क्या है, इसे बेहद सावधानी के साथ विश्लेषित करने की जरूरत है। क्योंकि बांग्लादेश केवल मोहरा हो सकता है और निशाने पर कोई और हो सकता है। अफ्रीका और एशिया के कई देशों में पिट्ठू सरकारों को बिठाने का सफल प्रयोग वैश्विक ताकतें पहले कर चुकी हैं, अरब बसंत जैसे उदाहरण भी हमारे सामने हैं, जहां आंदोलन के प्रत्यक्ष कारण कुछ और होते हैं और छिपे हुए एजेंडे जब तक सामने आते हैं, तब तक देश बर्बाद हो चुके होते हैं। ऐसे आंदोलनों में धर्म और नस्ल के नाम पर अत्याचार सहउत्पाद की तरह आता है और लोगों का ध्यान उन्हीं में उलझ कर रह जाता है। इस वक्त बांग्लादेश में भी यही सब हो रहा है। हिंदुओं पर मंडराता खतरा, मंदिरों पर हमला, ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिनसे भारत में चिंता उपजना स्वाभाविक है। लेकिन क्या धर्म की आड़ में लोकतंत्र पर मंडराए खतरे से ध्यान भटकाया जा रहा है, यह भी समझना होगा।

शेख हसीना की चुनावों में जीत पर सवाल उठाना, उनकी नीतियों और फैसलों का विरोध करना, उनसे इस्तीफे की मांग करना, सब जायज़ रहता, अगर यह सब लोकतंत्र के दायरे में रहकर किया जाता। लेकिन शेख हसीना को जिन हालात में देश छोड़ने पर मजबूर किया गया और फिर बंग बंधु शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा को प्रहार करके तोड़ा गया, वह असल में लोकतंत्र पर प्रहार था। आंदोलनकारियों ने जिस तरह शेख हसीना के आवास पर कब्जा किया और उनके निजी सामान का बेहूदा प्रदर्शन किया,

अहं और प्रजातंत्र विरोधी रवैया शेख हसीना के अधःपतन के लिए जिम्मेदार

भारत से भी बांग्लादेश के संबंध अच्छे हो गये। जिन बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर भाजपा अपनी राजनीति करती थी उसमें कुछ हद तक ब्रेक लग गया और नरेन्द्र मोदी ने भी बांग्लादेश से अपने संबंध सुधारने में कोई कसर नहीं छोड़ी। परंतु धीरे-धीरे शेख हसीना को सत्ता का नशा चढ़ने लगा। वहां उन्होंने अपने विरोधियों पर जबरदस्त ज्यादतियां कीं।बांग्लादेश में शेख हसीना और उनकी सरकार के अधःपतन के बाद शायद दुनिया में एकमात्र धर्मनिरपेक्ष इस्लामिक देश का पतन हो गया है। शेख हसीना के पिता मुजीबुर रहमान बांग्लादेश के निर्माता थे। उन्होंने यह सिद्ध किया था कि नागरिकों के लिए धर्म से ज्यादा महत्व भाषा का है। जब पाकिस्तान के अधिनायकशाही शासकों ने बांग्लादेश पर उर्दू को लादने की कोशिश की थी तो उन्होंने इसे नामंजूर कर दिया था और यह कहा था कि बांग्ला भाषा ही हमारी मातृभाषा है। इसके साथ ही पाकिस्तान के चुनाव में मुजीबुर रहमान को बहुमत मिला था। इसके बावजूद पाकिस्तान के शासकों ने उन्हें पाकिस्तान का प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया। इस सबका बांग्लादेश के नागरिकों ने जबरदस्त विरोध किया और उन्होंने पाकिस्तान से अलग होने का फैसला किया।

इस बीच मुजीबुर रहमान की हत्या कर दी गई। बांग्लादेश का शासन दक्षिणपंथी इस्लामी ताकतों के हाथ में आ गया। परंतु कुछ समय के बाद मुजीबुर रहमान की आवामी लीग फिर सत्ता में आ गई और शेख हसीना प्रधानमंत्री बनीं। उनके शासनकाल में बांग्लादेश ने काफी प्रगति की। वहां की आर्थिक व्यवस्था में भारी सुधार हुआ। आर्थिक प्रगति के साथ ही शेख हसीना ने वहां अनेक संवैधानिक सुधार किए। इन सुधारों के जरिये उन्होंने बांग्लादेश को एक पूर्णत- धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाया। वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों को जिनमें हिन्दू भी शामिल थे, पूरी सुरक्षा दी और दक्षिणपंथियों को सिर उठाने का अवसर नहीं दिया।

भारत से भी बांग्लादेश के संबंध अच्छे हो गये। जिन बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर भाजपा अपनी राजनीति करती थी उसमें कुछ हद तक ब्रेक लग गया और नरेन्द्र मोदी ने भी बांग्लादेश से अपने संबंध सुधारने में कोई कसर नहीं छोड़ी। परंतु धीरे-धीरे शेख हसीना को सत्ता का नशा चढ़ने लगा। वहां उन्होंने अपने विरोधियों पर जबरदस्त ज्यादतियां कीं। यहां तक कि उनकी सबसे बड़ी विरोधी पार्टी की नेता खालिदा जिया को जेल में डाल दिया। उनकी पार्टी को चुनाव लड़ने में तरह-तरह की बाधाएं उत्पन्न कीं और स्थिति इतनी खराब हो गई कि खालिदा जिया की पार्टी ने अभी पिछले चुनाव में भाग लेने से भी मना कर दिया।

इसी तरह वहां की एक और पार्टी जमाते इस्लामी को उन्होंने आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया, जबकि जमात का बांग्लादेश में प्रभाव था। उन्होंने हर तरह से लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला किया। नतीजे में उनकी लोकप्रियता घटती गई और एक मौका ऐसा आया कि लगभग पूरा बांग्लादेश उनके विरूद्ध हो गया। जब उन्होंने उनके विरोधियों को आतंकवादी कहा और उन्हें रजाकार भी निरूपित किया, इससे पूरे बांग्लादेश में आक्रोश फैल गया। फिर इन्होंने एक और गलत फैसला किया कि उन लोगों को जो 1971 के पाकिस्तान विरोधी आंदोलन में शामिल हुए थे उनको नौकरी देने का फैसला किया। नौकरी प्राथमिकता पर दी जाने लगी और सरकारी नौकरियों में उन्हें 30 प्रतिशत आरक्षण दे दिया गया। इसका जबरदस्त विरोध बांग्लादेश में हुआ और इस विरोध ने शेख हसीना का व्यक्तिगत रूप ले लिया और मांग उठने लगी कि शेख हसीना इस्तीफा दो और बांग्लादेश छोड़ो। विरोध इतना बढ़ गया कि शेख हसीना को रात के अंधेरे में हैलिकाप्टर से अपनी बहन के साथ, कुल दो सूटकेस और अपनी काम की चीजों के साथ, बांग्लादेश को छोड़ना पड़ा। वहां की फौज ने उनको बांग्लादेश छोड़ने में मदद की। फौज ने उनकी मदद इसलिए की कि यदि वे बांग्लादेश से नहीं भागतीं तो शायद उनकी हत्या कर दी जाती। उन्होंने भारत में शरण ली और भारत सरकार ने उनके हवाईजहाज को फौजी हवाई अड्डे में उतरने की इजाज़त दी और उन्हें अस्थायी शरण दी। भारत पहुंचने के बाद हमारे सुरक्षा सलाहकार उनसे मिले और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया।

अब वे तय कर रही हैं कि वे किस देश में शरण लें। उनकी सरकार के पतन से हमारे सामने बहुत ही गंभीर समस्या खड़ी हो गई है, क्योंकि बांग्लादेश सही मायनों में हमारा मित्र देश है। वहां जो स्थिति बनी है उसका चीन और पाकिस्तान पूरा लाभ लेने की कोशिश करेंगे। इन दोनों देशों की नीति का विरोध करना हमारे लिए कठिन हो जायेगा। शेख हसीना के पुत्र ने भी घोषणा कर दी है कि उनकी राजनीति समाप्त हो गई है और वे शायद ही बांग्लादेश जायेंगी। उनका अधःपतन इस बात का प्रतीक है कि भले ही आप धर्मनिरपेक्ष हों परंतु यदि आप डेमोक्रेटिक नहीं हैं तो आपकी धर्मनिरपेक्षता का कोई अर्थ नहीं होता।

शेख हसीना की धर्मनिरपेक्षता के प्रति प्रतिबद्धता इस हद तक थी कि जिन रवीन्द्रनाथ टैगोर के गीत को हमने अपना राष्ट्रगान बनाया था, उन्हीं रवीन्द्रनाथ टैगौर के गीत को उन्होंने भी बांग्लादेश का राष्ट्रगान बनाया था। इसके साथ ही साड़ी यदि कहीं सबसे ज्यादा पहनी जाती थी तो प्राय- बांग्लादेश में। वे स्वयं हमेशा साड़ी पहनती थीं। वहां के रहन-सहन से उन्होंने हमेशा यह बताने की कोशिश की कि वे भारत की सच्ची मित्र हैं। परंतु उनके सत्ता के घमंड के सामने यह सब नहीं टिक सका और उन्हें अत्यधिक शर्मनाक स्थिति में अपनी मातृभूमि को छोड़ना पड़ा और अपने पिता की धरोहर को खोना पड़ा।यहां यह बताना उचित होगा कि जब शेख मुजीबुर रहमान की हत्या की गई तो उस समय उनके परिवार में जितने लोग थे सबकी हत्या कर दी गई थी। परंतु शेख हसीना इसलिए बच गई थीं कि वे उस समय जर्मनी में थीं। उसके बाद उन्होंने लम्बे समय तक अपने पिता के आदर्शों पर चलने का प्रयास किया परंतु वे बाद में भटक गईं हम भारतवासियों को इसका हमेशा दुख रहेगा।

मेकअप के कुछ नए फंडे

प्राचीन समय से ही सुंदर लगना महिलाओं को प्रिय लगता है तब नानी-दादी जो भी घरेलू उपाय खुद करती थीं, वही वे आगे बेटियों को बताती थीं इसलिए वही पुराने उपाय आगे चलते जाते थे मगर अब तो महिलाएं पढ़-लिख कर बहुत आगे तक जा चुकी हैं।

अब उन्हें नए जमाने के साथ सौंदर्य साधनों के फंडों को भी बदलना चाहिए। उन्हें तोड़ देने चाहिएं पुराने प्रयोग और अपनाने चाहिएं नए प्रयोग। बस ध्यान देना चाहिए कि नया प्रयोग आप पर फूहड़ न लगे। ड्रैस के अनुसार और अवसर के अनुसार उनका प्रयोग करना चाहिए।

रैड लिपस्टिक मानी जाती है कि बहुत लाऊड लगती है। ऐसा नहीं है। यदि आप ब्राऊनिश रैड या मैरूनिश रैड लगाती हैं तो ये अक्सर सब पर जंचती हैं। बिल्कुल रैड लिपस्टिक सभी पर नहीं जंचती। हॉट रैड लिपस्टिक जब भी लगाएं उसके साथ मेकअप बहुत कम करें। आई मेकअप भी बिल्कुल हल्का करें। हॉट रैड लिपस्टिक के साथ डार्क मेकअप अच्छा नहीं लगता। वैसे आजकल रैड कलर फैशन में है।

पाऊडर यदि कम मात्रा में एकसार चेहरे और गर्दन पर लगाया जाए तो चेहरा आकर्षक लगता है और पाऊडर की मोटी परत लगाई जाए तो त्वचा पपड़ीदार फ्लैकी लगती है इसलिए जब भी पाऊडर लगाएं, एकस्ट्रा पाऊडर को ब्रश से झाड़ कर कम कर दें। पुराने लोगों का मानना है कि पाऊडर लगाने से महिला उम्र से बड़ी लगती हैं।

हाथों और पैरों की उंगलियों की नेल पालिश पहले लोग एक ही रंग की लगाते थे। बहुत सालों तक इसी प्रयोग को अपनाया जाता रहा है। अब लोग हाथों और पैरों की उंगलियों पर अलग-अलग नेल पालिश लगाते हैं। पहले लिपग्लॉस बस 40 वर्ष तक की महिलाएं लगाती थीं पर अब 30 वर्ष के बाद लिपग्लॉस लोग अक्सर नहीं लगाते। फिर भी आप लिपग्लॉस लगाना चाहें तो पहले होंठों पर लिप बाम लगाएं, फिर लिप डिफाइनर से लिप को आकार देकर उसमें लिपग्लॉस लगाएं ताकि लिपग्लॉस होंठों से बाहर न फैले। पहले महिलाएं लिपस्टिक लगाते समय लिप लाइनर से आऊट लाइन बनाती थीं और उसमें लिपस्टिक लगाती थीं। नए फैशन में लिपस्टिक सीधी होंठों पर लगाई जाती है क्योंकि इससे नैचुरल लुक आती है। इससे होंठ सॉफ्ट रहते हैं। वैसे आजकल लाइट शेड की लिपस्टिक ज्यादा पसंद की जाती है। अगर आप आऊटलाइन लगाना ही चाहते हैं तो हल्की आऊट लाइन करें और उसे ब्लैंड कर लें।

शिमरी मेकअप आज का नया फंडा है। यह मेकअप यदि ढंग से किया जाए तो आपको जवां बना देता है। शिमर का प्रयोग आप कहीं भी, कभी भी कर सकते हैं। कैमल, पिंक शिमर वाला मेकअप आप दिन और रात कभी भी कर सकते हैं। लिपस्टिक त्वचा से मेल करती लगाएं। यह नया फंडा है। पहले लोग ड्रैस और मेकअप अनुसार लिपस्टिक के रंग का चयन करते थे, अब त्वचा से मेल खाती लगाते हैं। आंखों के प्राकृतिक रंग से मेला खाता आईशैडो लगाने से आंखों की तरफ ध्यान ही नहीं जाता। नए फंडे के अनुसार शैडो का रंग आंखों के प्राकृतिक रंग से विपरीत होना चाहिए जैसे ग्रीन आंखों वाले को पर्पल, मोव, सिल्वर, गोल्ड या कोरल टोन वाला आई शैडो लगाना चाहिए। नीली आंखों वाले को लाइट पिंक पीच, कॉपर, ब्रांज और गोल्ड लगाना चाहिए। भूरी आंखें वालों को एमरल्ड ग्रीन, मोव, पर्पल, डीप प्लम शेड का प्रयोग करना चाहिए।

बिखर गयी हरियाली

बारिश की बूंदों के साथ ही हर ओर खिल गयी है हरियाली। प्रकृति भी में घुल गया है एक अलग ताजगी का अहसास। इस पर दस्तक दे चुका है सावन का महीना यानी हरी-हरी मेहंदी और चूड़ियों के श्रंगार के साथ इठलाने का मौसम आ गया। प्रकृति से प्रेरित आशाओं, उमंगों और ऊर्जा का प्रतीक हरा रंग इन दिनों फैशन व होम डेकोर में ट्रेंड बनकर उभरा है। यह रंग आत्मसम्मान और जीवन में आगे बढ़ने का उत्साह जगाता है। ऐसे में हरे रंग की ड्रेस न सिर्फ ट्रेंडी है, बल्कि उसे पहनकर आप अपने भीतर महसूस करेंगी आत्मविश्वास के भाव। ऐसा ही कुछ है हरे रंग की एक्सेसरीज के साथ। हरे रंग की बेल्ट, हैंडबैग से लेकर फुटवेयर, ईयरिंग्स इत्यादि भी हैं फैशन में टॉप पर। मेकअप की बात करें तो हरे रंग की नेलपॉलिश लगती है फैशनेबल व ऐलीगेंट, जबकि ग्रीन आईलाइनर देता है नाइट पार्टीज में ग्लैमरस लुक। वहीं होम डेकोर आइटम्स व एक्सेसरीज में भी ग्रीन कलर है चलन में। विशेषज्ञों के मुताबिक इंटीरियर डेकोरेशन में इस रंग का इस्तेमाल तनाव से दूर रखने में मदद करता है। हरे रंग के कुशन्स, पर्दे, लैंप इत्यादि के सुरुचिपूर्ण इस्तेमाल से आप जगा सकती हैं अपने घर में फ्रेशनेस व सौंदर्य का अहसास।

खूबसूरत आंखों के लिए 3 स्टेप्स

आंखों को आकर्षक बनाने के लिए मस्कारा का दो कोट ही काफी है। आंखें चेहरे की जुबां होती हैं, इसलिए इन्हें आकर्षक बनाने के लिए आप मस्कारा का प्रयोग कैसे करें, बता रहे हैं मेकअप आर्टिस्ट भारत एंड डोरिस।

मस्कारा आंखों के मेकअप का अहम हिस्सा है। इसका सही तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह सबकी नजर आपकी ओर खींच सकता है। लैशेज को बढ़ाने, उन्हें वॉल्यूम देने और आकर्षक बनाने के लिए आप यहां दी गई बातों पर गौर जरूर फरमाएं।

बढ़ाएं 1,2,3 कदम

ब्लैक लिक्विड आई लाइनर से लैशेज के एकदम पास बारीक रेखा खीं चें। ताकि बरौनियों के बालों के बीच का खाली हिस्सा नजर न आए और अगर आप आर्टिफिशियल लैशेज भी लगाएं तो वह अप्राकृतिक न लगे। नीचे वाली बरौनियां बहुत हलकी हों तो काजल जरूर लगाएं।

पहला कदम

सबसे पहले लैशेज को घना और मोटा दिखाने के लिए लैश प्राइमर लगाएं। जब बरौनियों के सिरों पर पहुंचे तो आहिस्ता से हिलाएं ताकि बाल एक-दूसरे से चिपकें नहीं। जब लैशेज (बरौनियां) सूख जाएं तब दूसरा कोट लगाएं।

दूसरा कदम

लैशेज को तीन हिस्सों में बांटकर मस्कारा लगाएं। बीच वाले बालों को माथे की तरफ, भीतर वाले बालों को भीतरी भौंहों की तरफऔर आंख के बाहरी कोने वाले बालों को कान के थोड़ा ऊपर वाले हिस्से की तरफ। ऐसा करने से बरौनियों को सही आकार मिलेगा और वह लंबी व घनी भी नजर आएंगी।

तीसरा कदम

अब नीचे की बरौनियों के पतले बालों पर मस्कारा लगाने के लिए मस्कारा ब्रश को वर्टिकल (खड़े/सीधे) अंदाज में पकड़ें और बरौनियों पर सावधानीपूर्वक हलका-हलका छुआएं ताकि आंखों के आसपास न लगने पाए। एक जगह पर रुकें नहीं। हाथों का संतुलन बनाए रखें, वरना कहीं ज्यादा और कहीं कम लगेगा।

बिना मेकअप दिखें खूबसूरत

संवरने-संवारने की कला स्त्री को जन्मजात मिली है। यह आर्ट उसे सुंदर दिखने को भी प्रेरित करती है। भागदौड़ भरी जिंदगी में रोज अच्छी तरह मेकअप करना तो संभव नहीं, मगर डाइट और लाइफस्टाइल को सही रखकर खुद को आकर्षक बनाया जा सकता है मेकअप एक कला है। कई बार इससे चेहरे पर कमाल हो सकता है। रोज आईने के सामने काफी वक्त बिताती हैं स्त्रियां ताकि वे सुंदर दिख सकें। कई स्त्रियां मानती हैं कि बिना मेकअप के वे सुंदर नहीं दिख सकतीं। हालांकि सादगी का अपना महत्व है और बिना बहुत वक्त या पैसा खर्च किए भी सुंदर बने रहा जा सकता है। एक प्याली गर्म पानी सुबह की शुरुआत के लिए इससे अच्छी कोई आदत नहीं है। सुबह उठने के बाद चाय के बजाय गर्म पानी पिएं। इसमें नींबू की कुछ बूंदें डालें। ओवरवेट होने या डाइबिटीज जैसी समस्या न हो तो थोड़ा शहद भी मिला सकती हैं। इससे ताजगी का अहसास होगा। एसपीएफ युक्त क्रीम उम्र बढ़ने के साथ-साथ धूप, धूल और समय का प्रभाव चेहरे पर पड़ने लगता है। इसलिए सनक्रीम हमेशा साथ रखें। तेज धूप हो या नहीं, इसका इस्तेमाल करें। इसके प्रयोग से आप बहुत सी समस्याओं से बची रह सकती हैं। आदतें सुधारें चेहरे को सिकोड़ते हुए बात करने, माथे पर बल डालने, आखें मिचमिचाने, हथेलियों को गालों पर टिकाने, पिंपल्स नोचने, आंखें मलने जैसी आदतें त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं। चेहरे की त्वचा संवेदनशील होती है, इसलिए इस पर दाग-धब्बे बहुत पड़ते हैं। ये आदतें झुर्रियों को न्यौता भी दे सकती हैं। अति से बचें नियमित फेशियल से चेहरे की मांसपेशियों में कसाव आता है, रक्त संचार ठीक होता है और चेहरा साफ व सुंदर दिखता है, मगर ब्लीच का इस्तेमाल सोच-समझकर करें। ज्यादा मसाज व ब्लीच से संवेदनशील त्वचा को नुकसान हो सकता है। स्क्रबिंग-क्लेंजिंग रोज सोने से पहले क्लेंजिंग मिल्क से चेहरा साफ करें। हफ्ते में एक बार स्क्रबिंग करें। इससे डेड स्किन हटेगी। क्लेंजर से त्वचा बैक्टीरिया रहित होगी, अतिरिक्त तेल व डेड स्किन सेल्स निकलेंगी। ड्राई स्किन के लिए मॉइश्चराइजर वाला क्लेंजर अच्छा है। पानी खूब पिएं रोज सात-आठ गिलास पानी पीना चाहिए। शरीर से हानिकारक तत्व निकालने का यह सर्वोत्तम उपाय है। यह सौंदर्य को बढ़ाता है और त्वचा को समस्या रहित रखता है। मॉइश्चराइजर मुलायम त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर जरूरी है। प्रदूषण, मौसम, धूप और धूल से त्वचा को क्षति पहुंचती है। स्किन को सही पोषण और नमी मिले तो रिंकल्स कम पड़ेंगे और वह ड्राई होने से बची रहेगी। चेहरे और गर्दन के अलावा हाथों और पैरों पर भी मॉइश्चराइजर का प्रयोग करें। टोनर टोनर से न सिर्फ त्वचा में कसाव आता है, बल्किइससे रोमछिद्र भी भरते हैं और चेहरे से अतिरिक्त तेल बाहर निकल जाता है। शैंपू सप्ताह में कम से कम तीन दिन बालों को किसी अच्छे शैंपू से धोएं और कंडीशनर का इस्तेमाल करें। चिपचिपे-गंदे बाल चेहरे का लुक बिगाड़ देते हैं। दिन में दो-तीन बार और सोने से पहले बालों में कंघी करना न भूलें। 1. बालों की समय-समय पर ट्रिमिंग कराएं, ताकि वे दोमुंहे न हों और खराब न दिखें। 2. नाखून चबाने की आदत से बचें। उन्हें सही ढंग से तराशें और अच्छा शालीन नेल पेंट लगाएं। 3. अत्यधिक कॉफी या चाय पीने से बचें। 4. कम से कम सात घंटे की अच्छी नींद लें। 5. दांतों की सुबह-शाम सफाई करें। कई बार ब्रश करने से दांतों का इनैमल कम होता है और वे पीले दिखने लगते हैं। दिनभर में दो बार ब्रश करना काफी है। 6. उठने-बैठने और चलने-फिरने में अपने बॉडी पोस्चर का ध्यान रखें। 7. तले-भुने खाद्य पदार्थों, मैदे से बनी चीजों का इस्तेमाल कम करें। तरल पदार्थों का सेवन अधिक करें। 8. सही फिटिंग के कपड़े पहनें और ऐसे फैशन ट्रेंड्स का अनुकरण करने से बचें जो आपके व्यक्तित्व पर न फबें। जिस ड्रेस में कंफर्टेबल महसूस करती हों, वही पहनें।-

संतुलित मात्रा में ही लें प्रोटीन

कम और ज्यादा मात्रा से शरीर को नुकसान

प्रोटीन को मांसपेशियों का भोजन कहा जाता है। प्रोटीन ऑक्सीजन, हाइड्रोजन और नाइट्रोजन से बनने वाला तत्व है, जो शरीर को बीमारियों से बचाने का काम करता है। प्रोटीन ही शरीर को अंदर और बाहर से मजबूत बनाता है, लेकिन प्रोटीन लेने की भी एक उम्र होती है जिसके बाद प्रोटीन शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। क्योंकि यह सीधे पाचन शक्ति को प्रभावित करता है।

शरीर को कब किस उम्र में कितने प्रोटीन की जरूरत होती है इसके बारे में आहार विशेषज्ञ बता रहे हैं-

प्रोटीन कितना जरूरी

इस बात में शायद ही कोई संदेह हो कि शरीर के विकास के लिए प्रोटीन जरूरी है। हमारे शरीर में 1000 से अधिक प्रोटीन पाए जाते हैं। शरीर की जरूरत को ध्यान में न रखकर केवल लंबे समय तक उच्च प्रोटीन डाइट लेना ही शरीर को नुकसान पहुंचाता है। प्रोटीन शरीर के लिए बेहद जरूरी है। हमारे शरीर का 18-20प्रतिशत भार प्रोटीन के कारण होता है। प्रोटीन से मांसपेशियों व पाचन तंत्र को मजबूती मिलती है। प्रोटीन, हृदय व फेफड़े के ऊतक स्वस्थ रखते हैं।

प्रोटीन शरीर के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए जरूरी है। शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालता है। शरीर का पीएच लेवल बनाए रखता है। प्रोटीन मूड भी ठीक रखता है। तनाव के स्तर को कम करता है।

क्यों हानिकारक है अधिक प्रोटीन?

अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन (कुल कैलोरी में 30 प्रतिशत से अधिक प्रोटीन डाइट का भाग) शरीर को नुकसान पहुंचाता है। इससे शरीर में कीटोंस की मात्रा बढ़ जाती है, जो कि विषैला पदार्थ है। इस पूरी प्रक्रिया में शरीर से ज्यादा मात्रा में पानी बाहर निकल जाता है, जिससे डीहाइड्रेशन भी हो सकता है। अधिक व्यायाम करने वालों में ऐसा अधिक होता है। ऐसी डाइट को कीटोजेनिक डाइट भी कहते हैं। किडनी की समस्या से जूझ रहे लोगों को भी उच्च प्रोटीन डाइट से परहेज रखने की सलाह दी जाती है। अधिक प्रोटीन डाइट लेने से किडनी पर दबाव अधिक पड़ जाता है। हड्डियों की समस्या जैसे रूमेटाइड आर्थराइटिस की स्थिति से जूझ रहे लोगों को भी उच्च प्रोटीन डाइट से बचने की सलाह दी जाती है। चूंकि प्रोटीन के अवशोषण के लिए अधिक कैल्शियम की आवश्यकता होती है, ऐसे में मांसपेशियों एवं हड्डियां का कैल्शियम घटने लगता है।

किसमें कितना है प्रोटीन

प्रति 100 ग्रा. - ग्राम

मूंगफली 23-28 ग्राम, ब्रेड की एक स्लाइस 3 ग्राम, अंडा 12 ग्राम, कच्ची सब्जियां 4 ग्राम, चावल/पास्ता 5 ग्राम, चिकन 29ग्राम, पनीर 18-20 ग्राम, सोयाबीन 35 ग्राम, काजू 25-27ग्राम, अखरोट 16 ग्राम, बादाम 21ग्राम

प्रोटीन से जुड़े आधुनिक शोध

- एक शोध के अनुसार लो-कोलेस्ट्रॉल डाइट लेने वालों को अंडों के सेवन से बचना चाहिए। अंडे का अधिक सेवन टाइप 2 डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकता है।
- लॉस एंजिल्स स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में 6381 वयस्कों पर एक अध्ययन किया गया। उसमें खाए जाने वाले प्रोटीन की मात्रा के आधार पर कई श्रेणियां बांटी गयी। उच्च प्रोटीन (20 प्रतिशत से अधिक कैलोरी प्रोटीन से), मध्यम (11 से 19 प्रतिशत) व कम प्रोटीन (10 प्रतिशत से कम)। 65 वर्ष से अधिक की उम्र के लोग जो अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करते हैं, उनमें मधुमेह और कैंसर से मृत्यु होने की आशंका बढ़ जाती है। वहीं मध्यम श्रेणी में प्रोटीन का सेवन करने वालों में आशंका कम देखने को मिलती है।
- आयु बढ़ने के साथ शरीर की प्रोटीन आवश्यकता कम हो जाती है। प्रोटीन से शरीर में आईजी-एफवन हार्मोन सक्रिय हो जाता है, जो शरीर में ऊतकों की वृद्धि के लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में अधिक प्रोटीन शरीर कोशिकाओं में वृद्धि के लिए दबाव डालता है।

शाकाहारी लोगों के लिए अधिक प्रोटीन लेने के तरीके

शाकाहारी भोजन से पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन मिलना थोड़ा मुश्किल होता है, इसलिए आपको अपने डाइट में प्रोटीन वाले चीजों की मात्रा बढ़ानी पड़ेगी, जिससे आप पर्याप्त प्रोटीन पा सकें। हम यहां आपको कुछ आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं- आहार विशेषज्ञ के अनुसार, शाकाहारियों को अपने आहार में डेयरी प्रोडक्ट ज्यादा प्रयोग करने चाहिए जैसे कि दूध, दही, पनीर आदि। आपको रोजाना लंच के बाद छाछ या दही, और रोज सुबह और रात में सोने से पहले एक ग्लास दूध पीना चाहिए। सोयाबीन और स्प्राउट्सल लें। दलिया, चने, अलसी का बीज और फलियां ये सब प्रोटीन के मुख्य स्रोत हैं। अपने खानपान में बींस, मटर, दालें आदि शामिल करें। आप इन्हें गेहूं या चावल जैसे अनाज के साथ लें तो आपको इनसे सारे पोषक तत्व एक साथ मिल जाएंगे।

विटामिन-ए से होने वाली बीमारियां

विटामिन ए दो फार्म में पाए जाते हैं, रेटिनॉल और कैरोटीन। विटामिन ए आंखों के लिए बहुत जरूरी होता है। यह विटामिन शरीर में अनेक अंगों जैसे त्वचा,बाल, नाखून, ग्रंथि, दांत, मसूड़ा और हड्डी को सामान्य रूप में बनाए रखने में मदद करता है। विटामिन ए की कमी से ज्यादातर आंखों की बीमारियां होती हैं, जैसे रतौंधी, आंख के सफेद हिस्से में धब्बे। यह रक्त में कैल्शियम का स्तर बनाए रखने में भी मदद करती है और हड्डियों को मजबूत करती है। स्रोत शरीर में विटामिन ए की कमी न होने के लिए चुकंदर, गाजर, पनीर, दूध, टमाटर, हरी सब्जियां, पीले रंग के फल खाने चाहिए। इसमें विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर में इसकी पूर्ति करता है।

रेसिपी

साबूदाना नमकीन

सामग्री

- आलू: 4
- साबूदाना: आधा कप
- काली मिर्च: एक चम्मच स्पून
- नमक : स्वाद के अनुसार
- तेल: अंजाद के अनुसार

विधि

कुरकुरे साबूदाना नमकीन बनाने के लिए सबसे पहले आलू को उबाल लें। इसके बाद साबूदाने को दरदरा पीस लें। इसके बाद सेंधा नमक डालकर पीसे हुए साबूदाने और उबले आलूओं को अच्छे से मिला लें और पिसी हुई काली मिर्च मिला लें। अब इसे थोड़ी देर रख दें। इसके बाद सेव बनाने वाली मशीन में इस पेस्ट को डालें। अब कढ़ाही गर्म करके और मशीन से सेव कढ़ाही में डालें और सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद इसे हल्का भूरा तक हो जाने तक भूनें।

गर्मागर्म जलेबियां

सामग्री

- मैदा: 1 कटोरी
- यीस्ट: आधा चम्मच
- घी
- चीनी: 4 कप
- दूध: 1 बड़ा चम्मच
- केसर: 8-10 रेशे

विधि

सबसे पहले यीस्ट में आधी कटोरी गुनगुना पानी डालें और इसे फूलने दें। इसके बाद एक बर्तन में मैदा डालें और यीस्ट का पानी डालते हुए इसे घोलते जाएं। इस बात का ध्यान रखें कि घोल ज्यादा पतला और गाढ़ा न हो। इसके बाद इस घोल को रखकर छोड़ दें। अब इस मैदे में खमीर उठने लगेगा। इसके बाद जलेबी के लिए चाशनी तैयार कर लें। इसके लिए कढ़ाही में पानी और चीनी डालकर धीमी आंच पर पकने दें। इसे चलाते रहें। इसके बाद एक तार की चाशनी बनने दें। इसके बाद इसमें केसर डालकर थोड़ी देर धीमी आंच पर पकाएं। अब जलेबी बनाने के लिए कढ़ाही में घी डालकर इसमें जलेबी बनाने वाले कपड़े या सॉस बॉटल से जलेबी के डिजाइन के टुकड़े में तल लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्ठाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनै:-शनै: स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 1801

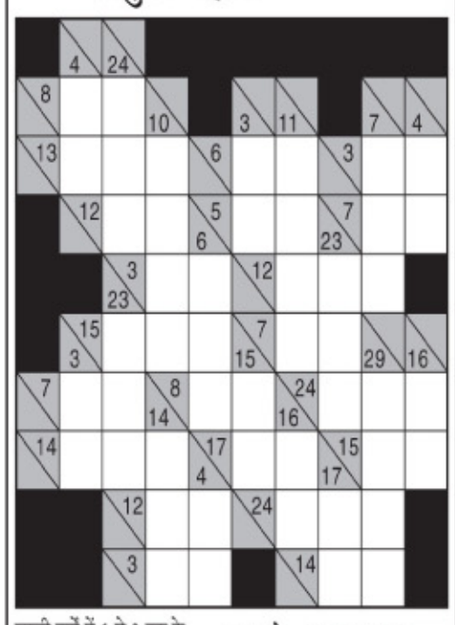

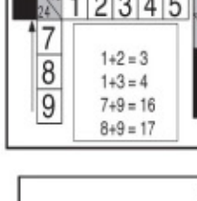

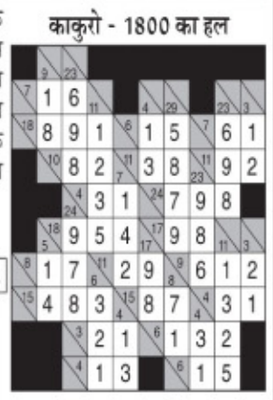

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 → 1 2 3 4 5; 24 ↑ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1800 का हल

लॉफिंग जोन

पति (पत्नी से) प्रिये यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम क्या दूसरी शादी कर लोगी।

नहीं, कभी नहीं। मैं अपना बचा जीवन अपनी बड़ी बहन के साथ गुजार दूँगी लेकिन दूसरी शादी नहीं करूँगी।

पत्नी (पति से) : लेकिन यदि मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम दूसरी शादी कर लोगे।

पति : नहीं, मैं भी तुम्हारी बहन के साथ ही रह लूँगा।

▯ ▯ ▯

अपने प्रेमी की शिकायत करते हुए शीला ने गीता से कहा- यह रमन का बच्चा आजकल मुझसे फ्लर्ट कर रहा है।

गीता- क्यों क्या किया रमन ने?

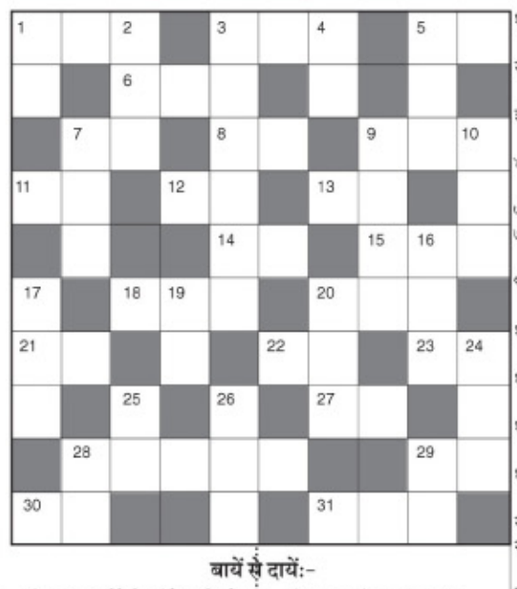

शीला- कल शाम जब मैं एक रेस्त्राँ में उससे मिलने गई तो वह बहुत देर बाद आया। कारण पूछने पर कहने लगा- अरे, वो नरेश मुझे जबरदस्ती टॉकिज ले गया था फिल्म दिखाने।

गीता- तो इसमें फ्लर्ट की क्या बात है?

शीला- दरअसल, कल नरेश के साथ टॉकिज तो मैं गई थी।

▯ ▯ ▯

फिल्म वर्ग पहेली- 1801

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'बाइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवालों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1800

सूडोकु -1801

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1800 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 1801

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली - 1800 का हल

बिभव कुमार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली पुलिस को निर्देश- 21 अगस्त तक दाखिल करें जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को फिलहाल अभी जेल में ही रहना होगा। दिल्ली पुलिस ने बिभव की जमानत याचिका का जवाब दाखिल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से कुछ और समय मांग लिया। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को समय देते हुए 21 अगस्त तक जवाब दाखिल करने को कहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसके बाद बिभव कुमार की ओर से 24 अगस्त तक संक्षिप्त प्रति उत्तर दाखिल किया जा सकता है, मामले में 27 अगस्त को फिर सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने बिभव कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान ये आदेश दिए। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाती मालीवाल से बदसलूकी और पिटाई के आरोप में जेल में बंद बिभव कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर जमानत मांगी है। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने बिभव की याचिका पर दिल्ली पुलिस को जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया था, लेकिन इसके साथ ही कोर्ट ने बिभव कुमार के आचरण पर तीखी टिप्पणियां भी की थीं। कोर्ट ने यहां तक कहा था कि क्या मुख्यमंत्री आवास कोई निजी आवास है। क्या ये अपेक्षा की जाती है कि मुख्यमंत्री आवास पर इस तरह के गुंडे काम करें।

एनसीपी के दोनों गुटों में 'सम्मान और स्वाभिमान' की जंग, विधानसभा चुनाव से पहले जोर यात्रा के जरिए आजमाइश की कोशिश

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने घोषणा की कि वह महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले 9 अगस्त से 'शिव स्वराज्य यात्रा' शुरू करेगी। यह घोषणा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट द्वारा 8 अगस्त से राज्यव्यापी अभियान 'जन सम्मान यात्रा' शुरू करने से ठीक एक दिन पहले की गई है। एनसीपी के दोनों गुटों ने अपने पारंपरिक मतदाताओं तक पहुंचने के इरादे से नारों के साथ एक प्रोमो जारी किया। एनसीपी नासिक से अपनी रैली शुरू करेगी, वहीं शरद पवार का गुट जुन्नार के शिवनेरी किले से अपनी रैली शुरू करेगा, जिसे छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मस्थान के रूप में जाना जाता है। इससे एनसीपी के दोनों गुटों के बीच 'सम्मान और स्वाभिमान' के बीच टकराव शुरू हो गया है। अजीत खेमे ने राज्य में एनडीए के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन सरकार द्वारा घोषित लोकप्रिय योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए विकासात्मक राजनीति की तर्ज पर अपना अभियान बनाया है। दूसरी ओर, शरद पवार खेमे ने अपने पारंपरिक मतदाताओं के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाने के लिए महाराष्ट्र के गौरव और स्वाभिमान को अपना एजेंडा बनाया है। एनसीपी (सपा) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि वे मौजूदा भ्रष्ट सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए अपनी रैली निकाल रहे हैं. इसलिए, उन्होंने 9 अगस्त का दिन चुना है, जब मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान से स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ 'वापस जाओ' के नारे लगाए गए थे।

साय ने तीन दिव्यांगों को प्रदान की बैटरी चालित तिपहिया साइकिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को अपने निवास कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा तीन दिव्यांगों को बैटरी चलित तिपहिया साइकिल प्रदान की। इस अवसर पर दिव्यांग कोमल लहरे, सना परवीन, और ठगिया साहू ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। जिले के चौरसिया कॉलोनी की 18 वर्षीय सना परवीन, ग्राम सेरीखेड़ी की निवासी कोमल लहरे, और धमतरी जिले के ग्राम कचना के निवासी ठगिया साहू को पहले आने-जाने के लिए अपने परिजनों या किसी अन्य व्यक्ति का सहारा लेना पड़ता था। बैटरी चालित तिपहिया साइकिल मिलने के बाद अब उन्हें गांव के भीतर और बाहर आने-जाने में और अपने कामों को पूरा करने में किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और तिपहिया साइकिल मिलने से उन्हें अपने काम निपटाने में इससे सुविधा होगी।

वक्फ बोर्ड बिल के विरोध में उतरीं मायावती- संकीर्ण राजनीति छोड़ राष्ट्रधर्म निभाए सरकार

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को संकीर्ण व स्वार्थ की राजनीति छोड़कर राष्ट्रधर्म निभाने की सलाह दी है। मोदी सरकार के वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के विरोध में गुरुवार को सोशल मीडिया एक्ट पर किए गए पोस्ट में बसपा प्रमुख ने साफ लिखा है कि संसद में पेश वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जिस प्रकार आशंकाएं एवं आपत्तियां सामने आई हैं, उसके मद्देनजर इस बिल को बेहतर विचार के लिए सदन की स्थायी (स्टैंडिंग) समिति को भेजना उचित होगा। ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर सरकार जल्दबाजी न करे तो बेहतर होगा। मायावती ने लिखा कि केंद्र व यूपी सरकार द्वारा मस्जिद, मदरसा, वक्फ आदि मामलों में जबरदस्ती की दखलंदाजी और मंदिर व मठ जैसे धार्मिक मामलों में अति-दिलचस्पी लेना संविधान व उसकी धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के विपरीत है। सवाल उठाया कि ऐसी संकीर्ण व स्वार्थ की राजनीति क्या जरुरी है? सरकार राष्ट्रधर्म निभाए। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा कि मंदिर-मस्जिद, जाति, धर्म व सांप्रदायिक उन्माद आदि की आड़ में कांग्रेस व भाजपा ने बहुत राजनीति कर ली और उसका चुनावी लाभ भी काफी उठा लिया, किंतु अब देश में खत्म हो रहा।

'बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा', 1971 युद्ध में भाग लेने वाले विंग कमांडर देवेन्द्र सिंह ने जताई चिंता

एजेंसी

कोलकाता। बांग्लादेश में खूनी छात्र आंदोलन के बाद तख्तापलट हो चुका है और शेख हसीना प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ चुकी हैं। देश में गुरुवार को नोबेल पुरस्कार प्राप्त मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार कार्यभार संभालेगी।

बांग्लादेश की मौजूदा हालात को लेकर साल 1971 युद्ध में शामिल रहे विंग कमांडर देवेन्द्र जीत सिंह क्लेर ने कहा है कि बांग्लादेश की स्थिति दिल दहला देने वाली है। उन्होंने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों का विरोध इस रूप में नहीं हो सकता।

बांग्लादेश में भीड़ ने सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया

विंग कमांडर देवेन्द्र ने आगे कहा कि वर्तमान में बांग्लादेश में भीड़ ने सब कुछ अपने कब्जे में ले रखा है और यह समझना मुश्किल है कि उन्हें

किसका समर्थन प्राप्त है।

बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति दिल दहला देने वाली

उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति दिल दहला देने वाली है। किसी भी चीज पर कोई नियंत्रण नहीं है। आगजनी और दंगे हो रहे हैं। भीड़ ही सब कुछ नियंत्रित कर रही है। इन लोगों को किसका समर्थन प्राप्त है, यह समझना मुश्किल है। छात्रों का विरोध इस तरह का रूप नहीं ले सकता।' उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में चल रही अशांति के पीछे कोई साजिश लगती है।

यह सब छात्र नहीं कर सकते- विंग कमांडर

पूर्व विंग कमांडर ने कहा, इसके पीछे एक साजिश है। हिंदुओं पर बहुत अत्याचार हो रहा है। यह सब छात्र नहीं कर सकते। छात्रों की मांगें जायज थीं और उन्हें पूरा किया गया है। जब तक यह अराजकता खत्म नहीं होगी, अंतरिम सरकार कैसे बनेगी? इसे सिर्फ सेना ही खत्म कर सकती है। सेना को कर्फ्यू लगाना चाहिए।'

बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति अस्थिर

बता दें कि बढ़ते विरोध-प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना के इस्तीफे के बाद बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिति अस्थिर बनी हुई है। अपने इस्तीफे के बाद शेख हसीना सोमवार शाम को भारत पहुंची थीं।

संगम नगरी के निचले इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी

प्रयागराज। यमुना का जल स्तर बढ़ने से निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया। इससे कई मोहल्लों तथा गांवों में परेशानी बढ़ गई। यमुना में बाढ़ के चलते सुबह बड़े हनुमानजी का महास्नान भी हो गया। बाढ़ के मद्देनजर जिला

प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी कर दिया गया है। बाढ़ चौकियों को सक्रिय करते हुए आधा दर्जन से ज्यादा राहत शिविर भी तैयार करा दिए गए।मध्य प्रदेश, राजस्थान और बुंदेलखंड में अच्छी बारिश होने से केन, बेतवा और चंबल तथा आधा दर्जन से ज्यादा छोटी नदियों का पानी यमुना में आ गया। इसके अलावा माताटीला, बरियारपुर बांध से भी पानी छोड़ दिया गया। बांधों, बैराजों और नदियों से लगभग आठ लाख क्यूसेक पानी मंगलवार और बुधवार को 24 घंटे में यहां पहुंचने से निचले इलाकों में हलचल बढ़ गई।

नहीं रहे पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य, 80 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी

कोलकाता। बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री व दिग्गज वामपंथी नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार को निधन हो गया। 80 साल की उम्र में सुबह 8.20 बजे कोलकाता स्थित अपने आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्हें सांस लेने में दिक्कत थी। इसकी वजह से उन्हें कई बार अस्पताल में भी भर्ती कराया गया था। उनके निधन की सूचना सामने आते ही राजनीतिक जगत में शोक की लहर छा गई है। उनके बेटे सुचेतन भट्टाचार्य ने उनकी मौत की पुष्टि की।

दस साल तक रहे सीएम

बंगाल में वाम मोर्चा के 34 साल के शासन के दौरान बुद्धदेव भट्टाचार्य दूसरे और आखिरी सीपीएम मुख्यमंत्री थे। माकपा नेता वर्ष 2000 से 2011 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। भट्टाचार्य ने 2015 में सीपीआई (एम) के पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति से इस्तीफा दे दिया था और 2018 में पार्टी के राज्य सचिवालय की सदस्यता भी छोड़ दी थी।

राजकीय सम्मान के साथ विदा होंगे बुद्धदेव भट्टाचार्य:

ममता बनर्जी

बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुख जताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा,' मुख्यमंत्री श्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के आकस्मिक निधन से स्तब्ध और दुखी हूं। मैं उन्हें पिछले कई दशकों से जानती हूं और पिछले कुछ वर्षों में जब वे बीमार थे तो मैंने उनसे कई बार मुलाकात की। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के साथ मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मैं सीपीआई(एम) पार्टी के सदस्यों और उनके सभी अनुयायियों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ। हमने पहले ही यह निर्णय ले लिया है कि हम उनकी अंतिम यात्रा और संस्कार के दौरान उन्हें पूरा सम्मान और औपचारिक सम्मान देंगे।

सुवेंदु अधिकारी ने दी श्रद्धांजलि

बंगाल के पूर्व सीएम के निधन पर भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा,÷मुझे यह जानकर बेहद दुख हुआ कि पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का स्वर्गवास हो गया है। उनके परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।

वक्फ और वक्त दोनों की मांग है संशोधन, नकवी बोले- कांग्रेस ने गलत मंशा के साथ राजनीति की

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ बोर्ड में संशोधन के लिए विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पेश हो सकता है। माना जा रहा है कि इसे तत्काल पारित कराने की बजाय सरकार भी चाहेगी कि पूरा सदन विस्तार से चर्चा करे। लिहाजा संभावना है कि विधेयक अगले सत्र में पारित कराने की कोशिश हो। लेकिन यह संदेश जरूर दिया जाएगा कि सरकार बोर्ड में संशोधन को जरूरी मानती है।

फिलहाल कांग्रेस में मंथन चल रहा है क्योंकि वह खुलकर वक्फ का वकालत भी करती नजर नहीं आना चाहती है और पूरी तरह चुप रहकर मुस्लिमों में यह संदेश भी नहीं जाने देना चाहती है वह कुछ नहीं कर रही है। जबकि कुछ क्षेत्रीय विपक्षी दल मुखर होकर इसका विरोध कर रहे हैं।

मुख्तार अब्बास नकवी ने साधा कांग्रेस पर निशाना

इस बीच पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी कहते हैं कि कांग्रेस ने गलत मंशा के साथ राजनीति की। वक्फ में संशोधन वक्फ और वक्त दोनों की जरूरत है। इसे पहचानते हुए ही अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में जेपीसी गठित हुई थी। लेकिन उसके सुझावों को कांग्रेस ने नजरअंदाज कर दिया था। सच्चाई यह है कि वक्फ में संशोधन से हितधारक और पीडित दोनों को लाभ होगा और पारदर्शिता आएगी। दरअसल वक्फ को लेकर शिकायतें जनता से ही आ रही हैं।

2013 में कांग्रेस काल मे वक्फ को दी गई असीमित शक्ति के कारण बोर्ड ने ऐसी संपत्तियों पर भी अपना अधिकार जमा दिया जिसका कोई प्रमाण ही नही हैं। यह बात तब भी आई थी जब नकवी के मंत्रित्व काल में वक्फ संपत्ति का डिजिटाइजेशन शुरू हुआ था। कुछ आंकड़ों के आधार पर यह भी दावा किया जा रहा है कि पिछले 15 वर्षों में वक्फ की संपत्ति लगभग दोगुनी हो गई।

2009 में इसके पास लगभग 4 लाख एकड़ की संपत्ति थी जो अब 9.40 लाख एकड़ हो गई है। मथुरा का शाही ईदगाह, वाराणसी का ज्ञानवापी, अयोध्या में कभी रहा विवादित ढांचा, धार का भोजशाला ये सभी वक्फ के कब्जे में है। अप्रैल 2024 में तेलंगाना वक्फ बोर्ड ने तो हैदराबाद के फाइव स्टार मैरियट होटल को भी वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया था। इसी तरह सूरत नगर निगम को भी वक्फ ने अपनी संपत्ति में दर्ज कर लिया।

ताजमहल को लेकर हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

हाल ही में एक उच्च न्यायलय ने ऐतिहासिक महत्व के कई स्थलों पर वक्फ की ओर से जताए गए अधिकार के बाद कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था आप किसी दिन लाल किला और ताजमहल को भी वक्फ संपत्ति घोषित कर देंगे। नकवी ने कहा कि फिलहाल वक्फ संपत्ति का सही उपयोग नहीं हो रहा है।

रुद्रपुर में बाढ़ जैसे हालात, डैम में पानी आने से स्थिति भयावह; 300 लोगों को सुरक्षित निकाला

एजेंसी

रुद्रपुर। तराई में 18 घंटे हुई बारिश से रुद्रपुर जलमग्न हो गया। आसमान से आफत की बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने बाढ़ में फंसे 300 लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा ठहरने-खाने की व्यवस्था कराई। बारिश का पानी घरों व दुकानों में घुस गया। जलभराव से काफी नुकसान हुआ और लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कल्याणी नदी उफान रही। मंगलवार रात करीब सवा नौ बजे शुरू हुई हल्की बारिश का सिलसिला बाद में कभी तेज तो कभी रिमझिम के साथ बुधवार सायं करीब सवा तीन बजे तक चला। जगतपुरा, मुखर्जी नगर, ट्रांजिट कैंप, सिडकुल ढाल वाले क्षेत्र, रविंद्र नगर, आजाद नगर, कल्याणी नदी के किनारे रहने वाले लोगों के घरों में बारिश का पानी घुस गया। कल्याणी नदी उफान पर आ गई। तीन पानी डैम में ऊपर से पानी का बहाव इतना तेज रहा कि

आसपास के घरों में पानी घुस गया। स्थिति संभालने के लिए एसडीआरएफ की टीमों ने लोगों को बाहर निकाला। नगर आयुक्त नरेशचंद्र दुर्गापाल सहित एसडीएम मनीष बिष्ट व तहसीलदार दिनेश कुटौला ने मोर्चा संभाला और वार्डों में जाकर पानी की स्थिति देखी। किच्छा बाईपास रोड पर पूर्व विधायक के आवास में पानी घुस गया। यहां गंगापुर रोड से यातायात को प्रशासन ने रोका। पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने रात में ही ट्रांजिट कैंप, मुखर्जी नगर, जगतपुरा सहित रविंद्र नगर के करीब तीन सौ से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।तहसीलदार दिनेश कुटौला ने बताया कि कल्याणी नदी के आसपास डूब क्षेत्र में आ रहे भवनों में लोगों को पानी का जलस्तर बढ़ने के बाद एसडीआरएफ टीम की सहायता से रेस्क्यू किया गया। इसमें करीब 250 लोगों को प्राथमिक विद्यालय आवास विकास, जूनियर हाईस्कूल आवास विकास, भंडारी सैनिक कान्वेंट स्कूल आवास विकास में रखा गया है।

आजाद नगर व मुखर्जी नगर में 60 लोगों को निजी स्कूल में रेस्क्यू कर रखा गया है। इनके भोजन का प्रबंधन जिला पूर्ति अधिकारी विपिन कुमार की तरफ से किया जा रहा है। डीएम उदयराज सिंह ने एसडीआरएफ की टीमों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम मनीष बिष्ट ने बताया कि उन्होंने सुबह टीम के साथ बारिश से प्रभावित वार्डों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया है।

पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी समेत 7 का पासपोर्ट होगा निरस्त, पुलिस ने भेजी रिपोर्ट

एजेंसी

प्रयागराज। पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी के बेटे फिरोज उर्फ भूरा का पासपोर्ट जारी होने मे मामले में बुधवार को एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने जांच शुरू कर दी। प्राथमिक जांच में जो तथ्य सामने आए है वह चौकाने वाले हैं। पता चला है कि पासपोर्ट कार्यालय से आई रिपोर्ट का सत्यापन एसआई रतिभान ने किया ही नहीं है। दिए बयान में एसआई ने फिरोज के पासपोर्ट रिन्यूवल रिपोर्ट का सत्यापन करने से इनकार किया। माना जा रहा है कि थाने के किसी निचले स्टाफ ने कोड एक्सिस कर पासपोर्ट रिपोर्ट का सत्यापन कर दिया। यह सब कैसे हुआ, इसकी अभी जांच जारी है। फिलहाल, थाना मेडिकल ने भी कोतवाली थाने की तरह पासपोर्ट कार्यालय रिपोर्ट भेजकर याकूब कुरैशी, पत्नी शमजिदा बेगम, बेटे इमरान कुरैशी और फिरोज उर्फ भूरा समेत 7 लोगों का पासपोर्ट निरस्त करने की रिपोर्ट गाजियाबाद पासपोर्स ऑफिस भेजी दी है। फिरोज उर्फ भूरा दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पकड़ा गया था। फिरोज का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, इसके बाद भी वह दुबई जा रहा था। रविवार को खरखौदा पुलिस एयरपोर्ट पर पहुंची और फिरोज को हिरासत में लेकर लौट गई। थाने लाने के बाद उसे स्वजन की सुपुर्दगी में दे दिया गया। पुलिस की जांच में सामने आया कि फिरोज ने सेटिंग कर पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए आवेदन कराया। आवेदन में कागजात सराय बहलीम थाना कोतवाली के लगाए गए, जबकि थाने के कालम में कोतवाली के बजाय मेडिकल कर दिया गया। उसके बाद पासपोर्ट सेल में सेटिंग से उसकी जांच मेडिकल थाने को भिजवाई गई। वहां पर तैनात दारोगा रतिभान ने बिना जांच किए छह मार्च 2024 को फिरोज के पासपोर्ट पर ओके की रिपोर्ट लगा दी।

'हिंदुओं को निशाना न बनाया जाए,' सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व प्रमुख ने बांग्लादेशी समकक्ष को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश में शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद से उथल-पुथल जारी है। प्रदर्शनकारियों की तरफ से हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। इस हिंसा में खासकर हिंदुओं को टागरेट किया जा रहा है। पूर्व एससीबीए अध्यक्ष ने हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेशी बार प्रमुख को पत्र लिखा।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के निवर्तमान अध्यक्ष आदिश अग्रवाल ने बांग्लादेश में टॉप अदालत बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महबूबुद्दीन खोकोन से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि पड़ोसी देश में उथल-पुथल के बीच जानबूझकर हिंदुओं को निशाना नहीं बनाया जाए।

क्या है सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की अपील?

उनकी अपील बांग्लादेश में अशांति के दौरान धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनके खिलाफ लक्षित हिंसा को रोकने की

आवश्यकता पर जोर देती है। उन्होंने मानवाधिकारों की रक्षा में कानूनी पेशे की भूमिका पर जोर दिया और पड़ोसी देश में हिंदुओं के खिलाफ कथित हिंसा पर चिंता व्यक्त की, बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन से उत्पीड़न से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

शेख हसीना और उनकी बहन की गिरफ्तारी का भी जिक्र

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आदिश अग्रवाल ने हाल की उन रिपोर्टों का भी जिक्र किया जिसमें भारत से पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना और उनकी बहन शेख रेहाना को गिरफ्तार करने का आग्रह किया गया था।

उन्होंने बताया कि 28 जनवरी, 2013 को हस्ताक्षरित और 23 अक्टूबर, 2013 को अनुसमर्थित 'प्रत्यर्पण से संबंधित भारत और बांग्लादेश के बीच संधि' के तहत, प्रत्यर्पण के लिए आवश्यक है कि व्यक्तियों पर प्रत्यर्पणीय अपराध का आरोप लगाया जाए या उन्हें दोषी पाया जाए।

आदिश अग्रवाल ने भारत और बांग्लादेश के कानूनी समुदायों के बीच मजबूत सहयोगात्मक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय बार के प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने में अपनी भूमिका पर भी प्रकाश डाला और विभिन्न अवसरों पर बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन से मिली मान्यता के लिए सराहना व्यक्त की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उल्लेख किया कि बांग्लादेश के कई पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने लंदन और नई दिल्ली में भारतीय कानूनी समुदाय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है।

सारंडा के जंगल में नक्सलियों का तांडव, कर दिया आईईडी ब्लास्ट, कोबरा के एसआई बुरी तरह घायल

एजेंसी

नयी दिल्ली । सारंडा क्षेत्र में के बीहड़ों में एक बार फिर से नक्सलियों ने पैर जमाना शुरू कर दिया है। 8 अगस्त की अहले सुबह नक्सलियों के खिलाफ सारंडा जंगल में सर्च आपरेशन के दौरान नक्सलियों द्वारा एक आइईडी विस्फोट किया गया। जिसमें कोबरा 209वीं बटालियन के एसआई जितेंद्र दानी घायल हो गए है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने कहा कि भाकपा माओवादी नक्सलियों का जमावड़ा सारंडा के बालिबा गांव क्षेत्र के घने जंगलों में होने की जानकारी के बाद भारी संख्या में सीआरपीएफ, कोबरा, झारखंड जगुआर, झारखंड पुलिस के जवान ही छोटानागरा के रास्ते बालिबा जंगल में प्रवेश किए।

नक्सलियों ने जवान को टारगेट कर ब्लास्ट किया

गुरुवार की सुबह 7.30 बजे कोबरा व सीआरपीएफ के जवान बालिबा गांव से लगभग डेढ़-दो किलोमीटर दूर नक्सली कैंप की तरफ बढ़ रहे थे, तभी नक्सलियों ने जवानों को टारगेट कर एक आईईडी ब्लास्ट किया। इसमें बटालियन के एक एसआई जितेंद्र दानी घायल हो गए। घायल एसआई को घटनास्थल से सुरक्षित जगह लाकर बेहतर इलाज

के लिए हेलिकाप्टर से रांची भेजा गया है।

जवान के बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से भेजा गया

घटना के बाद जवान के बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर सुबह 9.30 बजे एसआई को लेने कोलाइबुरु मैदान में उतरा और उसे लेकर तुरंत रवाना हो गया। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। सारंडा में मौसम भी काफी खराब है। यह काफी घना जंगल वाला क्षेत्र है। यहां छोटानागरा एवं जराईकेला थाना की सीमा लगती है।

बीते दिनों जवान ने तीन नक्सलियों को मार गिराया था

छोटानागरा से सारंडा के उक्त जंगल में जाने के दौरान पोंगा-उसरुईया नदी के अलावे आना छोटे बड़े नाले हैं। जिसको पार कर घने जंगलों में जाना जवानों के लिए बड़ी चुनौती है। बीते दिनों सुरक्षा बल के जवानों ने सारंडा में नक्सलियों के एक कैंप पर मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को मार गिराया था। साथ ही दो नक्सलियों के गिरफ्तारी की गई थी। उसके बाद से ही सुरक्षा बल के जवानों को हौसला काफी बुलंद है। कोल्हान और पोड़ाहाट जंगलों में लगातार सुरक्षा बलों के द्वारा सर्च अभियान चलाए जाने के बाद नक्सली के सिर्फ कमांडर अपने को सुरक्षित रखने के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं नक्सलियों ने शरण जंगल को फिर से अपनी पनाह का बनाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन सुरक्षा बल के जवान लगातार अभियान चलाकर नक्सलियों के मंसूबों पर पानी फेर रहे।

अलकायदा और खालिस्तानी आतंकियों के पोस्टर जारी, जानकारी देने वालों का मिलेगा इनाम

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रीय राजधानी में स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले, दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और अल कायदा और खालिस्तान से जुड़े विभिन्न आतंकवादियों के पोस्टर लगाए हैं। ये पोस्टर पुलिस ने पूरे शहर में पोस्टर लगाए हैं।

सूचना देने वालों के छुपाए जाएंगे नाम-दिल्ली पुलिस

लोगों को आतंकवादियों को पकड़ने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित भी किया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों के बारे में कोई भी जानकारी देने वालों को 'उचित' इनाम दिया जाएगा। हालाँकि, सूचना देने वालों के नाम छुपाए जाएंगे।

पुलिस ने कहा कि सुरक्षा उपाय लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने और पुलिस को आतंकवादियों पर नजर रखने में मदद करने के लिए उठाए गए हैं। उप-निरीक्षक कोमल शाक्य, जो खान मार्केट महिला पुलिस बूथ की प्रभारी अधिकारी हैं ने कहा कि यह नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए किया जा रहा है।

पंजाब पुलिस ने भी लिया था तलाशी अभियान

पुलिस के मुताबिक पोस्टरों में पंद्रह आतंकियों का जिक्र है, जिनमें से छह अलकायदा से जुड़े हैं। स्वतंत्रता दिवस से पहले, देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पंजाब पुलिस ने भी मंगलवार को

राज्य भर के सभी बस अड्डों पर जगह-जगह तलाशी लेकर सुरक्षा के कड़े कदम उठाए हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देश पर आयोजित CASO, सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक चलाया गया। जिसके तहत पुलिस टीमों ने खोजी कुत्तों की सहायता से आने वाले लोगों की तलाशी ली। और बस अड्डों पर प्रस्थान कर रहे हैं। विशेष पुलिस महानिदेशक (विशेष डीजीपी) कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला, जो व्यक्तिगत रूप से इस राज्य स्तरीय ऑपरेशन की निगरानी कर रहे थे, ने कहा कि सभी पुलिस आयुक्त/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (सीपी/एसएसपी) को उचित घेराबंदी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था और इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए एसपी रैंक के अधिकारियों की देखरेख में अधिकतम संख्या में पुलिस टीमों के बीच अपने-अपने जिलों के सभी बस अड्डों की गहन तलाशी ली गई।

दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय राजधानी में चीनी मांझे की अवैध बिक्री का भी भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सोमवार को आजाद मार्केट इलाके के फैयाज गंज स्थित एक घर से भारी मात्रा में चाइनीज मांझा जब्त किया. छापेमारी के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती हैं. मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वास्थ को नुकसान पहुंचा सकती हैं..

मुश्किल में न डाल दें ये सेहतमंद आदतें

सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं. क्योंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं. हम आपको बता रहे हैं कि वे सेहतमंद आदतें कौन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं.

हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों को कीटाणु-मुक्त और दांतों को मोतियों-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है. लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को घिस सकता है और इससे आपको दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए अपनी मां की हर दिन दो बार ब्रश करने की सलाह को याद कीजिए. आपके लिए वही फायदेमंद है. खाना खाने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुल्ला करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है.

ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती हैं? तो आप सतर्क हो जाइए. यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है. यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी है कि इसका समझदारी से उपयोग किया जाये.

अमेरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोसान नामक एक केमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है. अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है. इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है. इसलिए अगर आपको हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मौका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए.

क्या आप अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं?

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए. त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 5.5 होता है. अलग-अलग कंपनियों के कॉस्मेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं. जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नकुसानदेह साबित हो सकता है. इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है. इसमें जलन या चकते आने की शिकायत आ सकती है. इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें.

हर बार बोतल बंद पानी नहीं

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है. लेकिन ध्यान रखिए. बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं. लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटैशियम, सिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है. यह आपके लिए नुकसानदायक है, क्योंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं. ये तत्व आपको ऊर्जा मुहैया कराने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं.

फ्लिप फ्लॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती हैं, इसलिए आपको चपटे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह ख्याल आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है. क्योंकि आर्क नहीं होने के कारण फ्लिप फ्लॉप (चपटे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कोई सपोर्ट नहीं दे पातीं. चलते वक्त चपटे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अंगूठों को लगातार चप्पल पर ग्रिप बनाना पड़ता है, ताकि वह पांव से फिसल न जाये. इससे पांवों का नैचुरल लिफ्ट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है. इससे पांवों के तलवे में दिक्कत आ सकती है. अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप फिलप फ्लॉप कम ही पहनें.

क्यों जरूरी है पैरेंट्स मीटिंग

ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पेरैंट्स मीटिंग में जाना चाहिए.

रितेश के स्कूल से जब भी पैरेंट्स मीटिंग का नोटिस आता है, शोभा का मूड खराब हो जाता है. उसे लगता है कि पैरेंट्स मीटिंग केवल उसके वीकेंड को खराब करने के लिए ही होती है. शोभा की तरह ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पेरैंट्स मीटिंग में जाना चाहिए. यह मीटिंग आपको बच्चे से जुड़ी कई अहम बातें जानने का मौका देती है.

- बच्चे के रिपोर्ट कार्ड पर लाल निशान न होना इस बात का सबूत नहीं है कि आपका बच्च पढ़ाई में अव्वल है और उसे आपके ध्यान की बिल्कुल जरूरत नहीं है. अगर आपका बच्चा क्लास में अच्छा परफार्म कर रहा है तो भी आपको उसके टीचर से जरूर बात करनी चाहिए कि वह अपने काम में और सुधार कैसे ला सकता है. जाहिर है आपको यह जानने का मौका पैरेंट्स मीटिंग के जरिये ही मिल सकता है.
- अगर बच्चा अच्छा परफार्म नहीं कर रहा होता है तो कई पैरेंट्स मीटिंग में इसलिए नहीं जाते कि उन्हें शर्मिंदगी डोलनी पड़ेगी. इस तरह के विचार आपके बच्चे पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं. अगर स्कूल से बच्चे की कोई शिकायत आती है, तो उसे दूर करने का रास्ता जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में जरूर शामिल हों.
- बच्चे स्कूल में क्या गतिविधियां करते हैं, यह बात हर मां-बाप को पता होनी चाहिए. हो सकता है कि आपका बच्चा अपने टेस्ट पेपर पर आपके ही साइन कर लेता हो. बच्चों की इस तरह की गलतियों को जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में टीचर से मिलना न भूलें.
- क्या बच्चा क्लास में दूसरे बच्चों और टीचर से घुल-मिल कर बात करता है या फिर वह चुप-चुप किसी कोने में बैठा रहता है. इन सब जरूरी सवालों के जवाब आपको इसी पेरैंट्स मीटिंग में मिलेंगे.
- इसके अलावा अगर आपको टीचर से कोई शिकायत है, तो भी आप उसे पैरेंट्स मीटिंग में सुलझा सकती हैं. अगर टीचर आपके बच्चे पर ठीक से ध्यान न देती हो या फिर कॉपी ठीक से चेक न करती हो तो पैरेंट्स मीटिंग में इस बारे में टीचर से बात कर सकती हैं.
- पैरेंट्स मीटिंग में आपकी अपने बच्चे के दोस्तों के पैरेंट्स से भी मुलाकात हो जाती है. इससे आप उन पैरेंट्स से पैरेंटिंग के कुछ अनमोल सुझाव ले सकती हैं.
- टाइम न होने का बहाना बनाना आज से ही छोड़ दें. इससे आप न केवल खुद को धोखा दे रही हैं, बल्कि अपने बच्चे के भविष्य से भी खिलवाड़ कर रही हैं. आपके पास समय न हो तो आप बच्चे के पापा से समय निकाल कर पैरेंट्स मीटिंग में शामिल होने के लिए कह सकती हैं.

खुशबू से महके आपका घर

- अगर आप चाहती हैं कि आपका कमरा बेहतरीन खुशबू से महके तो उसमें तेज महकने वाली खुशबूदार अगरबत्तियां जला दें.
- हल्की खुशबू के लिए कमरे में इत्र वाली मोमबत्तियां जलायी जा सकती हैं. ये मोमबत्तियां बाजार में कई अलग-अलग खुशबुओं में उपलब्ध हैं.
- अगर आपके घर पर पानी की केतली है, तो उसमें कुछ मसाले जैसे-लौंग, इलायची या फिर दालचीनी उबालें. इससे पूरे घर में खुशबूदार मसालों की अच्छी सुगंध भर जायेगी.
- कपूर और समब्रानी भी तेज खुशबू के लिए जाने जाते हैं. इनकी महक न केवल पूरे घर को महका देगी, बल्कि घर के कीड़े-मकौड़े को भी मार देगी.
- एक बूंद यूकेलिप्टस ऑयल को खौलते हुए पानी में डाल देने से भी घर के जितने भी कीटाणु हैं, वे मर जायेंगे और कमरे की हवा भी शुद्ध हो जायेगी.
- आप चाहें तो अपने कमरे के गुलदस्ते में तेज खुशबू वाले फूल भी सजा सकती हैं. इन फूलों की खुशबू पूरे दिन आपके कमरे को महकाती रहेगी.

-गरमी के मौसम में पूरे घर को महकाने का एक आसान उपाय कूलर में इत्र का छिड़काव करना भी है. कूलर के पानी में इत्र छिड़कने से इसकी हवा के साथ खुशबू भी पूरे घर में फैल जाती है.

फाउंडेशन का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे पर आए कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। पर इसका सही इफेक्ट तभी आता है, जब यह सही तरीके से लगाया जाए। आइए समझते हैं फाउंडेशन की एबीसीडी।

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है तथा मेकअप को अधिक देर तक रखने के लिए भी फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है और इसके इस्तेमाल से कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे और गर्दन की त्वचा को क्लींजिंग क्रीम या लोशन से साफ करें। उसके बाद रुई की मदद से चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाएं। फिर अपनी अंगुलियों या गीले स्पंज से चेहरे पर अंदर से बाहर की ओर हल्के से मसाज करते हुए फाउंडेशन को मिलाएं। तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पहले रुई से एस्ट्रिंजेंट लोशन लगाएं। और फिर कुछ देर बाद फाउंडेशन लगाएं। एस्ट्रिंजेंट लोशन से त्वचा की चिकनाई दूर होती है। इसी तरह ड्राई स्किन पर फाउंडेशन लगाने से पहले ग्लिसरीन या मॉइश्चराइजर पूरे चेहरे पर लगाना चाहिए। सामान्य त्वचा के लिए कोई भी फाउंडेशन चल सकता है, मगर ऑयली त्वचा के लिए वॉटर बेस्ड और शुष्क त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर फाउंडेशन अच्छा होता है। आपकी स्किन ड्राई है, तो फाउंडेशन में दो-तीन बूंद पानी मिलाकर चेहर पर लगाएं। चेहरे पर फाउंडेशन अधिक न लगाकर उचित मात्रा में ही लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद टिश्यू पेपर से उसे इकसार कर लें और थोड़ी देर सूखने दें। उसके बाद उस पर फेस पाउडर लगाएं। रात और दिन के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करना उचित होता है। इसमें गोल्ड फाउंडेशन नाइट पार्टी के लिए सही होता है। फाउंडेशन का मतलब सिर्फ त्वचा के रंग को बदलना ही नहीं होता, बल्कि त्वचा के निकटतम रंग से मैच करना होता है। इसलिए फाउंडेशन का चुनाव अपने चेहरे के रंग के अनुसार ही करें। इनका चुनाव आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर कर सकती हैं। बाजार में फाउंडेशन कई रूपों में उपलब्ध हैं, जैसे लिक्विड, क्रीम, स्टिक, पाउडर फॉर्म में। यदि कोई दुविधा हो, तो ब्यूटी एक्सपर्ट से पूछने में जरा भी न हिचकें। गर्मियों में पैनस्टिक या केक फाउंडेशन हार्ड हो जाते हैं। इस स्थिति में फाउंडेशन लगाने से पहले थोड़ा पानी मिलाएं।

विनेश फोगाट की बहनों ने बढ़ाया हौसला, बताया- मजबूत और हार न मानने वाली खिलाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट के पेरिस ओलंपिक में महिला कुश्ती के 50 किग्रा भार वर्ग स्पर्धा के फाइनल से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद पूरा देश उन्हें हिम्मत दे रहा है। हर कोई उनका हौसला बढ़ा रहा है। विनेश की चचेरी बहनों गीता फोगाट और बबीता फोगाट ने भी उनका हौसला बढ़ाते हुए उन्हें चैंपियन एवं एक मजबूत खिलाड़ी बताया। बबीता फोगाट ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'बहन विनेश फोगाट हर खिलाड़ी का ओलंपिक में पदक जीतना सपना होता है। आपका फाइनल में अयोग्य घोषित किया जाना फोगाट परिवार के लिए निजी तौर पर एवं देश के लिए सामान्य तौर पर बेहद निराशाजनक खबर है, परंतु आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि आप एक मजबूत और हार न मानने वाली खिलाड़ी हैं। आपने अब तक बहुत हीं शानदार प्रदर्शन किया है और आगे भी करेंगी। पूरा देश आपके साथ है। जय हिंद!!' गीता फोगाट ने एक्स पर लिखा, 'बहन विनेश फोगाट आप हमारी गोल्डेन गर्ल हैं आपने जो किया है वो इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। जिंदगी एक संघर्ष है और उस संघर्ष का नाम विनेश है। एक पल आप ओलंपिक के फाइनल में पहुंच कर इतिहास रच देती हैं और अगले ही पल में दुर्भाग्यपूर्ण सब कुछ हाथ से चला जाता है। बहन इस वक्त जो तकलीफ आप महसूस कर रही होंगी, उसका हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। हर सच्चे हिंदुस्तानी की आज आंखें नम हैं। चैंपियन हमेशा चैंपियन ही रहता है।'

आबकारी विभाग ने खेलो इंडिया के तहत एक दिवसीय क्रिकेट मैच का किया आयोजन

पुंछ। आबकारी विभाग ने खेलो इंडिया-स्वच्छता पखवाड़ा के तहत एक दिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन किया। मैच का आयोजन आबकारी विभाग द्वारा जारी कॉलेंडर की घटनाओं की श्रृंखला के एक भाग के रूप में किया गया। यह आयोजन आबकारी आयुक्त जम्मू-कश्मीर पंकज कुमार जेकेएएस और उप आबकारी आयुक्त कुसुम शर्मा जेकेएएस के निर्देश पर और ईटीओ राजौरी पुंछ रेंज सूरज प्रकाश की प्रत्यक्ष देखरेख में आयोजित किया गया। आयोजन के दौरान दो क्रिकेट क्लब राहुल द्रविड़ क्रिकेट क्लब और एहसास सीएलएसयूबी (14 साल से कम) ने एक रोमांचक खेल खेला। इस कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रमुख नागरिकों सहित इम्तियाज अहमद सलारिया, एडवोकेट इफकटकर बज़मी, मौलवी फरीद अहमद और अन्य शामिल थे। इस आयोजन का प्रबंधन क्रिकेट कोच परवेज मलिक ने किया। मैच के दौरान खिलाड़ियों के बीच बर्दी सहित पुरस्कार वितरित किए गए। आबकारी और कराधान अधिकारी ने युवाओं को संबोधित किया और उनसे कहा कि वे खुद को नशीली दवाओं के खतरे से दूर रखें और ऊर्जा को सकारात्मक पक्ष की ओर ले जाएं।

राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने जीते 2 स्वर्ण व 6 कांस्य पदक

मुरादाबाद। मुरादाबाद ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव व हेड कोच ने तकी इमाम ने बताया कि कानपुर में आयोजित हुई राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मुरादाबाद जिले से 28 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर 2 स्वर्ण और 6 कांस्य पदक जीतकर अपने नाम कर मुरादाबाद का नाम रोशन किया। तकी इमाम ने आगे बताया कि मुरादाबाद लौटे सभी खिलाड़ियों का रेलवे स्टेशन पर स्वागत अभिनंदन किया गया। 2 अगस्त से 5 अगस्त को उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो द्वारा इंडिया ताइक्वांडों के तत्वाधान में राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन कानपुर में किया गया, जिसमें मुरादाबाद जिले से 28 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। इस प्रतियोगिता में शिशु वाटिका ताइक्वांडो एकेडमी से भानू शर्मा और शिवानी पाल ने स्वर्ण पदक, दिव्यांशी, प्रिय लोधी, लवकुश ने कांस्य पदक हासिल किया। खान ताइक्वांडो एकेड्मी से जोहान अली ने और मीर हाशमी ने कांस्य पदक हासिल किया। मुस्तफा ताइक्वांडो एकेडमी से जैनु अब्दुल्लाह ने कांस्य पदक हासिल किया। स्वर्ण पदक विजेता भानू शर्मा और शिवानी पाल का चयन नेशनल ताइक्वांडो चैपियनशिप के लिए किया गया है। नेशनल ताइक्वांडो चैपियनशिप 15 व 16 अगस्त को कानपुर में इंडिया ताइक्वांडो द्वारा आयोजित की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज में भाग लेने हेतु रोहन आगरा रवाना

किशनगंज। महाराजा अग्रसेन भवन, लोहार मंडी, आगरा में नौ अगस्त सेश्री धनपत राय सचदेवा मेमोरियल बिलो 1800 फिडे रेटेड चेस टूर्नामेंट प्रारंभ है। जिसका समापन 11 अगस्त को होगा. इसमें नेपाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, झारखंड, तेलंगाना सहित अपने देश के विभिन्न प्रांतों से कुल 150 खिलाड़ीगण आपस में प्रतिस्पर्धा करने उतरेंगे. इसमें किशगनंज के जिला चैंपियन खिलाड़ी रोहन कुमार को शामिल करने के निण् संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमल मित्तल ने अपने गंतव्य की ओर रवाना किया. इसकी जानकारी संघ के मानद महासचिव शंकर नारायण दत्ता एवं वरीय संयुक्त सचिव तथा चेस क्रॉप्स के सीईओ व खिलाड़ी के कोच कमल कर्मकार ने दी. इस अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में उत्तम प्रदर्शन करने हेतु जिला शतरंज संघ परिवार के मनीष कासलीवाल, श्रवण कुमार सिंघल, मुनव्वर रिजवी, रिंकी झा, बासुकी नाथ गुप्ता, निशान सिंह, सुरोजित दास, सुरेश जैन, पूर्ण कुमार सिंह, अभिषेक कुमार, बापी चंद्र बणिक, डॉक्टर (प्रोफेसर) लिपि मोदी, सुनीता अग्रवाल, रचना कुमारी, पदमा भारतीय सहित अन्य दर्जन लोगों ने शुभकामनाएं दी।

पेरिस ओलंपिक: चौथे स्थान पर आने के बाद मीराबाई चानू ने कहा-मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया लेकिन पदक से चूक गई

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहने के बाद, भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने निराशा व्यक्त करते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए कड़ी मेहनत करने की कसम खाई। चानू पदक जीतने से चूक गई, उन्होंने कुल 199 किग्रा के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा, मैंने देश के लिए पदक जीतने की पूरी कोशिश की, लेकिन आज मैं चूक गई...यह खेल का एक हिस्सा है, हम सभी कभी जीतते हैं और कभी हारते हैं...अगली बार मैं देश के लिए पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत

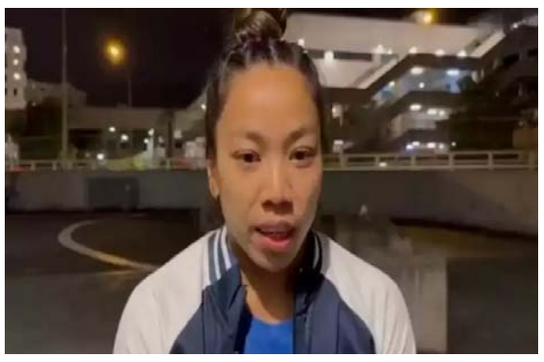

करूंगी...मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगी और अगले गेम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी।भारत और चानू के लिए, पेरिस में यह एक और चौथा स्थान था, जब वे कुल 199 किग्रा के साथ पदक जीतने से चूक गए।पहला स्नैच इवेंट था, जिसमें भारोत्तोलक को बारबेल उठाकर एक ही बार में अपने सिर के ऊपर उठाना होता है। दूसरा क्लीन-एंड-जर्क इवेंट था, जिसमें भारोत्तोलक को बारबेल उठाकर अपनी छाती तक लाना होता है (क्लीन) और फिर अपनी बाहों और पैरों को फैलाकर सीधी कोहनी से उसे सिर के ऊपर उठाना होता है (जर्क)। भारोत्तोलकों को तब तक इसे वहीं पर रखना होता है जब तक बजर बज न जाए।चीन की होउ झिहुई ने कुल 206 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक जीता, रोमानिया की मिहेला वैलेंटिना कैम्बेई ने 205 किग्रा के साथ रजत पदक जीता और थाईलैंड की सुरोदचाना खंबाओ ने 200 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता। भारत ने अब तक पेरिस ओलंपिक में तीन कांस्य पदक जीते हैं और सभी निशानेबाजी में आए हैं।

जिला स्टेडियम में नौ अगस्त को होगा जिला स्तरीय ट्रायल

एजेंसी

महोबा। जिला स्तरीय ट्रायल नौ अगस्त को जिला स्टेडियम में होगा। जहां जनपद स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुना जाएगा। इसके बाद वह प्रदेश स्तरीय ट्रायल में शामिल हो सकेंगे। यह जानकारी उप क्रीड़ाधिकारी रामचंद्र ने गुरुवार को दी है। जिला क्रीड़ाधिकारी राम चंद्र ने बताया कि जिला स्टेडियम में विभिन्न खेलों को लेकर ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। जिसमें टेनिस, वॉलीबॉल, तैराकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, शतरंज, कुश्ती क्रिकेट और हॉकी सहित अन्य प्रतियोगिताओं का ट्रायल होगा व खिलाड़ी चयनित होंगे। ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुने जाएंगे, जहां 13 से 14 अगस्त को शानदार प्रदर्शन करने वालों को प्रदेश स्तरीय ट्रायल के लिए मौका मिलेगा और प्रदेश स्तरीय ट्रायल 22 से 23 अगस्त को होना है।

पेरिस ओलंपिक: मीराबाई चानू पदक से चूकीं, भारोत्तोलन स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं

एजेंसी

पेरिस। मीराबाई चानू का लगातार दूसरे ओलंपिक पदक के लिए साहसी प्रयास निराशाजनक रूप से समाप्त हो गया, जब टोक्यो खेलों की रजत पदक विजेता बुधवार देर रात यहां साउथ पेरिस एरिना के भारोत्तोलन हॉल में कुल 199 किग्रा के साथ चौथे स्थान पर रहीं। पदक सुनिश्चित करने के लिए 200 किग्रा से अधिक का कुल वजन उठाने के स्पष्ट लक्ष्य के साथ, शीर्ष भारतीय भारोत्तोलक एक किग्रा से पोडियम स्थान से चूक गईं।

मीराबाई ने अपने तीसरे प्रयास में 88 किग्रा का सर्वश्रेष्ठ स्नैच प्रयास किया। उन्होंने अपने पांचवें प्रयास में 111 किग्रा का क्लीन एंड जर्क मार्क दर्ज किया, जबकि पदक सुनिश्चित करने के लिए 114 किग्रा का उनका अंतिम प्रयास सफल नहीं रहा। अपने कम शारीरिक वजन के कारण, भारतीय खिलाड़ी 112 किग्रा के सफल क्लीन एंड जर्क प्रयास के साथ भी कांस्य पदक प्राप्त कर सकती थी और थाईलैंड की सुदोरचना खंबाओ के साथ कुल 200 किग्रा की बराबरी कर सकती थीं, लेकिन सफल नहीं हो सकीं।

चीन की होउ झिहुई ने दो बार

की यूरोपीय चैंपियन मिहेला कैम्बेई की कड़ी चुनौती को पार करते हुए 206 किग्रा के कुल वजन के साथ अपने खिताब का बचाव किया, जिसमें 117 किग्रा का ओलंपिक क्लीन एंड जर्क रिकॉर्ड भी शामिल है। मिहेला ने कुल 205 किग्रा वजन उठाया, जिसमें स्नैच में उनका 93 किग्रा का प्रभावशाली प्रदर्शन शामिल है। सुदोरचना के 200 किग्रा में स्नैच में 88 किग्रा शामिल है।

श्रीलंका ने तीसरे वनडे में भारत को 110 रनों से हराया, 2-0 से जीती श्रृंखला

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका ने तीसरे और आखिरी एकदिवसीय मैच में भारत को 110 रनों के विशान अंतर से हराया है। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने एकदिवसीय श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली। करीब 27 साल बाद श्रीलंका ने भारत को एकदिवसीय श्रृंखला में हराया है। इससे पहले वर्ष 1997 में अर्जुन रणतुंगा की कप्तानी वाली टीम ने भारत को 3-0 से मात दी थी।

श्रीलंका की ओर से मिले 249 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम पूरी तरह बिखर गई। पूरा बल्लेबाजी क्रम श्रीलंकाई गेंदबाजों के आगे 26.1 ओवर में ही निपट गया। भारत के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान रोहित शर्मा ने बनाए। रोहित ने 35 रन बनाए। उनके अलावा विराट कोहली ने 20 और वाशिंगटन सुंदर ने 30 रन का योगदान किया। वहीं श्रीलंका के लिए दुनिश वेल्लालागे ने पांच विकेट चटकाए, जबकि जेफरी वांडरसे और महीश तीक्ष्णा को दो-दो सफलताएं मिलीं। एक विकेट असिथा फरनांडो के नाम रहा।इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 50 ओवर में सात विकेट पर 248 रन बनाए थे। श्रीलंका के लिए अविष्का फर्नांडो ने 102 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 96 रन बनाए थे, जबकि कुसल मेंडिस ने 59 रनों की पारी खेली। ओपनर पथुम निशंका ने 45 रन बनाए। भारत के लिए रियान पराग

सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 54 रन खर्च कर तीन विकेट अपने नाम किए। वहीं मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर को एक-एक सफलता मिली।

पेरिस ओलंपिक: पहलवान अंतिम पंघाल, सहयोगी स्टाफ को वापस स्वदेश भेजेगा आईओए

एजेंसी

पेरिस। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पहलवान अंतिम पंघाल और उनके सहयोगी स्टाफ को चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों के दौरान अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया है, क्योंकि उन्होंने ओलंपिक गांव की मान्यता अपनी बहन को दे दी थी।एक बयान में, आईओए ने घोषणा की कि फ्रांसीसी अधिकारियों ने रिपोर्ट की है कि अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों ने अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन किया है। आईओए ने कहा, फ्रांसीसी अधिकारियों द्वारा आईओए के संज्ञान में अनुशासनात्मक उल्लंघन लाए जाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ ने पहलवान अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों को वापस भेजने का फैसला किया है। फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की, जब अंतिम पंघाल ने ओलंपिक खेल गांव में प्रवेश करने में मदद करने के लिए अपनी बहन को

मान्यता दी। आईओए ने पुष्टि की कि भारतीय पहलवान और उनके सहयोगी कर्मचारियों को भारत वापस भेजा जाएगा।बयान में कहा गया, अंतिम पंघाल ने अपनी बहन को मान्यता दी, ताकि वह खेल गांव में प्रवेश कर सके। फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की, और इसलिए उसे अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ भारत वापस भेजा जाएगा। इससे पहले दिन में, अंतिम पंघाल चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों में महिलाओं की 53 किलोग्राम फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 बाउट में तुर्की की ज़ेनेप येतगिल से हार गई।

अंडर 23 यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता तुर्की की पहलवान ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की। ??

कुश्ती के क्षेत्र में भारत की पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका तब लगा जब पहलवान विनेश फोगट को बुधवार को वजन के निशान को पार करने के कारण 50 किलोग्राम महिला कुश्ती स्पर्धा से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश को स्वर्ण पदक के मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट से भिड़ना था। विनेश फोगट ने सेमीफाइनल में क्यूबा की युसनेलिस गुज़मैन लोपेज़ को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला किया था। भारत ने अब तक पेरिस ओलंपिक में तीन कांस्य पदक जीते हैं, सभी निशानेबाजी में आए हैं।

नार्दर्न रेलवे ने केडी सिंह को दी मात

एजेंसी

लखनऊ। हाकी लीग सीनियर मेन चैंपियनशिप में बुधवार को दो मैच खेले गये। पहले मैच में नार्दर्न रेलवे ने के.डी. सिंह बाबू सोसाइटी को 3-0 से हरा दिया। वहीं दूसरे मैच में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कालेज ने आर्मी इंजीनियर्स को 5-1 से मात देकर बढ़त बना ली। पहले मैच में नार्दर्न रेलवे और के.डी सिंह के बीच 15 मिनट तक कांटे का टक्कर चलता रहा। कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। 16वें मिनट में नार्दर्न रेलवे की टीम ने पहला गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद दूसरे हाफ में ही 28वें मिनट में एक गोल और दागकर नार्दर्न रेलवे की टीम आगे निकल गयी। तीसरे हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। चौथे हाफ में 50वें मिनट में नार्दर्न रेलवे की टीम ने पुन एक गोल कर मैच को 3-0 से जीत लिया। वहीं दूसरे मैच में गुरु गोविंद सिंह की टीम ने पहले हाफ के 13वें मिनट में ही पहला गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद दूसरे हाफ में दो गोल किये, तीसरे और चौथे हाफ में एक-एक गोल किये, जबकि इंजीनियर्स आर्मी की टीम दूसरे हाफ में एक गोल कर सकी। इस मैच में गुरु गोविंद सिंह की टीम ने 5-1 से विजय हासिल की।

पेरिस ओलंपिक: अविनाश साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में ग्यारहवें स्थान पर रहे

एजेंसी

पेरिस। भारत के अविनाश साबले देर रात स्टेड डी फ्रांस में आयोजित पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में ग्यारहवें स्थान पर रहे। मोरक्को के सौफियान एल बक्काली ने दौड़ जीतकर फिनलैंड के वोल्मारी इसो-होलो (1932-1936) के बाद पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज का खिताब बचाने वाले पहले धावक बन गए। एल बक्काली ने 8:06.05 का समय निकालकर जीत हासिल की, जबकि अमेरिकी केनेथ रूक्स ने 8:06.41 के समय के साथ रजत और केन्या के अब्राहम किबिवोट ने 8:06.47 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। साबले ने जोरदार शुरुआत की और शुरुआती बढ़त हासिल की और शुरुआती डेढ़ लैप तक इसे बनाए रखा। लेकिन, जल्द

ही बाकी धावकों ने बढ़त हासिल कर ली और इथियोपियाई तिकड़ी ने साबले को पीछे धकेल दिया। 28 वर्षीय एल बक्काली पिछली तीन वैश्विक चैंपियनशिप जीतकर पेरिस पहुंचे थे। 2021 में कोविड-विलंबित टोक्यो ओलंपिक में पहली जीत के बाद, जब वह 1980 के बाद से ओलंपिक स्टीपलचेज़ खिताब जीतने वाले पहले गैर-केन्याई धावक बने, उन्होंने यूजीन और बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में लगातार जीत के साथ अपनी स्थिति की पुष्टि की।

पेरिस उनका दूसरा ओलंपिक स्वर्ण पदक उन्हें अरब एथलीटों के बीच दुर्लभ समूह में शामिल करता है, जिन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों में दोहरा प्रदर्शन किया है।

केवल उनके मोरक्को के हमवतन हिचम एल गुएरौज, जिन्होंने एथेंस 2004 में 1500 मीटर और 5,000 मीटर में स्वर्ण पदक जीता था, और ट्यूनीशियाई तैराक ओसामा मेलौली (बीजिंग 2008 में 1500 मीटर फ्रीस्टाइल और लंदन 2012 में 10 किमी मैराथन) ने यह उपलब्धि हासिल की है।

विनेश फोगाट ने कुश्ती से लिया संन्यास, कहा- पेरिस ओलंपिक के बाद उनमें कोई ताकत नहीं बची

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में कठिन अनुभव के बाद कुश्ती से संन्यास की घोषणा की है, जहां फाइनल में पहुंचने के बाद उन्हें टूर्नामेंट से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।विनेश दूसरे वेट-इन (फाइनल के दिन) के दौरान वजन मापने में विफल रहीं और उन्हें टूर्नामेंट से अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिससे उनका पक्का पदक भी छिन गया। 29 वर्षीय विनेश कुश्ती में ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई थीं। भारत के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली एकमात्र अन्य महिला पहलवान साक्षी मलिक ने रियो 2016 में कांस्य पदक जीता था। गुरुवार की सुबह तड़के सोशल मीडिया पर विनेश ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा- ÷माँ कुश्ती, तुमने मुझे हरा दिया। मुझे माफ़ कर दो। मेरे सपने टूट गए हैं।

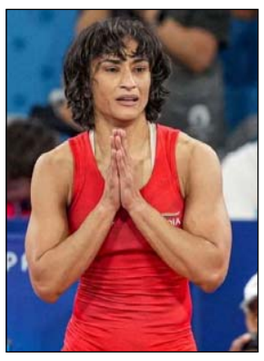

मेरी हिम्मत टूट गई है। अब मुझमें और ताकत नहीं है। अलविदा कुश्ती। मैं हमेशा तुम्हारा ऋणी रहूँगा। माफ़ करना।

दो बार की ओलंपियन विनेश के नाम तीन कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड, दो विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक और एक एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक है। उन्हें 2021 में एशियाई चैंपियन का ताज भी पहनाया गया था। विनेश प्रतिष्ठित फोगट कुश्ती परिवार से हैं। उनकी चचेरी बहनें गीता, संगीता और बबीता भी पहलवान हैं। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया ने उनकी चचेरी बहन संगीता से शादी की है। पिछले अठारह महीने इस अनुभवी पहलवान के लिए विशेष रूप से कठिन रहे। 2023 के अधिकांश भाग के लिए, विनेश ने साक्षी और बजरंग के साथ मिलकर भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रशासकों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसका नेतृत्व उस समय के दीर्घकालिक अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह कर रहे थे। विनेश और साक्षी ने महासंघ के भीतर सत्ता के दुरुपयोग की अन्य गंभीर शिकायतों के अलावा यौन उत्पीड़न और मानसिक शोषण के आरोप लगाए और जंतर-मंतर पर सड़कों पर कई सप्ताह तक विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ पर ध्यान केंद्रित करने में मदद की, जिसे निष्पक्ष संचालन प्रथाओं के लागू होने तक निलंबित कर दिया गया था।

यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने फरवरी 2024 में डब्ल्यूएफआई के अनंतिम निलंबन को हटा दिया, लेकिन महासंघ को यह गारंटी देने की आवश्यकता थी कि बजरंग, साक्षी या विनेश के खिलाफ कोई भेदभावपूर्ण कार्रवाई नहीं की जाएगी। विनेश के लिए चीजें सकारात्मक हो गईं क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जो लगभग 16 महीनों के बाद प्रतिस्पर्धी कुश्ती में उनकी वापसी थी।विनेश ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में फाइनल में पहुंचकर महिलाओं की 50 किग्रा श्रेणी में अपना पेरिस ओलंपिक कोटा सुरक्षित कर लिया था। उन्होंने सेमीफाइनल में लौरा गनीकीजी को हराया। डब्ल्यूएफआई ने कहा कि वे ओलंपिक ट्रायल आयोजित नहीं करेंगे और कोटा जीतने वाले पहलवान पेरिस में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

पेरिस ओलंपिक : महिला टेबल टेनिस टीम का खत्म हुआ सफर

एजेंसी

पेरिस। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम का पेरिस ओलंपिक 2024 में सफर समाप्त हो गया है। मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ की भारतीय महिला टीम को बुधवार को टेबल टेनिस वुमेन्स टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जर्मनी से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम के पास मौका था कि वो सेमीफाइनल के लिए प्रवेश कर सकें लेकिन वो जर्मनी से मिली हार के बाद पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गई।

मुकाबले की बात करें तो दोनों टीमों के

बीच पहला मैच युगल का खेला गया। युगल मैच में भारत की श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ की जोड़ी को जर्मनी की युआन वान और जिओना शान की जोड़ी से 5-11, 11-8, 10-12, 6-11 से हार झेलनी पड़ी।

दूसरा मैच एकल का खेला गया। एकल मैच में भारत की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा और जर्मनी की कॉफमैन एनेट के बीच खेला गया। एकल मैच में मनिका बत्रा ने पहला गेम तो जीता लेकिन अगले तीन गेम नहीं जीत सकीं और मैच 11-8, 5-11, 7-11, 5-11 से हार गईं। इससे जर्मनी की टीम ने 2-0 से बढ़त बना ली। इसके बाद अर्चना कामथ ने भारतीय टीम को उम्मीद की किरण दिखाई। तीसरा मैच अर्चना कामथ और जर्मनी की जओना शान के बीच खेला गया। कामथ ने यह मैच 19-17, 1-11, 11-5, 11-9 से जीता। चौथा मैच भारत की ओर से श्रीजा अकुला और जर्मनी की ओर से कॉफमैन एनेट खेलने आईं। इस मैच को अकुला 6-11, 7-11, 7-11 से हार गईं। इस तरह जर्मनी ने 1-3 से जीत दर्ज कर ली।

मुंबई के लिए बुची बाबू टूर्नामेंट का एक मैच खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

एजेंसी

मुंबई। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस साल आगामी बुची बाबू बहु-दिवसीय टूर्नामेंट में मुंबई के लिए एक मैच खेलने की पुष्टि की है। सूर्यकुमार 27 से 30 अगस्त तक कोयंबतूर में तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन एकादश के खिलाफ मुंबई सीए एकादश के लिए खेले जाने वाले दूसरे मैच में खेलेंगे। टेस्ट विशेषज्ञ सरफराज खान को मुंबई की टीम का कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार सभी प्रारूपों के क्रिकेट में खेलना चाहते हैं और भारतीय खिलाड़ी अभी ब्रेक पर होंगे क्योंकि उन्हें अगली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है।

हिना खान

के लिए ऑन स्क्रीन पति ने मांगी दुआ, 13 साल बाद ये रिश्ता क्या कहलाता है कास्ट का हुआ रीयूनियन

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। अभिनेत्री हिना खान इन दिनों बेहद कठिन दौर से गुजर रही हैं। एक्ट्रेस ब्रेस्ट कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का शिकार हैं। जून महीने के आखिर में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया था कि वह ब्रेस्ट कैंसर की तीसरी स्टेज पर है, जिसका इलाज मुंबई में करवा रही हैं।ऐसे में उनके चाहने वाले उनके जल्द से जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं। वहीं अब एक्ट्रेस के ऑनस्क्रीन पति एक्टर करण मेहरा का भी नाम इस लिस्ट में शामिल हुआ है। उन्होंने हिना के जल्द ठीक होने की कामना की है।

ये रिश्ता क्या कहलाता है की कास्ट का हुआ रीयूनियन

करण मेहरा ने अपने इंस्टाग्राम पर मंगलवार को कुछ फोटोज शेयर की है, जिसमें उनके साथ ये रिश्ता क्या कहलाता है की कास्ट नजर आई। करीब 13 साल बाद इनका रीयूनियन हुआ, जिसमें अभिनेता नेहा सरूपा बाबानी, निधि उत्तम, सोनाली वर्मा, मेधा जंबोटकर और आयुष विज भी

शामिल थे।

अभिनेता ने 2011 से अब तक की सभी तस्वीरों की तुलना करते हुए तस्वीरें पोस्ट कीं। उससे इसके बारे में पूछें तो वह कहता है, हम फोन पर संपर्क में थे, लेकिन लंबे समय से मिले नहीं मिले थे। इसलिए, हमने रीयूनियन की योजना बनाने का निर्णय लिया।

हिना खान को लेकर क्या बोले करण मेहरा

ये रिश्ता क्या कहलाता है में करण मेहरा और हिना खान ने पति-पत्नी का किरदार निभाया था। दर्शकों ने इन दोनों की जोड़ी को खूब पसंद भी किया था। अब उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में हिना खान को बहादुर बताया है। उन्होंने कहा-'मैं उनके जल्द से जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। वह बहुत साहस के साथ कैंसर से लड़ रही हैं जो हम सबने देखा है। भगवान उनकी शक्ति दे'।

जिस विलेन ने शाहरुख खान की नाक में किया था दम, Alpha के लिए शरवरी वाघ ने उसे अपना मेंटॉर बनाया

स्पाई यूनिवर्स इस वक्त भारत के टॉप फिल्मी यूनिवर्स में से एक है. 'टाइगर' और 'पठान' बनाने वाले इस यूनिवर्स ने आगे के लिए तगड़ी प्लानिंग कर रखी है. लाइनअप इतना खतरनाक है कि जब फिल्में आएंगी, तो गदर मच जाएगा. शुरुआत इस साल नहीं होगी. साल 2025 में इस यूनिवर्स की अगली फिल्म आने वाली है, जो है- जॉन अब्राहम की War 2. फिल्म में ऋतिक रोशन के अपोजिट जूनियर एनटीआर नजर आएंगे.

इसके बाद 3 और फिल्में आएंगी. पहली- आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की Alpha, दूसरी- शाहरुख खान की Pathaan 2 और तीसरी- शाहरुख और सलमान खान की Tiger वर्सेज Pathaan. इस वक्त दो ही फिल्मों पर काम शुरू हुआ है. ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' का काम जल्द पूरा हो जाएगा. इसके बाद बारी आलिया भट्ट की 'अल्फा' की आएगी. फिल्म में आलिया भट्ट के साथ ही शरवरी वाघ अहम रोल में दिखने वाली हैं. पर इसके लिए उन्होंने जो गुरु चुना है, वो शाहरुख खान का दुश्मन है.15 अगस्त का दिन शरवरी वाघ के लिए बेहद अहम होगा. उनकी फिल्म 'वेदा' रिलीज होने वाली है. जॉन अब्राहम के साथ शरवरी वाघ नजर आ रही हैं. इसी दिन दो और एक्टर्स की फिल्म रिलीज होगी. अक्षय कुमार की 'खेल-खेल में' और श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2'. इस दिन तीन एक्टर्स की टक्कर होने वाली है. पर बीते दिनों 'वेदा' का जो ट्रेलर आया है, वो बेहद जबरदस्त है. खासकर बात शरवरी वाघ की हो तो वो फुल एक्शन मोड में दिखाई दे रही हैं. इसी बीच उन्होंने अगली फिल्म को लेकर कुछ खुलासे किए हैं.

Alpha के लिए शरवरी वाघ ने किसे बनाया गुरु ?

आलिया भट्ट की फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है. फिल्म में उनका साथ शरवरी वाघ दे रही हैं. वहीं बॉबी देओल विलेन बन रहे हैं, जो दोनों के लिए मुश्किलें बढ़ाते नजर आएंगे. हालांकि, अनिल कपूर फिल्म में चीफ की भूमिका निभा रहे हैं. इसी बीच टीवी9 डिजिटल को दिए इंटरव्यू में शरवरी वाघ ने की तैयारियों को लेकर काफी कुछ बताया. जब शरवरी वाघ से उनकी अपकमिंग फिल्म को लेकर सवाल किए गए, तो उन्होंने 'वेदा' से ही शुरुआत की.

जॉन अब्राहम के साथ काम करके काफी मजा आया. 'वेदा' मेरी एक्शन फिल्म है और जॉन हमारे देश के एक्शन सुपरस्टार हैं. वो जिस तरह का एक्शन करते हैं और सेफ्टी को लेकर काफी पर्टिक्यूलर हैं. जब आप पहली बार एक्शन फिल्म कर रहे होते हैं, तो यह सब पता होना जरूरी होता है. जॉनर के साथ ही फिल्म का कैमरा वर्क भी अलग होता है. वो जो कुछ भी सीखने को मिला है, वो मेरे लिए मास्टरक्लास इन एक्शन.

अल्फा की शूटिंग से पहले क्या हुआ था ?

शरवरी वाघ ने बताया कि वो 'अल्फा' की शूटिंग से पहले जॉन अब्राहम से मिलने गई थीं. उनसे कई सवाल किए गए थे. क्या होता है? कैसे होता है? मैं क्या खाऊं? मैं किस ट्रेनर के पास जाऊं? मैंने सीधे जाकर जॉन अब्राहम को अपना मेंटॉर बनाया है.

एक्शन के सवालों को लेकर मैं हमेशा उनके पास जाती हूं. दरअसल जिस यूनिवर्स की फिल्म में शरवरी वाघ काम कर रही हैं, जॉन अब्राहम भी उसी का हिस्सा रह चुके हैं. वो शाहरुख खान की 'पठान' में विलेन बने थे. पिक्चर में किंग खान के लिए मुश्किलें बढ़ाते भी नजर आए थे. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ से ज्यादा छापे थे.

निजी जिंदगी पर उठे थे सवाल, बिग बॉस करके पछता रहे हैं टीवी के ये मशहूर एक्टर?

नील भट्ट ने अपनी पत्नी ऐश्वर्या शर्मा के साथ सलमान खान के बिग बॉस 17 में एंट्री की थी. इस शो में भले ही नील भट्ट को 'ग्रीन फ्लैग' वाला टैग मिल गया था. लेकिन देश के इस सबसे बड़े विवादित शो में उनकी पत्नी ऐश्वर्या के साथ उनके रिश्ते पर कई सवाल उठाए गए. दोनों को अक्सर इस शो में एक-दूसरे के साथ लड़ते हुए दिखाया गया था. लेकिन असल जिंदगी में कहानी पूरी तरह से अलग थी. जल्द नील कलर्स टीवी के 'मेघा बरसेंगे' से टीवी पर कमबैक करने जा रहे हैं. इस दौरान टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की खास बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें बिग बॉस करने का कोई पछतावा नहीं है.नील भट्ट बोले, मुझे अपनी जिंदगी में किसी भी चीज का पछतावा नहीं है. भले ही बिग बॉस के घर के अंदर हमारे साथ जो कुछ भी हुआ, लेकिन ऑडियंस ने हमें समझा. जब से हम उस शो से बाहर आए हैं, ऑडियंस की तरफ से हमें सिर्फ प्यार ही मिला है. जब आप किसी भी लड़ाई के बाद अपना सिर गर्व से ऊंचा करके चल सकते हैं, तो उसे आपकी जीत ही कहनी होगी. बिग बॉस से जख्म जरूर हुए थे, लेकिन वो 'बैटल स्कार' हमारे जीत की कहानी बयां करते हैं. इसलिए बिग बॉस करने का मुझे और ऐश्वर्या को कोई पछतावा नहीं है.

खतरों के खिलाड़ी को लेकर बताई सच्चाई

नील भट्ट की पत्नी ऐश्वर्या शर्मा बिग बॉस के साथ-साथ 'खतरों के खिलाड़ी' का भी हिस्सा रह चुकी हैं. कहा जा रहा था कि इस साल नील भट्ट भी रोहित शेट्टी के शो का हिस्सा हो सकते हैं. लेकिन नील भट्ट ने इन खबरों से इनकार किया है. उन्होंने कहा कि कौन एक्टर काम नहीं करना चाहता. अगर मुझे ये शो ऑफर होता तो मैं जरूर करता. लेकिन मुझे इस साल ये शो नहीं ऑफर हुआ. लेकिन भविष्य में अगर इस तरह का शो मुझे ऑफर होता है, तो मैं इसे जरूर करना चाहूंगा.

नए शो में आईएएस के किरदार में नजर आएंगे नील

नील भट्ट कलर्स टीवी के 'मेघा बरसेंगे' में आईएएस अफसर के किरदार में नजर आने वाले हैं. उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा कि जब ये किरदार मुझे सुनाया जा रहा था, तब इस किरदार को लेकर मेरी उत्सुकता बढ़ती ही जा रही थी. इस किरदार में स्वैग है, एक अलग पर्सनालिटी है और साथ ही इसमें एक खासियत है और वो है उसका लोगों पर तंज कसना, वो सामने वाले की सीधे मदद नहीं करता, वो कुछ ऐसा करता है, जिससे सामने वाला खुद अपनी मुश्किलों का सामना करने के लिए सक्षम बने. इस किरदार की इस खासियत ने मेरा दिल जीत लिया. ऐश्वर्या (नील भट्ट की पत्नी) को भी मेरा ये किरदार बहुत पसंद आया है. कलर्स टीवी का ये शो 6 अगस्त से ऑन एयर होने जा रहा है.

सनी देओल की Lahore 1947 में भारत-पाकिस्तान के बीच ऐसा ट्रेन सीक्वेंस होने वाला है, जिसे देख रो पड़ेंगे!

देओल परिवार के लिए बीता साल जबरदस्त रहा. सनी देओल की 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर बड़े-बड़े रिकॉर्ड्स तोड़ दिए, तो वहीं बॉबी देओल की वापसी ने हर किसी को हिलाकर रख दिया. रही सही कसर धर्मेंद्र ने पूरी कर दी. उनकी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस किया था. दोनों भाई मिलकर कई बड़ी फिल्मों में धूम मचाने की तैयारियां कर रहे हैं. सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, साउथ इंडस्ट्री के लिए अपना इरादा साफ कर दिया है. बात सनी देओल की फिल्मों की करें तो एक्टर के खाते में 8 फिल्में हैं- 'सफर', 'लाहौर 1947', 'बॉर्डर 2', 'रामायण', 'मां तुझे सलाम 2', 'अपने 2', 'बाप' और एक साउथ फिल्म. उनकी सभी फिल्मों पर लगातार कई अपडेट्स सामने आ रहे हैं, पर इस वक्त जो पिक्चर चर्चा में बनी है, वो Lahore 1947 है.'गदर 2' के बाद से सनी देओल अपनी अगली फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं. वो अपने पुराने दोस्त राजकुमार हिरानी के साथ 'लाहौर 1947' पर काम कर रहे हैं. फिल्म की शूटिंग जोरों-शोरों से जारी है. इस पीरियड ड्रामा में सनी देओल के अपोजिट प्रीति जिंटा नजर आएंगी. वो 6 साल बाद फिल्मों में वापसी करने जा रही हैं. दोनों पहले भी एक फिल्म में साथ नजर आ चुके हैं, जो है- हीरो- ए लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई.

'लाहौर 1947' पर क्या अपडेट आ गया ?

हाल ही में ई-टाइम्स पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि, 'लाहौर 1947' की शूटिंग जल्द खत्म हो जाएगी. आखिरी कुछ हिस्सों का शूट किया जा रहा है. जिस सीन को इस वक्त फिल्माया जा रहा है, वो एक ट्रेन सीक्वेंस है. इस दौरान फिल्म के किरदारों की एक जर्नी दिखाई जाएगी, जो भारत और पाकिस्तान के बीच होगी. रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के विभाजन के दौरान का यह अहम सीन इस फिल्म का हाइलाइट होगा. ऐसा पता लगा कि फिल्म का क्लाइमैक्स भी एकदम जबरदस्त होने वाला है. भारत के विभाजन का एक इमोशनल सीन दिखाया जाएगा.यह सीन न जाने कितनी ही बार अलग-अलग फिल्मों में दिखाया जा चुका है. ऐसे में मेकर्स भी कोई चांस नहीं लेना चाहते. वो इसे अलग बनाने के लिए तमाम कोशिशें कर रहे हैं. लोगों को फ्रेश एक्सपीरियंस देने के लिए कई हफ्ते तक बड़ी कास्ट और क्रू के साथ इस सीक्वेंस को फिल्माया जाएगा.